* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

10 जून, 2023
आषाढ़, कृष्ण पक्ष, सप्तमी
संवत 2080
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
शनिवार, वर्ष 08, अंक 230

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

शरद पवार-संजय राउत को जान से मारने की धमकी मिली, दो हिरासत में

जमीन घोटाला : तीन दिन तक दोनों से की जायेगी पूछताछ

इडी को मिली अमित अग्रवाल और दिलीप घोष की रिमांड

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची में सेना की जमीन घोटाला मामले में गिरफ्तार कारोबारी अमित अग्रवाल और जगतबंधु टी इस्टेट के मालिक दिलीप घोष को तीन दिनों के लिए प्रवर्तन निदेशालय (इडी) की रिमांड पर भेज दिया गया। दोनों आरोपियों को शुक्रवार को इडी के विशेष न्यायाधीश दिनेश राय की कोर्ट में पेश किया गया। इडी ने पांच दिन के रिमांड की मांग की। कोर्ट ने तीन दिन की मंजूरी दी। अब दोनों आरोपियों से इडी पूछताछ कर सकेगी।

पूछताछ में और खुलासे की उम्मीद : गौरतलब है कि इडी ने अमित अग्रवाल को बागडोगरा हवाई अड्डे और दिलीप घोष को कोलकाता से बुधवार को गिरफ्तार किया था। दोनों को गुरुवार को इडी की विशेष अदालत में पेश किया गया था। इडी ने दोनों को रिमांड पर लेने की अनुमति मांगी थी, जिस पर कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई हुई। कोर्ट ने रिमांड की अनुमति दे दी है। अब इडी इन दोनों से पूछताछ करेगी। सूत्रों की मानें तो अब तक जो बातें सामने आयी हैं, उसके अनुसार दोनों आरोपियों से पूछताछ में कई और अहम खुलासे की उम्मीद है।

इडी की जांच में आयी दोनों की संलिप्तता : जानकारी के मुताबिक जमीन घोटाले में इडी की जांच आगे बढ़ी, तो अमित अग्रवाल और दिलीप घोष की संलिप्तता सामने आयी। फर्जी कागजात के आधार पर प्रदीप बागची नामक शख्स ने कोलकाता के जगतबंधु टी इस्टेट के मालिक दिलीप घोष को यह जमीन बेची थी। इस कंपनी में अमित अग्रवाल भी सहयोगी हैं। इस मामले में शेल कंपनी के जरिये पैसे के लेन-देन की भी पुष्टि हो रही है।

13 अप्रैल को इडी ने की थी छापेमारी : गौरतलब है कि इडी ने सेना जमीन घोटाला मामले में 13 अप्रैल को छापेमारी की थी। उसके बाद सात लोगों को गिरफ्तार किया गया था। इनमें बड़गाईं अंचल के राजस्व उप निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद, सेना के कब्जे वाली 4.55 एकड़ जमीन का विक्रेता प्रदीप बागची सहित कुल सात आरोपितों को जेल भेज दिया गया था। इसके अलावा रांची के पूर्व उपायुक्त निलंबित आइएएस छवि रंजन को भी जेल भेजा गया है। इन पर सेना की जमीन के मूल दस्तावेज में छेड़छाड़ करने, फर्जीवाड़ा करने और फर्जी दस्तावेज के आधार पर होल्डिंग नंबर लेने, फर्जी कागज कब्जा दिखा कर जमीन बेचने आदि में सहयोग का आरोप है।

विवादों में रहे हैं अमित अग्रवाल

अमित अग्रवाल की गिरफ्तारी इडी के लिए बड़ा कदम है। अमित कोलकाता के बड़े कारोबारी हैं। अमित अग्रवाल को इडी ने पिछले साल अधिवक्ता राजीव कुमार को 50 लाख रुपये देने के मामले में गिरफ्तार किया था। वह इस मामले में जमानत पर हैं। इस बीच उनके खिलाफ एक नया मामला आ गया।

सीएम हेमंत सोरेन ने भगवान बिरसा मुंडा को दी श्रद्धांजलि

- बिरसा चौक स्थित प्रतिमा और समाधि स्थल पर पुष्प चक्र अर्पित किया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भगवान बिरसा मुंडा की शुक्रवार को पुण्यतिथि थी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सुबह में ट्वीट कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। हेमंत ने लिखा, धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा अमर रहें। झारखंड के वीर शहीद अमर रहें। इसके बाद शाम को वह रांची के बिरसा चौक और कोकर स्थित समाधि स्थल पहुंचे। बिरसा चौक पर उन्होंने धरती आबा की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किया। वहीं कोकर में स्थित समाधि स्थल पर पुष्प चक्र अर्पित कर भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि दी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दी श्रद्धांजलि

नयी दिल्ली (आजाद सिपाही)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने ट्वीट कर लिखा है, भगवान बिरसा मुंडा जी की पुण्यतिथि पर उन्हें कोटि-कोटि नमन। उन्होंने विदेशी हुकूमत के खिलाफ संघर्ष में अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। आदिवासी समुदाय के उत्थान के लिए उनके समर्पण और सेवाभाव को कृतज्ञ राष्ट्र सदैव याद रखेगा।

नियोजन नीति के विरोध में झारखंड बंद आज, मशाल जुलूस निकाला

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। नियोजन नीति के विरोध में झारखंड स्टेट स्टूडेंट यूनियन ने 10 और 11 जून को झारखंड बंद का आह्वान किया है। इसकी पूर्व संध्या पर रांची समेत राज्य के विभिन्न जिलों में शुक्रवार को मशाल जुलूस निकाला गया। रांची में जयपाल सिंह स्टेडिया मे अल्बर्ट एक्का चौक तक छात्रों ने हाथों में माशल लेकर जुलूस निकाला।

इसी तरह धनबाद, हजारीबाग समेत अन्य शहरों में मशाल जुलूस निकाला गया।

बंद को देखते हुए कई निजी स्कूलों और कोचिंग संस्थानों ने अपने-अपने संस्थान को बंद रखने की घोषणा की है। उधर, पुलिस-प्रशासन ने बंद से निपटने के लिए पूरी तैयारी की है।

मणिपुर में फिर हिंसा, 3 की मौत

इंफाल (आजाद सपाही)। मणिपुर में कुकी और मैतेई समुदाय के बीच 3 मई से चली आ रही हिंसा थम नहीं रही है। शुक्रवार को राजधानी इंफाल से लगे कुकी बहुल खोकेन गांव में अलग-अलग वारदात में तीन लोगों की मौत हो गयी। सीबीआइ ने मणिपुर हिंसा के संबंध में 6 केस दर्ज किये। जांच के लिए एसआइटी बनायी है, इसमें 10 सदस्य हैं। बीते 24 घंटों में मणिपुर के इंफाल ईस्ट, काकचिंग, टेंग्नौपाल और बिष्णुपुर जिलों में 57 हथियार, 1,588 गोला-बारूद और 23 बम बरामद किए हुए हैं। इधर, गुरुवार देर रात दो लोगों ने इंफाल में भाजपा विधायक सोराईसाम केबी के घर बम से हमला कर दिया। पुलिस के मुताबिक, दो लोग बाइक से आये और उन्होंने खुले गेट के अंदर आइइडी बम फेंक दिया। हालांकि इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। उधर, मणिपुर के नगा विधायकों ने शुक्रवार को कहा कि वे चाहते हैं कि संघर्षग्रस्त राज्य के लिए किए जा रहे किसी भी समाधान से नगा क्षेत्रों के लिए मौजूदा व्यवस्था को बाधित नहीं किया जाना चाहिए। यहां स्वायत्त परिषद मौजूद हैं। केंद्रीय गृहमंत्री शाह से मुलाकात के बाद दस नगा विधायक यहां पहुंचे थे। मणिपुर के जल संसाधन, राहत और आपदा प्रबंधन मंत्री अवांगबो नेवमई ने कहा, 'हमने केंद्र से कोई मांग नहीं की है, लेकिन किसी भी व्यवस्था की स्थिति में नगा क्षेत्रों को नहीं छुआ जाना चाहिए, क्योंकि इससे समस्याएं पैदा होंगी।' चुमुकेदिमा में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि उन्होंने शाह से कहा कि नगा लोगों से परामर्श किया जाना चाहिए, क्योंकि वे केंद्र के साथ चल रही शांति प्रक्रिया का हिस्सा हैं।

धनबाद के भौंरा में चाल धंसी, तीन की मौत

- अवैध खनन के दौरान हुआ हादसा, कई घायल
- घायलों का गुपचुप तरीके से चल रहा है इलाज
- मौके पर पहुंची पुलिस मुहाने को कराया बंद

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद/झरिया। भौंरा में बीसीसीएल के पूर्वी झरिया क्षेत्र अंतर्गत एटी देव प्रभा आउटसोर्सिंग के समीप 4-ए पैच में शुक्रवार को अवैध खनन के दौरान चाल धंसने से तीन लोगों की मौत हो गयी, जबकि लगभग आधा दर्जन लोगों के घायल होने की सूचना है। घायलों को स्थानीय लोग आनन-फानन में ले भागे। सभी का इलाज गुपचुप तरीके से कराया जा रहा है। घटना के बाद मौके पर पुलिस पहुंची और खदान के मुहाने को डोजरिंग कर बंद कराया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उधर सीओ ने मामले की जांच का आश्वासन दिया है।

प्रत्यक्षदर्शियों ने तीन के मरने की पुष्टि की : घटना के संबंध विनोद नामक स्थानीय व्यक्ति ने बताया कि करीब सुबह के साढ़े नौ बजे घटना की जानकारी मिली। वह तत्काल मौके पर गये और स्थानीय लोगों के साथ मिल कर रेस्क्यू कार्य में लगे। उन्होंने बताया कि मलबे से आधा दर्जन से ज्यादा लोगों को निकाला गया। उनमें कुछ की हालत बेहद गंभीर थी। एक अन्य व्यक्ति ने बताया कि तीन लोगों की मौत की सूचना है, जबकि दो की पुष्टि हो चुकी है। मलबे में दबे भौंरा 16 नंबर निवासी 12 वर्षीय जितेंद्र यादव और भौंरा 6 नंबर निवासी लगभग 30 वर्षीय पवन प्रसाद उर्फ मदन को भौंरा बीसीसीएल अस्पताल ले जाया गया। चिकित्सकों ने जितेंद्र को मृत घोषित कर दिया। मदन की धनबाद ले जाने के क्रम में मौत हो गयी। एक मृतक महिला की पहचान नहीं हुई है।

शव को लेकर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन : स्थानीय ग्रामीण एक मृतक के शव को लेकर क्षेत्रीय महाप्रबंधक कार्यालय पहुंच गये और प्रदर्शन किया। घटना से आक्रोशित ग्रामीण मुआवजे की मांग कर रहे थे। ग्रामीणों ने पुलिस और बीसीएल प्रशासन पर मिली भगत का आरोप लगाया। हालांकि इस बारे में बीसीसीएल प्रबंधन ने फिलहाल कोई टिप्पणी नहीं की है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि घटना के काफी देर बाद पुलिस पहुंची। इस कारण स्थानीय लोगों ने अपने स्तर से ही बचाव कार्य किया। अगर समय पर पुलिस पहुंच कर बीसीसीएल प्रबंधन के साथ मिलकर बचाव कार्य करती, तो मौत को रोका जा सकता था।

स्थानीय पुलिस और प्रबंधक को लिखा था पत्र : सीओ

घटनास्थल पर पहुंचे झरिया सीओ परमेश्वर कुशवाहा ने कहा कि हमने कुछ दिन पूर्व ही पत्र लिखकर बीसीसीएल प्रबंधन एंव स्थानीय पुलिस को अवैध खनन से संबंधित पत्र लिखा था। उन्हें कहा गया था कि अगर आपके क्षेत्र में किसी प्रकार का अवैध खनन होगा, तो इसकी जवाबदेही आपकी होगी और सख्त कारवाई की जायेगी।

हजारीबाग के एक गांव में पक्की सड़क नहीं, लोग हलकान

प्रसव पीड़ा में महिला को चलना पड़ा चार किमी पैदल

- दूसरे गांव पहुंच कर मिली एंबुलेंस, तब पहुंची अस्पताल
- सीएचसी इचाक में हुआ प्रसव, जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ

दीपक सिंह

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। राज्य में आज भी कई ऐसे ग्रामीण क्षेत्र हैं, जहां पक्की सड़क नहीं होने के कारण लोग हलकान होते हैं। ऐसा ही एक मामला हजारीबाग में सामने आया है। जिले के इचाक प्रखंड मुख्यालय से करीब 15 किमी दूर सुदूरवर्ती पहाड़ों के बीच डाड़ीघाघर पंचायत में पुरनपनियां गांव है। यहां सड़क मार्ग नहीं होने के कारण एक महिला को प्रसव पीड़ा में चार किलोमीटर पैदल चलना पड़ा। महिला तीन घंटे में दूसरे गांव पहुंची, तब एंबुलेंस मिली और अस्पताल पहुंच सकी। भगवान का शुक्र है कि अस्पताल में उसने बच्चे को जन्म दिया और जच्चा-बच्चा दोनों ठीक हैं।

गांव की महिलाओं ने की पीड़िता की मदद

डाड़ीघाघर पंचायत के पुरनपनियां गांव निवासी सुरेंद्र किस्कू की पत्नी मुन्नी देवी को आठ जून की रात से ही प्रसव पीड़ा का एहसास हुआ। रात भर महिला घर पर छटपटाती रही। सुबह होने पर उसके पति, बाबूलाल मांझी, चंदमुनी देवी, ननकी देवी, सुकुरमुनी देवी आदि उसको सहारा देते हुए पैदल फुफंदी चौक तक लाये। वह पीड़ा की वजह से तीन घंटे में चार किलोमीटर की दूरी तय कर पायी। इसके बाद वहां से एंबुलेंस से उसे अस्पताल पहुंचाया गया। वहां उसने बच्चे को जन्म दिया।

गांव में पक्की सड़क नहीं होने से परेशानी

फुफंदी गांव के बाद डाड़ीघाघर पंचायत के पुरनपनियां, गरडीह, सालूजाम, धरधरवा गांव जाने के लिए पक्की सड़क नहीं होने के कारण पहाड़ी पगडंडी से होकर लोग आना-जाना करते हैं। इसके कारण लोगों को वर्षों से परेशानी झेलनी पड़ रही है। बीमार एवं गर्भवती महिलाओं को डोली में बैठाकर इलाज करवाने के लिए ले जाना पड़ता है।

सड़क निर्माण की कई बार कर चुके मांग

फुफंदी गांव के लोग जनप्रतिनिधियों और प्रशासन से सड़क निर्माण की कई बार मांग कर चुके हैं, लेकिन अभी तक इस तरफ ध्यान नहीं दिया गया है। इस संबंध में भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के सचिव रमेश कुमार हेंब्रम ने कहा कि उन्होंने सड़क निर्माण कराने की गुहार जिला प्रशासन समेत जनप्रतिनिधियों से कई बार की है। इसके बावजूद आज तक सड़क नहीं बनी। उन्होंने कहा कि डाड़ीघाघर में बना स्वास्थ्य उपकेंद्र कभी नहीं खुलता। वहां न तो कभी कोई चिकित्सक आता है और न ही कोई एएनएम। इस कारण इस पंचायत के लोगों को स्वास्थ्य सुविधा का लाभ आज तक नहीं मिला सका है। वहीं, मुखिया नंदकिशोर मेहता का कहना है कि फुफंदी गांव से पुरनपनियां गांव तक सड़क निर्माण को लेकर हजारीबाग डीसी, कोडरमा सांसद सह केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी एवं विधायक अमित कुमार यादव को आवेदन दे चुके हैं।

KUNDAN MARBLE & SANITATIONS

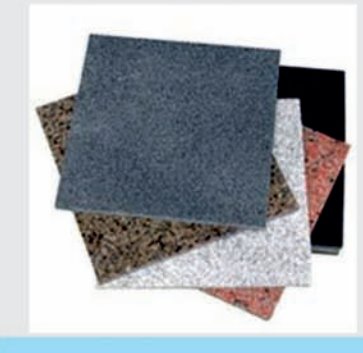

HOUSE OF :
Marbles, Tiles Granites, Kota
Cuddappa & Sanitary Ware
Contact for 4.5", 6" Boring

KUNDAN MARBLE & SANITATIONS
Near Holiday Home, Kanke Road, Ranchi-834008
E-mail : kundanmarble@gmail.com
Contact : 9334471800, 9472760801, 9334671802

आजाद सिपाही
188100 Subscribers
झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
VIEWERSHIP 3 Crore 80 lakh+
Watch Time (HR) 11 Lakh+
YouTube Channel
Subscribe NOW
No 1 Channel

सर्राफा
सोना (बिक्री) 57,100 रु./10 ग्राम
चांदी 76,000 रु./प्रति किलो

आजाद सिपाही
रांची, शनिवार, 10 जून, 2023
www.azadsipahi.in

किसी थ्रिलर से कम नहीं है यूपी के डीएसपी शैलेंद्र सिंह की कहानी

■ मुख्तार अंसारी की दबंगई को ध्वस्त करनेवाला आज फिर चर्चा में

■ राजनीति ने वर्दी तक उतरवा ली, लेकिन आखिर जीत सत्य की हुई

आजाद सिपाही विशेष

हिंदी फिल्मों की पटकथा का सबसे लोकप्रिय विषय खाकी वर्दी और पुलिस है। इसमें अक्सर दिखाया जाता है कि एक अकेले पुलिसवाले को देख कर बड़े-बड़े अपराधी रास्ता बदल देते हैं या एक सिपाही का इकबाल इतना होता है कि उसके इलाके में अपराधी कदम रखने से भी डरते हैं। हमारे देश के विभिन्न इलाकों में ऐसे कई पुलिस अधिकारी हुए हैं, जिनका कारनामा अक्सर सुर्खियों में रहा है। वे सिनेमा की इस 'सिंघम' वाली छवि में बिल्कुल फिट बैठते हैं। ऐसे ही एक पुलिस अधिकारी की कहानी आज हम आपको बता रहे हैं। इस पुलिस अधिकारी का नाम है शैलेंद्र सिंह, जिसने अपने कर्तव्य की बलिवेदी पर अपनी खाकी वर्दी तक को कुर्बान कर दिया। शैलेंद्र सिंह यूपी पुलिस के ऐसे अधिकारी हुआ करते थे, जिन्होंने चर्चित बाहुबली और माफिया डॉन मुख्तार अंसारी के पूरे आपराधिक साम्राज्य को तहस-नहस करके रख दिया। अपनी जान पर खेल कर उन्होंने मुख्तार अंसारी द्वारा खरीदी गयी एक लाइट मशीन गन को बरामद किया था और इसके बाद इस सरगना पर पोटा लगा कर जेल भेज दिया था। उन पर कई तरह के दबाव डाले गये, लेकिन वह टस से मस नहीं हुए। शैलेंद्र सिंह को इस बहादुरी का पुरस्कार यह मिला कि उन्हें अनाप-शनाप आरोप लगा कर सेवा से बर्खास्त कर दिया गया और कई मुकदमे भी दर्ज कर दिये गये। यह कितना दुखद है कि जिस वीरता के लिए उन्हें मेडल मिलना चाहिए था, उसके लिए उन्हें प्रताड़ित किया गया। आज जब मुख्तार अंसारी को उसके किये की सजा मिल रही है, शैलेंद्र सिंह से अधिक संतुष्ट शायद कोई दूसरा व्यक्ति नहीं होगा। यूपी का यह जांबाज पुलिस अधिकारी आज ऊर्जा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण काम कर रहा है। इसी पुलिस अधिकारी के बारे में बता रहे हैं आजाद सिपाही के **विशेष संवाददाता राकेश सिंह।**

राकेश सिंह

पिछले दिनों यूपी के चर्चित बाहुबली और समाजवादी पार्टी के विधायक रहे मुख्तार अंसारी को एक के बाद एक मामलों में सजा सुनायी गयी, तो उसके साथ एक और चेहरे की याद लोगों के जेहन में कौंध गयी, जो अब न तो खाकी वर्दी पहनता है और न ही किसी राजनीतिक दल से संबद्ध है। लेकिन यही व्यक्ति मुख्तार अंसारी को कानून के दरवाजे तक लाने की हिम्मत दिखा चुका है, जिसके कारण आज इस डॉन का साम्राज्य तिनकों की तरह बिखर रहा है। इस व्यक्ति का नाम है शैलेंद्र सिंह, जो इन दिनों लखनऊ में डेयरी फार्म चलाते हैं और ऊर्जा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण काम कर रहे हैं। शैलेंद्र सिंह वही पुलिस अधिकारी हैं, जिन्होंने गैंगस्टर से राजनेता बने मुख्तार अंसारी के खिलाफ साहसिक लड़ाई छेड़ी।

यूपी के गाजीपुर-मऊ-वाराणसी क्षेत्र में आपराधिक रैकेट का सरगना और समाजवादी पार्टी का पांच बार का विधायक मुख्तार अंसारी आज जेल के सीखचों के पीछे है, लेकिन उसे शायद सपने में भी एक चेहरा दिखता होगा, जिसका नाम शैलेंद्र सिंह है, जो पूरी ताकत से उसके आपराधिक साम्राज्य से लड़ते रहे। इसके लिए उन्हें वह सब कुछ चुकाना पड़ा, जो उन्होंने जीवन भर में कमाया था। यदि शैलेंद्र सिंह आज सेवा में होते, तो आज आइजी होते। वह कहते हैं कि वैसे भी उस समय यदि मैंने मुख्तार के खिलाफ अभियान खत्म कर देता, तो सरकार मुझे जरूर पुरस्कार देती।

मुख्तार अंसारी के खिलाफ पहली बार पुलिस के इकबाल का इस्तेमाल करनेवाले शैलेंद्र सिंह कहते हैं, मैंने घाट-घाट का पानी पिया और महसूस किया कि व्यवस्था किसी काम की नहीं है। सभी विभाग भ्रष्ट हैं। इसलिए मुझे बहुत पहले पता चल गया था कि मैं जिस रास्ते पर आगे बढ़ रहा हूं, वह मुझे अधिक दूर तक नहीं ले जायेगा। लेकिन पीछे हटना मुझे मंजूर नहीं था। आज जब मुख्तार अंसारी को उसके खिलाफ दर्ज 61 मामलों में से पांच में सजा सुनायी जा चुकी है और उसके तमाम सहयोगी या तो एक-एक कर मारे जा रहे हैं या गिरफ्तार किये जा रहे हैं, शैलेंद्र सिंह अपने डेयरी फार्म पर बेफिक्र जीवन बिता रहे हैं। शैलेंद्र सिंह के साथ काम करनेवाले पुलिस अधिकारी उनकी ईमानदारी की मिसाल देते हैं। शैलेंद्र सिंह इसलिए भी खास बन जाते हैं, क्योंकि जिस समय वह पुलिस में थे, उस समय सरकारें राजनेताओं के इशारे पर चलती थीं और राजनेता क्षेत्र में पैर जमाने वाले गैंगस्टरों के इशारों पर चलते थे।

तेज-तर्रार पुलिस अधिकारी से जैविक किसान तक का सफर

आज शैलेंद्र सिंह का मुख्तार अंसारी से कोई लेना-देना नहीं रह गया है। आज वह अपनी जैविक खेती, अपनी गायों और अपने आविष्कार पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, जो भविष्य में किसानों की मदद करेगा। उनका ट्रेडमिल कंट्रासेप्शन 150 आरपीएम पर गाय या बैल के चलने से उत्पन्न ऊर्जा को बिजली में बदल सकता है। वह इसे नंदी रथ कहते हैं। अपने खाली समय में वह आवारा मवेशियों को बचाते हैं और उन्हें अपनी गौशाला में रखते हैं। वह कहते हैं, मैंने यह सब देखा है। और इसीलिए मैंने अपने इनोवेशन के जरिये किसानों की मदद करने का फैसला किया है। अगर इतनी आसानी से आवारा पशुओं से बिजली पैदा की जा सकती है, तो किसानों को परेशान होने की जरूरत नहीं होगी। जैसे-जैसे गरीब शक्तिशाली होंगे, राजनीति भी बदलेगी।

एक तेज-तर्रार पुलिस वाले से लेकर एक असफल राजनेता और अब एक जैविक किसान तथा स्वाभिमानी आविष्कारक तक के सफर में सिंह ने कई भूमिकाएं निभायी हैं। पुलिस से इस्तीफा देने के बाद उन्होंने राजनीति में शामिल होने का भी प्रयास किया, लेकिन वह खुद को एक नेता के रूप में स्थापित नहीं कर सके। यहां तक कि उन पर तोड़फोड़ का आरोप भी लगाया गया था, लेकिन 17 साल बाद ही योगी आदित्यनाथ सरकार ने 2021 में वह मामला वापस ले लिया।

लखनऊ में उनके घर में चारों ओर सीसीटीवी कैमरे लगे हैं, स्टील का बड़ा सा दरवाजा लगा है और सतर्क गार्ड का पहरा है। आसपास के लोग उन्हें एक सख्त पुलिस वाला और स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) के प्रमुख के रूप में जानते हैं, जिन्होंने अंसारी को आतंकवाद निरोधक अधिनियम (पोटा) के तहत गिरफ्तार करने की मांग की थी, जिसके बाद उन्हें सितंबर 2004 में बर्खास्त कर दिया गया था।

पुराने दिनों की याद

2004 में मऊ से निर्दलीय विधायक मुख्तार अंसारी और मोहमदाबाद से भाजपा विधायक कृष्णानंद राय के बीच प्रतिद्वंद्विता बढ़ रही थी। अज्ञात व्यक्तियों ने लखनऊ में अंसारी के काफिले पर गोलियां चलायीं, जिसके बाद राय द्वारा यह कांड करवाने की अफवाह फैल गयी, क्योंकि उनका काफिला वहां से गुजर रहा था। सिंह बताते हैं, यह सब 2004 में शुरू हुआ, जब मैं लाइट मशीन गन (एलएमजी) का पता लगाने के लिए अंसारी का पीछा कर रहा था। घटना के बाद पुलिस को खुफिया जानकारी मिली कि अंसारी एलएमजी खरीदने की कोशिश कर रहा है। बसपा सरकार ने डीजीपी राजकुमार विश्वकर्मा के नेतृत्व वाले यूपी एसटीएफ को अलर्ट किया। वाराणसी एसटीएफ इकाई के तत्कालीन प्रभारी शैलेंद्र सिंह एलएमजी हासिल करने के अंसारी के इरादे के बारे में बताते हुए कहते हैं, अंसारी हताश था। उसने अपने आदमियों को वह बंदूक खरीदने का निर्देश दिया था, जिससे वह राय को मारना चाहता था। खुफिया जानकारी पर कार्रवाई करते हुए सिंह की टीम ने 25 जनवरी को वाराणसी के चौबेपुर इलाके में छापा मारा और एक एलएमजी और दो सौ जिंदा कारतूस जब्त किये। इसके बाद अंसारी के खिलाफ पोटा के तहत मुकदमा दर्ज किया। सिंह ने दावा किया कि उसके बाद उन्हें वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने 'व्यावहारिक होने और मामले को वापस लेने' के लिए कहा था। सिंह ने इसके बजाय इस्तीफा देना चुना। कई बार उन्हें मामले को बंद करने के लिए पैसे की पेशकश की गयी, लेकिन उन्होंने हमेशा मना कर दिया। उनके इस्तीफे के बाद भी पुलिस बल के भीतर शैलेंद्र सिंह के साथियों ने उन्हें बहुत सम्मान दिया। वह एक ऐसे व्यक्ति हैं, जिन्होंने लोगों की सेवा करने के अपने मिशन पर काम किया। उनके दोस्तों ने उन्हें समझाने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने अपना विचार नहीं बदला।

आज मुख्तार अंसारी अपनी करनी का फल जेल में भोग रहा है और अपने आपराधिक साम्राज्य को तिनके की तरह बिखरता देख कर आंसू बहा रहा है, तो वहीं शैलेंद्र सिंह जैसा जांबाज अधिकारी अपनी बहादुरी के किस्से सुनाते हुए इस बाहुबली के अंत का कारण बनने पर गर्व महसूस कर रहा है। एक पुलिस अधिकारी और नागरिक के रूप में यही सबसे बड़ा सम्मान होता है।

गोड्डा में मौलाना आजाद कॉलेज के प्राचार्य की अपहरण के बाद हत्या, आरोपी गिरफ्तार

कॉलेज में आपसी विवाद में मोहम्मद नजीरूद्दीन का अपहरण किया गया और हत्या कर दी गयी

आजाद सिपाही संवाददाता

गोड्डा। जिले के बसंतराय स्थित मौलाना अबुल कलाम आजाद कॉलेज के प्रिंसिपल की अपहरण के बाद अपराधियों ने हत्या कर दी। शुक्रवार सुबह प्रिंसिपल डॉ नजीरुद्दीन का शव महगामा दियाजोरी के बीच पाया गया। नजीरुद्दीन का क्षेत्र में काफी नाम था। वे राजनीतिक रूप से भी

सक्रिय थे। घटना में संलिप्त शाकिर को पुलिस ने अपहरण में उपयोग में की गयी काली रंग की गाड़ी के साथ पकड़ा लिया है। पूछताछ के दौरान उसने अपहरण कर हत्या की बात स्वीकार की। उसने पुलिस को बताया कि कॉलेज विवाद में मोहम्मद नजीरूद्दीन का अपहरण किया गया और हत्या कर दी गयी। शाकिर ने पुलिस को बताया कि इसमें उसके भाई एवं परिजनों की भी संलिप्तता है। पुलिस ने इस घटना में संलिप्त मो. शाकिर उर्फ चुन्ना, अमन राज और कपिल देव दास को हिरासत में लिया गया है। अन्य लोगों को भी हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। बताया जाता है कि प्रिंसिपल डॉ नजीरुद्दीन गुरुवार शाम को गाड़ी से बिहार के धोरैया से अपने गांव बसंतराय की ओर आ रहे थे। इस बीच झारखंड-बिहार सीमा पर कोरियाना पुल के पास हथियारबंद नकाबपोश अपराधियों ने उनकी गाड़ी को रोका और अपनी गाड़ी में बैठाकर ले गये। अपराधियों ने प्रिंसिपल के ड्राइवर को भी धमकी दी कि अगर इस बारे में किसी को बताया तो जान से मार देंगे। करीब दो घंटे के बाद ड्राइवर ने घटना की जानकारी प्रिंसिपल के घरवालों को दी, जिसके बाद पुलिस और परिजनों ने नजीरुद्दीन की काफी खोजबीन की लेकिन उनका कोई पता नहीं चला। इसी दौरान शुक्रवार सुबह नजीरुद्दीन का शव मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया और जांच-पड़ताल शुरू की।

पूर्वी सिंहभूम में हाथी ने युवक को मार डाला

पूर्वी सिंहभूम। जिले के सोनाहातू पंचायत स्थित मयूरनाचनी के साबान बास्के (27) के घर में घुसे हाथी ने पटक-पटक कर उसकी जान ले ली। उसकी पत्नी और बच्चों ने पड़ोस के घर में भागकर जान बचायी। साबान की पत्नी को श्राद्ध कर्म के लिए प्राथमिक मुआवजे के तौर पर 25 हजार रुपये दी गयी है।

बताया जा रहा है कि साबान पत्नी और दो बच्चों के साथ घर पर सो रहा था। गुरुवार आधी रात को लघु शंका करने के लिए वह घर से बाहर निकला। घर के आंगन में ही हाथी खड़ा था। हाथी ने साबान को पटक कर लहूलुहान कर डाला। उसकी पत्नी लखीमुनि, बेटी सुनीता (6) और सुभजीत (2) ने पड़ोस के घर में भागकर जान बचायी।

हाथी के जाने के बाद गंभीर रूप से घायल साबान घिसटते हुए पड़ोस में पहुंचा। उसने पानी मांगा। पड़ोसियों ने उसे पानी पिलाया और उसने दम तोड़ दिया। सूचना पाकर शुक्रवार को विधायक समीर महंती, जिप सदस्य धरित्री महतो, पूर्व जिप सदस्य जगन्नाथ महतो, मुखिया मोहन सोरेन तथा वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची।

शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। वन विभाग के अधिकारियों ने कहा कि जल्द ही मुआवजा की शेष राशि 3,75,000 मृतक की पत्नी को सौंप दी जायेगी। जंगली हाथी ने गुरुवार की रात भातकुंडा स्कूल के समीप दो घरों को भी तोड़ दिया।

दिल्ली में बेची गयी झारखंड की प्रीति का दुखद अंत

पिता ने चंदा जमा कर किया अंतिम संस्कार

झारखंड के मानव तस्करों ने प्रीति को दिल्ली में बेचा, प्रताड़ना से तंग आकर की आत्महत्या

आजाद सिपाही संवाददाता

सिमडेगा। दिल्ली में मानव तस्करों द्वारा बेची गयी झारखंड की प्रीति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आरंभिक जानकारी के मुताबिक घर मालिकों की प्रताड़ना से प्रीति द्वारा आत्महत्या जैसा कदम उठाने की बात सामने आ रही है। प्रीति मूलरूप से झारखंड के सिमडेगा जिला अंतर्गत कुरडेग क्षेत्र की रहने वाली थी। दलालों ने प्रीति को नौकरी का झांसा देकर राजौरी गार्डन स्थित एक व्यक्ति को बेच दिया था। वहां प्रीति घरेलू सहायिका के रूप में काम करती थी। बताया जाता है कि प्रीति ने 31 मई को ही आत्महत्या कर ली थी। घर मालिकों ने उसके पिता को दिल्ली बुलाया और वहीं अंतिम संस्कार कर दिया। अब राजौरी गार्डन पुलिस, झारखंड भवन एएचटीयू पुलिस, चाइल्ड लाइन और ट्राइबल आयोग मामले की जांच में जुटा है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम के बाद ही मौत की वजह स्पष्ट हो पायेगी। प्रीति के पिता अभी दिल्ली में ही हैं। इधर परिजन मर्माहत हैं।

दलाल ने प्रीति को दिल्ली ले जाकर बेचा था

आंगनबाड़ी सेविका ने बताया कि सेमरबेड़ा गांव निवासी अजय लकड़ा प्रीति सहित एक और नाबालिग बच्ची को लेकर दिल्ली गया था। प्रीति के दिल्ली जाने की जानकारी उसके पिता राजेश कुजूर को भी नहीं थी। बाद में गांव के ही कुछ लोगों से प्रीति के दिल्ली जाने की जानकारी राजेश को मिली थी। विद्यायन ने बताया कि 31 मई को प्रीति के साथ गयी गांव की एक अन्य नाबालिग बच्ची ने अपने परिजनों को प्रीति के आत्महत्या करने की जानकारी दी। इसके बाद प्रीति के पिता राजेश को इस संबंध में बताया गया। बेटी के द्वारा आत्महत्या किये जाने की खबर मिलने के बाद पिता राजेश पूरी तरह से टूट गया। अपनी बेटी के अंतिम दर्शन के लिए दिल्ली जाने के लिए भी राजेश के पास पैसे नहीं थे। तब राजेश ने अपने किसी रिश्तेदार से ही कुछ पैसे उधार लिये और आंगनबाड़ी सेविका के साथ दिल्ली पहुंचा। यहां पुलिस के निर्देश पर अपनी बेटी का अंतिम संस्कार किया और पोस्टमार्टम भी कराया। राजेश ने पूरे मामले की जांच की मांग की है। इधर राजौरी गार्डन की पुलिस और झारखंड भवन एएचटीयू की पुलिस ने राजेश का बयान भी दर्ज कर लिया है। पुलिस दलाल अजय लकड़ा और उसके साथियों की तलाश में जुट गयी है।

सिमडेगा पुलिस भी मामले की छानबीन में जुटी

कुरडेग थाना प्रभारी मुन्ना रवानी ने बताया कि उन्हें भी गुरुवार की दोपहर घटना की जानकारी मिली है। जांच शुरू कर दी गयी है। पीड़ित बच्ची के परिजन दिल्ली गये हुए हैं। जिसके कारण पूरी जानकारी नहीं मिल पायी है। बच्ची को दिल्ली ले जाने वाले दलाल की तलाश भी शुरू कर दी गयी है। थाना प्रभारी ने बताया कि दिल्ली पुलिस से भी संपर्क साधा गया है।

इडी ने 11 करोड़ की संपत्ति के दस्तावेज किये जब्त

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। अवैध बालू खनन मामले की प्रवर्तन निदेशालय (इडी) जांच कर रही है। जांच क्रम में इडी ने मैसर्स ब्रॉडसन कमोडिटीज प्राइवेट लिमिटेड और मेसर्स आदित्य मल्टीकॉम प्राइवेट लिमिटेड के निदेशकों, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स और अन्य सहयोगियों के ठिकाने पर 6 जून को छापेमारी की थी। इस मामले में पटना, धनबाद, हजारीबाग और कोलकाता के 27 स्थानों पर छापेमारी की गयी थी। इडी ने बताया कि इस दौरान डेढ़ करोड़ रुपये नगद, 11 करोड़ रुपये के संपत्ति के दस्तावेज जब्त किये और साथ ही बैंक में जमा 6 करोड़ रुपये और 60 बैंक खातों को फ्रीज कर दिया गया है। छापेमारी के दौरान मिले कागजात और डिजिटल सामग्री को भी आगे की जांच के लिए जब्त कर लिया गया है। **बालू खनन मामले की इडी कर रही है जांच :** इडी ने बिहार पुलिस द्वारा दर्ज विभिन्न एफआइआर के आधार पर अवैध बालू खनन मामले की जांच शुरू की है। कंपनियों और उनके निदेशकों के खिलाफ बिहार के खनन विभाग की शिकायतों के आधार पर मैसर्स ब्रॉडसन कमोडिटीज प्राइवेट लिमिटेड और मेसर्स आदित्य मल्टीकॉम प्राइवेट लिमिटेड और उनके निदेशकों के खिलाफ विभागीय प्री-पेड परिवहन इ-परिवहन का उपयोग किये बिना अवैध रेत खनन और इसकी बिक्री के लिए प्राथमिकी दर्ज की गयी है। खनन प्राधिकरण, बिहार की ओर से जारी चालान से करीब 250 करोड़ रुपये के राजस्व की भारी हानि हुई है। छापेमारी के दौरान नकदी, आपत्तिजनक दस्तावेज जैसे खरीदी गयी संपत्तियों की बिक्री के दस्तावेज, कंपनियों और उनके निदेशकों के नाम पर एफडीआर की खोज हुई है।

ब्रॉडसन व आदित्य मल्टीकॉम के निदेशकों पर दबिश

ब्रॉडसन और आदित्य मल्टीकॉम से जुड़े पुंज सिंह, बबन सिंह, सुरेंद्र जिंदल, मिथिलेश सिंह, अशोक कुमार, एमएलसी राधाचरण साह और सुभाष यादव बॉडसन के निदेशक रहे हैं। वहीं जगनारायण सिंह और सतीश कुमार सिंह आदित्य मल्टीकॉम के निदेशक हैं। दोनों कंपनियां कोलकाता के पते पर रजिस्टर्ड हैं और बिहार में पटना, भोजपुर, औरंगाबाद, सारण, रोहतास और कैमूर में बालू खनन का काम करती रही हैं।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
188100 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 80 lakh+
Watch Time (HR) 11 Lakh+
YouTube Channel
Subscribe NOW
No 1 Channel

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	39.7 °c	26.2 °c
सूर्यास्त (आज) :		18.34 बजे
सूर्योदय (कल) :		05.03 बजे

आजाद सिपाही
रांची, शनिवार, 10 जून, 2023
www.azadsipahi.in

धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि शहादत दिवस के रूप में मनायी गयी

भगवान बिरसा मुंडा को भाजपा ने किया नमन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर भाजपा ने उन्हें नमन किया। इस मौके पर कोकर स्थित बिरसा मुंडा समाधि स्थल और और पुराना जेल स्थित भगवान बिरसा मुंडा संग्रहालय स्थित भगवान बिरसा की प्रतिमा पर बीजेपी नेताओं ने माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश, प्रभारी प्रदेश प्रभारी लक्ष्मीकांत बाजपेयी, संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह और विधायक सीपी सिंह सहित कई नेता मौजूद रहे। दीपक प्रकाश ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए अंग्रेजों के खिलाफ क्रांति का बिगुल फूंका था। हमें उनके आदर्शों पर आगे बढ़ना है। भाजपा हटिया मंडल ने भी पुष्पांजलि कार्यक्रम किया।

अर्जुन मुंडा ने पुष्पांजलि अर्पित की

रांची। जनजातीय मामलों के केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने शुक्रवार को बिरसा मुंडा के शहादत दिवस पर बिरसा चौक और कोकर स्थित समाधि स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित की। उनके साथ हटिया के विधायक नवीन जयसवाल, भाजपा महानगर अध्यक्ष केके गुप्ता और भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि को आजसू ने शहादत दिवस के रूप में मनाया

जनमानस की भावनाओं में रचे-बसे हैं धरती आबाः सुदेश महतो

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। आजसू अध्यक्ष सुदेश महतो ने कहा कि हर झारखंडी के अरमानों में, खेतों और खलिहानों में, जनमानस की भावनाओं में धरती आबा रचे-बसे हैं। आज संकल्प दोहराने की घड़ी है। धरती आबा के सपने साकार हों, झारखंड का नवनिर्माण हो। यही हमारा संकल्प, हमारी प्रतिबद्धता है। महतो शुक्रवार को बिरसा मुंडा के शहादत दिवस पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि सशक्त, शिक्षित एवं संगठित समाज के निर्माण तथा अस्मिता, पहचान और अस्तित्व की लड़ाई के लिए नये उलगुलान का समय आ चुका है। युवा पीढ़ी को आगे आकर इसका नेतृत्व करना होगा। आज अपने ही राज्य में झारखंडियों के लिए परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। बेरोजगारी, अशिक्षा, गरीबी, अपराध तथा पलायन चरम पर है। झारखंड के समग्र विकास के लिए एकाग्र चिंतन की जरूरत है। दूसरी ओर रांची के कोकर डिस्टलरी पुल स्थित बिरसा मुंडा के समाधि स्थल पर रांची जिला इकाई के पदाधिकारियों ने धरती आबा को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर आजसू पार्टी के प्रवक्ता डॉ. देवशरण भगत ने कहा कि हमें अपनी माटी, भाषा और संस्कृति को बचाने के लिए एकजुट होना होगा। धरती आबा बिरसा मुंडा के विचारों को, उनके साहस, संघर्ष को आत्मसात करना होगा, यही उनके प्रति नेक और अटूट श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने न केवल राजनीतिक जागृति के बारे में संकल्प लिया, बल्कि वे लोगों में सामाजिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक जागृति पैदा करने को भी संकल्पित थे। साम्राज्यवादी शक्तियों के खिलाफ युद्ध के उद्घोष के प्रतीक, शक्ति और साहस के परिचायक एवं झारखंड के वीर योद्धा भगवान बिरसा मुंडा के विचार युगों-युगों तक याद किये जायेंगे। इस मौके पर आजसू हसन अंसारी, बनमाली मंडल, परवाज खान, संजय महतो, भरत काशी साहू, ज्ञान सिंहा, दयाशंकर झा, वीणा देवी, प्रभा महतो, रांची जिला सचिव सरस्वती देवी, सविता देवी, नामकुम प्रखंड कोषाध्यक्ष वीणा देवी, मोनिया देवी सहित कई अन्य नेता मौजूद थे।

> सशक्त, शिक्षित एवं संगठित समाज के निर्माण तथा अस्मिता, पहचान और अस्तित्व की लड़ाई के लिए नये उलगुलान का समय आ चुका है : आजसू सुप्रीमो

धरती आबा की पुण्यतिथि पर कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने शुक्रवार को धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि शहादत दिवस के रूप में प्रदेश कार्यालय में मनाया।

इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर, कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की, मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव सहित अन्य नेताओं ने भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया। इसके पूर्व में प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में कोकर बिरसा मुंडा समाधि स्थल पर पुष्पमाला अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किया गया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि आज पूरे राज्य भर में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि वृहद रूप से मनायी जा रही है। अंग्रेजों के शोषणकारी प्रवृत्ति की वजह से मुंडाओं की सामूहिक खूंटकटी व्यवस्था नष्ट होने के कगार पर पहुंच गयी थी। बिरसा मुंडा का क्रांतिकारी मन इनके खिलाफ बगावत से भर उठा।

उन्होंने अपने अनुचरों के साथ इनके खिलाफ 1897 में उलगुलान (क्रांति) की शुरुआत की और अंग्रेजों के खिलाफ लड़ते-लड़ते कारावास में उनकी मृत्यु हो गयी। उन्होंने कहा कि वीर बिरसा मुंडा के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। श्रद्धासुमन अर्पित करने वालों में केशव महतो कमलेश, अमुल्य नीरज खलखो, राकेश सिन्हा, राजीव रंजन प्रसाद सहित अन्य कांग्रेस नेता शामिल थे।

हमारी प्रेरणा के स्रोत हैं बिरसा मुंडा : बंधु तिर्की

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा है कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा न केवल हमारी प्रेरणा के स्रोत हैं बल्कि उनके बताये रस्ते पर चले बिना संपन्न झारखंड का सपना और झारखंड के लोगों की खुशहाली असंभव है। उक्त बातें शहीद बिरसा मुंडा की 123वीं पुण्यतिथि पर रांची बिरसा मुंडा समाधि स्थल पर माल्यार्पण के बाद श्री तिर्की ने कही। उन्होंने कहा कि धरती आबा के सपनों के अनुरूप झारखंड के निर्माण के मार्ग पर हम चल तो रहे हैं पर उसके लिए बहुत कुछ करना बाकी है और हमारी गति बहुत धीमी है। श्री तिर्की ने कहा कि प्रदेश कि गठबंधन सरकार लोगों के हित में काम कर रही है लेकिन समस्यायें और चुनौतियां बहुत विशाल व व्यापक है इसलिये सरकार को अपनी गति बहुत अधिक बढ़ानी होगी।

केंद्रीय सरना समिति ने धरती आबा को श्रद्धांजलि अर्पित की

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भगवान बिरसा मुंडा के शहादत दिवस के अवसर पर केंद्रीय सरना समिति ने अपने प्रधान कार्यालय में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा ने कहा कि हमें भगवान बिरसा मुंडा के बताये रास्ते पर चलने और आंदोलन करने की जरूरत है। बबलू मुंडा ने सरकार से मांग की कि भगवान बिरसा मुंडा के नाम पर जितने भी सरकारी-गैर सरकारी प्रतिष्ठान चल रहे हैं, वहां से रॉयल्टी के रूप में आर्थिक सहयोग उनके वंशजों को दिया जाये। उनके गांव उलिहातू को वृहद रूप से विकसित कर भगवान बिरसा की शहादत को जीवंत किया जाये। केंद्रीय पाहन जगलाल पहान ने लोगों से अपील की कि भगवान बिरसा ने बलिदान को व्यर्थ न जाने दें, आदिवासियों को संगठित होकर उनके अधूरे कार्यों को पूरा करने की आवश्यकता है। सचिव अमर मुंडा ने आह्वान किया कि भगवान बिरसा मुंडा की नीतियों का अनुसरण किया जाये। इस अवसर पर समिति के कोषाध्यक्ष जगन्नाथ तिर्की, उपाध्यक्ष किरण तिर्की, मुकेश मुंडा, राजेश उरांव, मुन्ना उरांव, अनिल उरांव उपस्थित थे।

आवास बोर्ड के अध्यक्ष ने पदभार ग्रहण किया

गरीबों को आवास उपलब्ध कराना पहली प्राथमिकता : संजय लाल पासवान

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड राज्य आवास बोर्ड (जेएसएचबी) के नवनुयक्त अध्यक्ष संजय लाल पासवान के साथ तीन सदस्य अभिलाष साहू, गुलाम सरवर गोकुल और नितिन अग्रवाल ने अपना पदभार ग्रहण किया। चौथे सदस्य के रूप नियुक्त पवन महतो बाद में अपना पदभार ग्रहण करेंगे। बता दें कि एक सप्ताह पहले ही आवास बोर्ड के अध्यक्ष सहित चार सदस्यों की नियुक्त की गयी थी। पदभार ग्रहण करने के बाद संजय लाल पासवान ने कहा कि गरीबों और जरूरत मंदों को आवास उपलब्ध कराना उनकी पहली प्राथमिकता रहेगी। जिससे आवास बोर्ड का मकसद पूरा हो। आवास बोर्ड के सदस्यों और अधिकारियों के साथ बैठकर रणनीति तैयार की जायेगी और उस पर अमल किया जायेगा। उन्होंने कहा कि जो गड़बड़ियां हुई हैं, उसकी भी जांच होगी। इस मौके पर आवास बोर्ड के अधिकारी, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष, प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद, राकेश सिन्हा, विनय कूमार दीपू, रविंद्र सिंह समेत काफी संख्या में कांग्रेस के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाकृअनुप-राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान
कटक-753006 (ओडिशा), भारत
ICAR-NATIONAL RICE RESEARCH INSTITUTE
CUTTACK-753006 (ODISHA), INDIA

विज्ञापन संख्या 11/एफडब्ल्यू/2023-24

भाकृअनुप-राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक में "नेटवर्क प्रोजेक्ट ऑन प्रिसिशन एग्रीकल्चर (ईएपी-353)" परियोजना के लिए एक (01) फील्ड वर्कर(एफडब्ल्यू) के चयन के लिए प्रत्यक्ष साक्षात्कार दिनांक 19.06.2023 को आयोजित किया जाएगा। आवश्यक योग्यता, आयु, परिलब्धियों की राशी आदि तथा अन्य शर्तों के बारे में जानकारी भाकृअनुप-एनआरआरआई की वेबसाइट https://icar-nrri.in पर उपलब्ध हैं।

Walk-in-Interview will be held on 19.06.2023 for selection of **one (01) Field Worker (FW)** at the ICAR-National Rice Research Institute, Cuttack in the scheme **"Network project on precision agriculture" (EAP-353)**. The details regarding essential / desirable qualifications, age, amount of emoluments etc. and other terms and conditions are available in ICAR-NRRI website : https://icar-nrri.in.

प्रधान अन्वेषक / PRINCIPAL INVESTIGATOR

11 जून को ट्रायल रन पर चलेगी पटना-रांची वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन

रांची। पटना से रांची आने-जानेवाले रेल यात्रियों के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आयी है। पटना-रांची वंदे भारत एक्सप्रेस अब पटना टू रांची की पटरियों पर दौड़ने के लिए तैयार है। 11 जून को पटना से रांची के लिए ट्रेन ट्रायल रन पर चलेगी। बता दें, पटना से रांची चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन चेन्नई से पटना पहुंच गयी है। वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। इसके बाद लोगों ने ट्रेन को छूते हुए सेल्फी लेनी शुरू कर दी थी। 11 जून को पटना से वंदे भारत ट्रेन सुबह 6:55 बजे खुलेगी, जो दोपहर 2:20 पर राजधानी रांची पहुंचेगी। यह ट्रेन पटना, गया, कोडरमा हजारीबाग, बरकाकाना होते हुए राजधानी रांची पहुंचेगी। उद्घाटन स्पेशल के रूप में पहले दिन यह वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पटना से रांची और रांची से पटना के बीच चलायी जायेगी। आपको बता दें, पटना टू रांची के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन 6 घंटे में अपनी समय दूरी तय करेगी। मिली जानकारी के अनुसार, यह ट्रेन पटना से खुलते हुए जहानाबाद और गया होते हुए झारखंड में इंट्री करेगी, जो कोडरमा, हजारीबाग, बरकाकाना, सिधवार सांकी, टाटी सिल्वे से होते हुए राजधानी रांची पहुंचेगी। नयी रेल लाइन में बरकाकाना का रूट एकदम से नया है जिसमें सबसे पहले वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का संचालन होगा।

रिपोर्ट्स के अनुसार, पटना-रांची वंदे भारत ट्रेन का सेकेंडरी मेंटेनेंस पटना का राजेंद्र नगर कोचिंग कॉम्प्लेक्स में होगा। वहीं ट्रेन का प्राइमरी मेंटेनेंस रांची में होगा।

राशिफल

डॉ एनके बेरा | 9431114351

- **मेष** सामाजिक क्षेत्र में कार्य विस्तार होगा, लोगों से संबंध अच्छे होंगे।
- **वृष** आमदनी में वृद्धि, धर्म-कर्म में रूचि, मान-सम्मान-यश में वृद्धि होगी।
- **मिथुन** विपरीत स्थितियों में सुधार, हर क्षेत्र में सफलता, पारिवारिक सुख।
- **कर्क** आर्थिक एवं व्यावसायिक मामलों के लिए समय अच्छा है, नयी कार्य की योजना बनेगी।
- **सिंह** विरोधियों पर विजय, आर्थिक लाभ, स्वजन-मित्रों का सहयोग मिलेगा।
- **कन्या** रुका हुआ काम पूरा होगा, संतान सुख, महत्वकांक्षा पूरी होगी, धन लाभ होगा।
- **तुला** सुख-दुःख की समानता, पारिवारिक उलझन, स्वास्थ्य बाधा, आर्थिक परेशानी।
- **वृश्चिक** आत्मविश्वास में वृद्धि, पुरानी परेशानी से छुटकारा, मनोकामना पूरी होगी।
- **धनु** कर्मक्षेत्र में संतोषजनक वातावरण, अधिकारियों का सहयोग, यशस्वी कार्य करने का अवसर।
- **मकर** घर-गृहस्थी में सुख-शांति का वातावरण,संतान की उन्नति से मन प्रसन्न रहेगा।
- **कुंभ** कुछ नये संबंध बनेंगे, पारिवारिक परेशानी से छुटकारा, नौकरी में बदलाव होगा।
- **मीन** नौकरी करनेवालों के नवीन पद और अधिकार मिलने की संभावना, आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी।

देश-विदेश की खबरों के लिए क्लिक करें
www.azadsipahi.com

भारतीय रेल
भारत सरकार
रेल मंत्रालय
(रेलवे बोर्ड)

सं. ट्रैक / 21/94/0511/7 वॉल्.III
दिनांक : 09.06.2023

शुद्धिपत्र सं. 2

आपका ध्यान 'अद्यतन संशोधनों के साथ आईआरएस–टी–12–2009 विशिष्टि के अनुरूप पटरियों की जांच तथा निरीक्षण' के लिए निरीक्षण एजेंसी' के चयन हेतु दिनांक 18.07.2023 को खोली जाने वाली ई–निविदा सूचना सं. टीकेपी–1–2023 की ओर आकर्षित किया जाता है।

नवीनतम संशोधनों के साथ IRS-T-12-2009 विनिर्देश के अनुसार 'रेल के परीक्षण और निरीक्षण के लिए निरीक्षण एजेंसी के चयन के लिए ई–निविदा सूचना TKP-1-2023 के विरुद्ध जारी किया गया शुद्धिपत्र संख्या 2– (RFQ-cum-RFP) आईआरईपीएस पर अपलोड किया गया है। इच्छुक निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि वे **शुद्धिपत्र सं. 2** के विवरण के लिए वेबसाइट http://ireps.gov.in देखें।

(आलोक कुमार)
कार्यपालक निदेशक/रेलपथ (पीएंडपी)
द्वितीय तल, कमरा नं. 256–डी,
रेल भवन, रायसीना रोड,
नई दिल्ली – 110001
फोन: 011–23304852
ईमेल: alokkumar.g@gov.in
1774/2023

आज़ादी का अमृत महोत्सव
G20

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

शपथ पत्र

शपथ पत्र संख्या 15 दिनांक 09.06.2023 के अनुसार **मैं प्रियंका देवी, पति दीपक कुमार,** ग्राम-जालीमखुर्द, पोस्ट-जालीम, थाना+जिला-लातेहार राज्य- झारखंड घोषणा करती हूं कि अनन्या कुमारी और श्रेया कुमारी दोनों नाम एक ही व्यक्ति का है जो मेरी पुत्री है। जन्म प्रमाणपत्र और आधार कार्ड में मेरी पुत्री का नाम-अनन्या कुमारी, पता-ग्राम-जालीमखुर्द पोस्ट-जालीम थाना+जिला-लातेहार राज्य- झारखंड दर्ज है। अतः मेरी पुत्री इसी नाम - अनन्या कुमारी एवं जन्म प्रमाणपत्र / आधार के पता से जानी जाएगी।

शपथ पत्र

शपथ पत्र संख्या 11 दिनांक 09.06.2023 के अनुसार **मैं कृष्णा कुमार पिता छोटी यादव, उम्र करीब 20 वर्ष,** धर्म- हिंदू, राष्ट्रीयता - भारतीय, पेशा- शिक्षण, साकिन- नवादा, पोस्ट-फुलवरिया, थाना- नवलशाही, जिला-कोडरमा (झारखंड) शपथ पूर्वक निम्नलिखित ब्यान करता हूं कि:-

1. यह कि मैं उपरोक्त पते का स्थायी निवासी हूं।
2. यह कि मेरा आधार कार्ड सं.- 2449 7874 7030 में मेरे पिता का नाम छोटी यादव अंकित है जो सही है।
3. यह कि मेरा ड्राईविंग लाईसेंस नं.- JH12 20220005393 में मेरे पिता के स्थान पर कमलेश कुमार भाई के नाम से अंकित हो गया है जो गलत है।
4. यह कि यह शपथ मैं अपने ड्राईविंग लाईसेंस में कमलेश कुमार के स्थान पर छोटी यादव सुधार कराने हेतु बनाया।

आजाद सिपाही
188100 Subscribers
झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
VIEWERSHIP 3 Crore 80 lakh+
Watch Time (HR) 11 Lakh+
YouTube Channel
Subscribe NOW
No 1 Channel

आजाद सिपाही
रांची, शनिवार, 10 जून, 2023
www.azadsipahi.in
04

प्रवासी श्रमिकों के लिए राज्य सरकार चला रही कई योजनाएं : हेमंत सोरेन

मुख्यमंत्री से अंडमान और निकोबार के प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के अंडमान निकोबार प्रवास के दौरान उनसे वहां रह रहे झारखंड के आदिवासियों- मूलवासियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को मुलाकात की। उन्होंने मुख्यमंत्री को अंडमान निकोबार द्वीप समूह में रोजगार और अन्य विषयों से संबंधित अनुभवों को साझा किया। उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि कई दशकों से झारखंड के अलग-अलग क्षेत्रों से श्रमिक यहां मजदूरी करते आते रहे हैं। इनमें से कई अंडमान और निकोबार प्रशासन के पुनर्वास योजनाओं के तहत यहां बस चुके हैं। इनमें से अधिकांश श्रमिक निर्माण कार्य से जुड़े हैं।

कई मुद्दों पर चर्चा

प्रतिनिधिमंडल ने अंडमान-निकोबार मुख्यमंत्री के साथ सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और शैक्षिक विकास, लोगों के लिए पारगमन आवास, हवाई किराये में वृद्धि आदि से संबंधित मुद्दों पर भी चर्चा की। इस मुलाकात के दौरान उन्होंने अपनी कुछ मांगो से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल ने कोरोना काल में लॉकडाउन के दौरान अंडमान- निकोबार में फंसे झारखंड के 180 प्रवासी श्रमिकों को एयर लिफ्ट करा कर उनके सकुशल घर वापसी कराने के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया।

मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को बताया कि प्रवासी श्रमिकों के हित में राज्य सरकार द्वारा कई कल्याणकारी योजनाएं चलायी जा रही हैं। मुख्यमंत्री झारखंड प्रवासी श्रमिक दुर्घटना कोष बनाया गया है। साथ ही यहां से जो भी श्रमिक- व्यक्ति काम करने दूसरे देशों में जाते हैं, उनके लिए भी मुख्यमंत्री अंतरराष्ट्रीय प्रवासी श्रमिक अनुदान योजना चल रही है। झारखंड से बाहर प्रवास करने वाले लोगों की मदद के लिए भी राज्य सरकार द्वारा सेफ एंड रिस्पांसिबल माइग्रेशन इनीशिएटिव की शुरुआत की गयी है। इसके तहत प्रवासी श्रमिकों के व्यवस्थित पंजीकरण को सक्षम करने, डेटाबेस की निगरानी और विश्लेषण की भी व्यवस्था की गयी है। सुरक्षित और जिम्मेदार प्रवास पर प्रथाओं के बारे में अभियानों के माध्यम से जागरूकता पैदा किया जा रहा है।

राज्य प्रवासी मजदूर नियंत्रण कक्ष की भी स्थापना

मुख्यमंत्री ने बताया कि श्रम रोजगार प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग द्वारा राज्य प्रवासी मजदूर नियंत्रण कक्ष की शुरुआत की गयी है। वर्तमान में यह कंट्रोल रूम प्रवासी मजदूरों के लिए 24 घंटे 7 दिन हेल्पलाइन की तरह काम कर रहा है ।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के अंडमान निकोबार प्रवास के दौरान उनसे मुलाकात करने वाले रांची एसोसिएशन, पोर्ट ब्लेयर के प्रतिनिधिमंडल में अध्यक्ष फेयानुस टोप्पो, उपाध्यक्ष सुमन लाकड़ा, महासचिव एड. प्रकाश मिंज, सचिव सेबेस्टियन तिर्की, फूल कुमार, संयुक्त सचिव सुनील मिंज, अनिल टोप्पो एवं अन्य मौजूद थे।

झारखंड में आज से बालू खनन पर रोक

- एनजीटी के आदेश पर 15 अक्टूबर तक रहेगी रोक
- घर बनाना महंगा, रियल इस्टेट कारोबार पर असर

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मॉनसून के पूर्व झारखंड में घाटों और नदियों से बालू उठाव पर पूरी तरह रोक लगा दी गयी है। एनजीटी के आदेश के बाद 10 जून से 15 अक्टूबर तक नदियों से बालू का उठाव नहीं किया जाना है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने अपने आदेश में कहा है कि वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने बालू उत्खनन गाइडलाइन 2016 में खनन के लिए कुछ प्रावधान तय कर रखा है। इसके मुताबिक बरसात के मौसम में नदी क्षेत्र से बालू नहीं निकाला जा सकता। बालू खनन पर रोक का सीधा असर रियल इस्टेट कारोबार पर पड़ेगा। इसके अलावा आम लोगों के लिए घर बनाना भी महंगा हो जायेगा। सरकारी निर्माण कार्य भी प्रभावित होंगे।

इधर झारखंड में सफेद बालू का काला कारोबार थमने का नाम नहीं ले रहा है। 18 हजार का बालू 28 हजार रुपये में बिक रहा है। राज्य के 608 बालू घाटों में से सिर्फ 17 घाटों से ही वैध तरीके से बालू का उठाव हो रहा है। इसलिए प्रदेश में ऐसी स्थिति बनी है। खनन पर रोक के बाद फिर बालू को लेकर बवाल होना तय माना जाना रहा है।

बता दें कि बालू घाटों की बंदोबस्ती से पहले सभी जिलों की डिस्ट्रिक्ट सर्वेक्षण रिपोर्ट (डीएसआर) तैयार करना जरूरी था। इस रिपोर्ट को इनवायरमेंट इंपैक्ट असेसमेंट कमेटी (सिया) को भेजना था, ताकि पर्यावरण स्वीकृति ली जा सके। पर्यावरण स्वीकृति के बाद ही किसी भी घाट का टेंडर किया जा सकता है।

डीपीएस के छात्रों ने मिस्त्र का भ्रमण किया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राजधानी के डीपीएस के छात्रों को स्टूडेंट एक्सकर्शन के तहत मिस्त्र की ऐतिहासिक और प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण मनोरम भूमि से रूबरू होने का मौका प्राप्त हुआ। समृद्ध संस्कृति और ज्ञानवर्धक अनुभवों से परिपूर्ण यह यात्रा विद्यार्थियों के लिए एक अविस्मरणीय रोमांच साबित हुई। इस यात्रा से छात्रों को इजिप्ट के प्राकृतिक सौंदर्य और ऐतिहासिक स्थलों से परिचित होने का सुनहरा अवसर प्राप्त हुआ। दस दिवसीय भ्रमण के दौरान छात्रों को मिस्त्र के समृद्ध इतिहास, प्रतिष्ठित स्थलों और जीवंत परंपराओं का पता लगाने का अवसर मिला। शिक्षकों के मार्गदर्शन में छात्रों ने प्राचीन मिस्त्र के रहस्यों को गहराई से जानने के साथ-साथ देश के आधुनिक आकर्षण का भी लुत्फ उठाया। इस भ्रमण की शुरूआत मिस्त्र की राजधानी कैरो से शुरू हुई और अलेक्जेंड्रिया की ओर बढ़ी। अपने अभियान को जारी रखते हुए छात्रों ने असवान शहर का भी दौरा किया, जहां उन्होंने फाइल मंदिर और हाई डैम के बारे में कई महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त की। इसके बाद छात्रों को नाइल नदी पर क्रूज की सवारी करने का मौका मिला।

महत्वपूर्ण न्यूज

बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर भारतीय जनतंत्र मोर्चा ने श्रद्धा सुमन अर्पित किये

रांची (आजाद सिपाही)। भगवान बिरसा मुंडा के पुण्यतिथि के अवसर पर समाधि स्थल कोकर रांची में भारतीय जनतंत्र मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी ने श्रद्धा सुमन अर्पित किया। इस मौके पर मोर्चा के पदाधिकारी भी मौजूद थे।

बिरसा विकास जन कल्याण समिति मिसिर गोंदा के सदस्यों ने श्रद्धांजलि दी

रांची (आजाद सिपाही)। बिरसा विकास जन कल्याण समिति मिसिर गोंदा के तत्वावधान में धुमकुड़िया घर में भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर विधिविधान के साथ पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। समिति के अध्यक्ष अनिल उरांव ने कहा कि भगवान वीर बिरसा मुंडा ने अंग्रेजों के शोषण से वन संपदा और आदिवासी समुदाय कि संस्कृति की रक्षा के लिए अनवरत संघर्ष किया। उनका जीवन केवल जनजातीय समुदायों के लिए ही नहीं बल्कि सभी देशवासियों के लिए प्रेरणा और आदर्श का स्रोत रहा है। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से समिति के सदस्य आलोक बांडो, सोनू बैक, विनय बांडो, विकी बांडो, अमित लिंडा, सन्नी लिंडा, अमित लोहरा, रौनक नायक, विक्की बांडो सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

भाकपा ने धरती आबा बिरसा मुंडा को दी श्रद्धांजलि

रांची (आजाद सिपाही)। भाकपा राज्य कार्यालय के सभागार में शुक्रवार को धरती आबा बिरसा मुंडा के 123 वीं शहादत पर उन्हें याद किया गया। कार्यकर्ताओं ने पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मौके पर कार्यालय सचिव सह जिला मंत्री अजय सिंह ने कहा कि बिरसा मुंडा के विचारों को झारखंड के सभी बच्चों को बचपन से ही पढ़ाने की जरूरत है और बिरसा के बताये रास्ते पर चलने की जरूरत है। राज्य में सीएनटी और एसपीटी एक्ट का खुलेआम उल्लंघन हो रहा है, उसकी रक्षा के लिए एक और उलगुलान की जरूरत है। तभी झारखंड के जल-जंगल और जमीन की रक्षा होगी। मौके पर फरजाना फारूखी, मनोज ठाकुर, सुनील सिंह, श्यामल चक्रवर्ती अनिरुद्ध कुमार, रोहन कुमार मोइज खान, संजीत कुमार सहित कई लोग शामिल थे।

भगवान बिरसा मुंडा के सपने झारखंड में अधूरे हैं: विजय शंकर नायक

रांची (आजाद सिपाही)। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के अबुआ दिसुम अबुआ राज के सपने झारखंड में अधूरे हैं। हमे भगवान बिरसा मुंडा के देखे गये सपनों को पूरा करने के लिए जल जंगल जमीन और झारखंडी पहचान की लड़ाई को गति देकर मंजिल तक पहुंचाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उक्त बातें झारखंडी सूचना अधिकार मंच के केंद्रीय अध्यक्ष विजय शंकर नायक ने कोकर स्थित भगवान बिरसा के समाधि स्थल पर उनके पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कही। उन्होंने इस अवसर पर कहा की पूर्ववर्ती भाजपा की सरकार हो या वर्तमान हेमंत सोरेन की सरकार सभी ने भगवान बिरसा मुंडा के देखे गए सपनों को पूरा करने की दिशा में जल जंगल जमीन की लड़ाई, अबुआ दिसुम अबुआ राज स्थापना की दिशा में किसी भी सरकारों ने सकारात्मक सृजनात्मक ठोस पहल नहीं किया।

प्रभावित परिवारों को पुनर्वास नीति के तहत भूमि बंदोबस्ती पर्चा वितरण

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। नगर विकास एवं आवास विभाग ने रांची स्मार्ट सिटी निर्माण में विस्थापित परिवारों को पुनर्वास के तहत भूमि बंदोबस्ती पर्चा वितरण किया। समाहरणालय ब्लॉक ए स्थित उपायुक्त सभागार में नगर विकास विभाग एवं आवास विभाग के सचिव विनय चौबे की उपस्थिति में 25 प्रभावित परिवारों में से 22 को पर्चा वितरण किया गया। सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर सभी को विस्थापित करने से पहले पुनर्वास की व्यवस्था की गयी है। 25 प्रभावितों को मकान बनाने के लिए 10-10 डिसमिल जमीन का पट्टा दिया गया है। उन्होंने बताया कि सभी प्रभावितों को अंबेडकर योजना की तर्ज पर जुडको लिमिटेड के सीएसआर फंड से आवास का निर्माण कराया जायेगा। इस पर प्रति आवास 1,30,000 खर्च होंगे। सचिव ने आश्वस्त किया गया कि इस दिशा में समेकित रूप से प्रोजेक्ट बनाकर प्रभावितों को लाभ दिलाये जाने का प्रयास किया जायेगा। मकान पट्टा पाकर प्रभावित परिवार काफी खुश नजर आये। सभी ने राज्य सरकार को धन्यवाद दिया। पर्चा लेने वालों में संतोष तिग्गा, गिन्नी कच्छप, पुनीत किस्पोट्टा, अजय कच्छप, संजय कच्छप, मंजू मिंज, अरविंद टोप्पो, सुनील मिंज, राजेश लिंडा, फिलिप मिंज, रुपेश मिंज, चंदा मिंज, जयंत आइंद, नंदिया मिंज, पिरी कच्छप, धनई कुजूर, मधु एक्का, राम जतन साहू, संध्या आइंद, सरोज आइंद, प्रभात एक्का और सुशील मिंज शामिल हैं। तीन प्रभावित बुधु अहीर, अमित कच्छप एवं सोमा संगा के उपस्थित नहीं होने के कारण उनसे मिलकर पर्चा उपलब्ध कराने का निर्देश अंचल अधिकारी को दिया गया है। इस दौरान निदेशक सूडा अमित कुमार, उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा, अपर समाहर्ता रांची राजेश बरवार, अंचल अधिकारी, महाप्रबंधक स्मार्ट सिटी राकेश कुमार नंद कियोलयर, पीआरओ स्मार्ट सिटी अमित कुमार, प्रबंधक, स्मार्ट सिटी रविशंकर पांडेय एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

झारखंड में 18 जून तक पहुंचेगा मानसून

आजाद सिपाही संवाददाता

गोड्डा का तापमान पहुंचा 44.6 डिग्री सेल्सियस

रांची। झारखंड में दस दिनों के अंदर मानसून प्रवेश कर जायेगा। मानसून के 18 जून तक पहुंचने की संभावना है। इससे भीषण गर्मी से राहत मिलेगी। हालांकि, इसके पहले गर्मी परेशान करेगी, लेकिन 11 जून के बाद थोड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। राज्य में अभी 11 जून तक लू चलने की संभावना है।

रांची मौसम विभाग के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने शुक्रवार को बताया कि शुक्रवार को गोड्डा जिले का तापमान सबसे अधिक दर्ज किया गया। सुबह दस बजे 44.6 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। इसके बाद देवघर का तापमान 42.3 डिग्री सेल्सियस रहा। पलामू 42.6 डिग्री सेल्सियस, पश्चिमी सिंहभूम, गिरिडीह, साहेबगंज में तापमान 41 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रांची का तापमान इस दौरान 39.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। विभाग के मुताबिक 11 जून तक राज्य के पूर्वी और मध्य क्षेत्र में लू का असर देखा जायेगा। लू से मुख्य रूप से दुमका, पाकुड़, गिरिडीह, धनबाद, जामताड़ा, बोकारो, रांची, गुमला, हजारीबाग, खूंटी आदि जिलों में लू का असर देखा जायेगा। 11 जून से राज्य के कुछ हिस्सों में बादल छाये रहेंगे। हालांकि, इस दौरान बारिश की संभावना नहीं है। वहीं, 12 जून से पूर्वी दक्षिणी और मध्य इलाके में बारिश की संभावना व्यक्त की गयी है। इसमें मुख्य रूप से दुमका, गिरिडीह, पाकुड, गोड्डा, साहेबगंज, बोकारो, धनबाद, पूर्वी सिंहभूम आदि जिले शामिल हैं।

कांग्रेस कमेटी से निलंबित नेताओं ने भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी से निलंबित नेताओं के साथ कांग्रेस कमेटी के नेताओं ने भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर बिरसा चौक पहुंचकर धरती आबा भगवान बिरसा को श्रद्धांजलि अर्पित किया। इसमें आलोक कुमार दुबे व बगैर निलंबित कांग्रेस नेता संजीत यादव, अभिषेक साहू, फिरोज रिजवी मुन्ना, कुमुद रंजन मौजूद थे। वहीं आलोक कुमार दुबे ने कहा बिरसा मुंडा की गणना महान देशभक्तों में की जाती है, भारतीय इतिहास में बिरसा मुंडा एक ऐसे नायक थे जिन्होंने झारखंड में अपने क्रांतिकारी चिंतन से आदिवासी समाज की दशा और दिशा बदलकर नवीन सामाजिक और राजनीतिक युग का सूत्रपात किया। काले कानूनों को चुनौती देकर बर्बर ब्रिटिश साम्राज्य को सांसत में डाल दिया। वहीं बिना निलंबित कांग्रेस नेता संजीत यादव एवं फिरोज रिजवी मुन्ना ने कहा भगवान बिरसा मुंडा अपने कार्यों और आंदोलन की वजह से भगवान की तरह पूजे जाते हैं, बिरसा मुंडा ने मुंडा विद्रोह पारंपरिक भू- व्यवस्था के जमींदारी व्यवस्था में बदलने के कारण किया।

देश-विदेश की खबरों के लिए क्लिक करें
www.azadsipahi.in

झारखंड बंद को मूलवासी सदान मोर्चा ने दिया समर्थन

सरकार के नियोजन नीति से सबसे ज्यादा नुकसान मूलवासी सदानों को हो रही है : राजेंद्र प्रसाद

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड आंदोलनकारी सह मूलवासी सदान मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने कोर कमेटी सदस्यों से विचार विमर्श करने के बाद झारखंड बंद का समर्थन करने की घोषणा की। खतियान आधारित नियोजन नीति बनाने व 60-40 की नीति को रद्द करने को लेकर 10-11 जून को स्टेट स्टूडेंट्स यूनियन के द्वारा झारखंड बंद को मूलवासी सदान मोर्चा ने नैतिक समर्थन देने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार अपनी स्थानीय नीति और नियोजन नीति नहीं बना लेती है, तब-तक झारखंड में होने वाले नियुक्ति का आधार संयुक्त बिहार में बने नियोजन नीति 3 मार्च 1982 को ही लागू करे, जो खतियान आधारित है। उन्होंने कहा हम कि कोई बाहरी भीतरी की बात नहीं करते हैं जो लोग अपने मूल राज्य छोड़कर सिर्फ झारखंड के होकर रह गये हैं उन्हें स्थानीय नीति का लाभ कैसे मिले इस पर सरकार को जरूर देखना चाहिए। प्रसाद ने कहा कि सरकार की नियोजन नीति से सबसे ज्यादा नुकसान मूलवासी सदान वर्ग से आने वाले ओबीसी एससी और सामान्य वर्ग को सबसे ज्यादा नुकसान हो रहा है। प्रसाद ने कहा कि रोस्टर के नाम पर सरकार जिस तरह से खेल रही है इससे झारखंड के सदान वर्ग के सामान्य वर्ग, ओबीसी और एससी को भारी नुकसान हो रहा है।

चाणक्य आइएएस एकेडमी की रांची शाखा पहुंचे यूपीएससी के सफल छात्र क्षितिज वर्मा

प्रारंभिक परीक्षा की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों से साझा किये सफलता के राज

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। चाणक्य आइएएस एकेडमी से तैयारी कर हाल ही में यूपीएससी में 366वां रैंक लाकर सफल हुए क्षितिज वर्मा संस्थान की रांची शाखा पहुंचे और प्रारंभिक परीक्षा की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों से सफलता का राज साझा किया।

इस क्रम में उन्होंने कामयाबी की राह आसान बनाने के तरीके बताये। सबसे पहले अभ्यर्थियों से उन्होंने निरंतर परिश्रम की बात कही। उन्होंने कहा कि आप अपनी भाषा में नोट्स बनायें, एनसीइआरटी की किताबों का गहनता से अध्ययन करें और समाचार पत्र पढ़ने की आदत डालें। साथ ही कैरेंट अफेयर्स की पत्रिका का भी नियमित अध्ययन आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इन अध्ययनों से आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा, लेकिन यह जरूरी नहीं कि हमारा पहला प्रयास ही सफलता की मंजिलों तक पहुंचा दे, हमें इसके लिए कई सीढ़ियों का सफर तय करना पड़ता है। इसलिए हमे हमेशा खुद को सुधारने की दिशा में कदम बढ़ाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि इच्छा शक्ति एक ऐसी जादू की गोली है, जो आपको सफलता की किसी भी ऊंचाई तक ले जा सकती है। आइएएस बनने के अपने दृढ़ संकल्प पर टिके रहें, और अपने भीतर किसी भी प्रकार का वैचारिक असमंजस या संदेह न रखें। वहीं चाणक्य आइएएस एकेडमी के झारखंड हेड अभिनव मिश्रा ने भी अभ्यर्थियों को समय की अहमियत बतायी और कहा कि एक बार बीता हुआ समय कभी वापस नहीं आता है, इसे व्यर्थ कार्यों में बरबाद न करें। आइएएस परीक्षा में सफलता पाने की तैयारी करने के लिए समय प्रबंधन की तकनीक सीख कर उस पर अमल करें। जब जीवन में सफल होने की बात आती है तो अनुशासन पूर्ण जीवन बहुत महत्वपूर्ण है और यूपीएससी की इस परीक्षा में अनुशासित उम्मीदवार ही सफलता हासिल कर सकते हैं। मौके पर चाणक्य आइएएस एकेडमी के शिक्षक और बड़ी संख्या में अभ्यर्थी मौजूद थे।

भाजपा के कार्यकर्ता मिलन समारोह में शामिल हुए झारखंड प्रभारी

कोयला स्टॉक में आग के पीछे साजिश: डॉ वाजपेयी

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। जिला में भाजपा कार्यकर्ता मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि झारखंड प्रदेश प्रभारी सह राज्यसभा के मुख्य सचेतक लक्ष्मीकांत वाजपेयी थे। समारोह में उन्होंने कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार किया। साथ ही चुनाव जीतने का अचूक मंत्र दिया। इसके अलावा उन्होंने कार्यकर्ताओं से मोदी सरकार के कुशल 9 वर्षों के कार्यों को जन जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। इसके बाद उन्होंने मीडिया से मुखातिब हुए।

राज्य सरकार और जीला प्रशासन पर बिफरे वाजपेयी : लेकिन राज्य सरकार और प्रशासन इतने महीने तक हाथ पर हाथ धरे क्यों बैठी थी। जबकि उनके पास उचित संसाधन मौजूद थे। उन्होंने सरकार पर हमला करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री बताए की आखिर क्या कारण झारखंड के बड़े कोलफील्ड एरिया से स्टॉक यार्ड जिसके आसपास कई बड़े संयंत्र स्थापित हैं, जहां आग बुझाने के उचित और आधुनिक उपकरण मौजूद थे।

बावजूद इसके आग पर काबू नही पाया गया और उसको विकराल रूप लेने छोड़ दिया गया। कहीं इस आग के पीछे कारण लाखों मिट्रिक टन कोयले को भंडारण से हेरफेर करने का मामला तो नहीं।

जिसको दबाने और ऑडिट से बचने के लिए इनके भ्रष्टाचारी सहयोगियों के द्वारा आग लगाई गई हो। बाजपेई ने मामले को पीएम नरेंद्र मोदी तक पहुंचाने और इसपर जांच करवाने की बात कही। झारखंड सरकार और उनके सहयोगी सतर्क हो जाएं।

क्योंकि भाजपा का सिद्धांत भ्रष्टाचार मुक्त भारत का रहा है। इसी कारण आज मोदी के नेतृत्व में लोगों का भरोसा भाजपा पर बढ़ा है।

हेमंत सरकार को घेरा

वार्ता में पत्रकारों के सवाल पर बाजपेयी ने कहा कि भुरकुंडा कोल साइडिंग के कोल स्टॉक में लगी आग काफी गंभीर बात है। उन्होंने राज्य सरकार पर अनदेखी का आरोप लगाया। साथ उन्होंने उसी वक्त कोयला मंत्री प्रह्लाद पटेल और रेल मंत्रालय से फोन पर वार्ता किया। साथ ही उन्होंने समन्वय स्थापित करते हुए कोयले में लगी आग पर काबू पाने का निर्देश भी दिया। जिससे राजस्व नुकसान न हो। इसके अलावा आसपास रहने वाले निवासियों को इस भरी गर्मी में आग की तपिश और वायु प्रदूषण से निजात मिल सके। इधर केंद्रीय मंत्रालयों के संज्ञान में आने के बाद तत्परता से आग बुझाने का कार्य जारी हुआ। झारखंड सरकार का इस पर ढुलमुल रवैया रहा है। जिसपर श्री बाजपेयी ने कहा कि सर्वप्रथम मैं उन पत्रकारों का धन्यवाद करूंगा जिन्होंने मुझसे इसपर राजनीतिक प्रतिक्रिया पूछी थी,साथ हीं कोल और रेल मंत्री का आभार जो उन्होंने संज्ञान में आते हीं इसपर कार्यवाही शुरू की।

प्रेम प्रसंग में युवती ने कर ली आत्महत्या

प्रेमी के नाम के साथ आइ लव यू लिख फांसी के फंदे से लटक गयी युवती, प्रेमी गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। हथेली में अपने प्रेमी का नाम लिखकर प्रेमिका ने आत्महत्या कर ली। पुलिस को हथेली में आई लव यू पंचानंद लिखा मिला। जिसके आधार पर पुलिस ने प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया। घर छोड़ने से पहले युवती ने घर में भी एक सुसाइड नोट छोड़ा था जिसमें प्रेमी के नाम का जिक्र था। पुलिस अबतक यह स्पष्ट नहीं बता सकी है कि इन दोनों के बीच किस बात को लेकर झगड़ा हुआ था।

परिजनों ने प्रेमी पर लगाया आरोप

घटना झारखंड में रांची के सिकिदिरी थाना इलाके के लाधुप गांव का है। नर्सिंग की छात्रा ने गांव में ही पलाश के पेड़ में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस को जब इसकी जानकारी मिली तो पुलिस को शव के हाथ में आई लव यू पंचानंद लिखा मिला। इस सबूत ने पुलिस को अपराधी पकड़ने में काफी मदद की। प्रेमी पंचानंद मुंडा को गिरफ्तार कर लिया गया है। युवती के परिजनों ने शव की पहचान कर ली। प्रेमी अनगड़ा थाना क्षेत्र के चंद्राटोली का रहने वाला है। पिता ने प्रेमी पर आत्महत्या के लिए प्रेरित करने का आरोप लगाया है। उन्होंने पुलिस को दिए बयान में बताया कि बेटी शनिवार को घर से निकली थी। सुबह लाधुप गांव में जंगल दातून तोड़ने गयी लड़की ने शव देखा जिसके बाद गांव वालों की सूचना दी। हरातू मुखिया राजेंद्र बेदिया ने शव की जानकारी सिकिदिरी पुलिस को दी थी।

शव के पास मिले कई सामान

स्थानीय लोगों की मदद से पेड़ से शव उतारा गया। जहां युवती ने आत्महत्या की थी वहां से पुलिस ने एक बैग, पानी की एक बोतल, एक मोबाइल और कपड़ा जब्त किया है। परिजनों ने यह भी बताया कि युवती घर में भी एक सुसाइड नोट छोड़कर गयी थी, उसने परिजनों से माफी मांगी है। पंचानंद से प्रेम संबंध का भी जिक्र किया है। अब पुलिस इस मामले में प्रेमी से पूछताछ कर रही है। उन दोनों के बीच किस बात को लेकर झगड़ा हुआ था इसका खुलासा अबतक नहीं हो सका है।

सांसद विद्युत वरण महतो ने 9 साल में विकास के इतने कार्य किये कि उसे गिनाना संभव नहीं है : जयंत घोष

घाटशिला (आजाद सिपाही)। बीते दिनों कांग्रेस के नेताओं द्वारा सांसद विद्युत वरण महतो के 9 वर्ष के कार्यकाल को लेकर उठाये गये सवाल पर सांसद प्रतिनिधि जयंत घोष ने जोरदार पलटवार किया है। सांसद प्रतिनिधि ने कहा की 9 वर्ष के कार्यकाल में सांसद विद्युत वरण महतो ने विकास का एक नया आयाम गठित किया है। सांसद के कार्यों से घबराकर कांग्रेसी विधवा विलाप कर रहे है। कांग्रेसियों को चाहिए की पहले अपने 70 साल का हिसाब दे, उसके बाद सांसद से 9 साल का हिसाब मांगे। सांसद प्रतिनिधि जयंत घोष ने कहा कि कांग्रेसियों द्वारा कॉपर माइंस और रेलवे से जुड़े मुद्दों को उठाया गया लेकिन सच तो यह है की सांसद ने उपरोक्त मुद्दों पर जो काम किया, उसे स्थानीय जनता भलीभांति जानती है। सांसद के प्रयास से ही घाटशिला स्टेशन में पुरुषोत्तम और जनशताब्दी एक्सप्रेस का ठहराव संभव हुआ जिसकी मांग स्थानीय जनता कई वर्षो से कर रही थी। घाटशिला के काशीदा में अंडरपास का निर्माण कराया गया जिससे लोगों को जाम से मुक्ति मिली। कई पैसेंजर ट्रेन शुरू कराए गए। स्टेशनों का सौंदर्यीकरण युद्धस्तर पर हुआ। राखामाइंस स्टेशन में सौंदर्यीकरण को आसानी से देखा जा सकता है। यदि झारखंड सरकार सीओ की पोस्टिंग नहीं कर रही है तो कांग्रेसियों को अपनी सरकार से सवाल पूछना चाहिए। उन्होंने जिलाभर में सड़क का जाल बिछाने, अनेक पावर सब स्टेशन का निर्माण करवाने, अनेक ग्रिड की स्थापना कराने, शहर से लेकर गांव तक सैकड़ों ट्रांसफार्मर लगवाने, जादूगोड़ा माइंस को दोबारा चालू कराने, मुसाबनी में वृहद जलापूर्ति का निर्माण, मोक्ष वाहन की व्यवस्था, दर्जनों एंबुलेंस उपलब्ध कराने, मऊभंडार में मुक्तिधाम का निर्माण कराने, अस्पतालों में इलाजरत जरूरतमंदों का चिकित्सा बिल माफ कराने समेत कई ऐसे कार्यों का भी उल्लेख किया, जो सांसद के प्रयास से ही संभव हुआ है। साथ ही कहा की बीते 9 साल में सांसद ने इतने कार्य किये है जिसे गिनाना संभव नहीं है।

युवती ने की खुदकुशी, जांच में जुटी पुलिस

रांची (आजाद सिपाही)। पुंदाग ओपी क्षेत्र में एक युवती ने अपने घर में गुरुवार रात पंखे की कुंडी में ओढ़नी के सहारे लटक कर खुदकुशी कर ली। युवकी की शिनाख्त श्वेता कुमारी (22) के रूप में हुई है । वह बिहार के अरवल जिले की रहने वाली थी। वर्तमान में वह अपनी बड़ी बहन शिल्पा कुमारी के साथ पुंदाग ओपी क्षेत्र स्थित एक अपार्टमेंट में रह रही थी। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। श्वेता कुमारी की बड़ी बहन शिल्पी कुमारी ने पुलिस को बताया कि वह किसी काम से परिवार वालों के साथ बाहर गयी थी। जब लौटी तो देखा कि श्वेता ओढ़नी के सहारे फंदे से लटकी है। उसके बाद उसने घटना की जानकारी पुलिस को दी। बड़ी बहन ने पुलिस को बताया कि हाइट कम होने के कारण श्वेता की शादी ठीक नहीं हो रही थी। तीन बार शादी टूटने की वजह से वो पिछले कुछ दिनों से डिप्रेशन में थी। पुलिस मामले की जांच में जुट गयी है।

भारत के रंग-एकल के संग 11 जून को

रांची (आजाद सिपाही)। वनवधु परिषद रांची चैप्टर द्वारा आगामी 11 जून को एकल सूर ताल के ख्याती प्राप्त एकल कलाकारों द्वारा भारत के रंग-एकल के संग का आयोजन रांची के गुरुनानक स्कूल के सभागृह में शाम 4 बजे से किया जायेगा। वनवंधु परिषद रांची चैप्टर के अध्यक्ष रमेश धरनीधरका ने बताया कि एकल सुरताल एक ऐसा कार्यक्रम है, जिसके अंतर्गत वर्तमान वनवासी कथाकारों में से कुछ कार्यकर्ताओं को चयन करके गहन प्रशिक्षण के द्वारा इन्हें मंचीय कलाकार के रूप में तैयार किया गया है। इन एकल कलाकारों के द्वारा अभी तक अमेरिका के 60 स्थानों से अधिक स्थानों पर एवं भारत के सभी प्रमुख शहरों में सफल प्रस्तुतियां दी जा चुकी है। अपनी प्रस्तुति के द्वारा ये कलाकार दर्शकों का मन मोह लेते है। देश भक्ति गीतों की रोचक श्रृंखला में श्रीकृष्ण भगवान का जन्मोत्सव, कंस की मृत्यू, कृष्ण-सुदामा मित्रता के सर्वश्रेष्ठ प्रसंग आदि सांस्कृतिक कार्यक्रम के मुख्य हिस्सा होंगे। सांस्कृतिक को सफल बनाने के लिए स्वागत समिति एवं आयोजन समिति बनायी गयी है। जिसमे सतीश तुलस्यान, रेखा जैन, रमेश धरनीधरका, उषा जालान, राज जैन, प्रदीप जैन, सुमित खेमका, विशेष केड़िया, अनुपमा रागढ़िया, अमरेन्द्र विष्णुपुरी, बबीता जालान, मुकेश अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, प्रशांत कुमार सिंह, मनोज तुलस्यान, अंचल किंगर, बाबूलाल गोप, उत्सव पराशर, सुमित पोद्दार, सुमित केड़िया और विशेष केड़िया आदि शामिल है।

रेलवे साइडिंग गोलीकांड में शामिल आरोपी गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

टंडवा। थाना परिसर टंडवा में शुक्रवार को प्रेस वार्ता आयोजित की गयी। इसमें फुलवरिया रेलवे साइडिंग से जुड़े गोलीकांड की घटना में सभी पहलुओ का टंडवा पुलिस की एसआइटी की टीम ने प्रद दर प्रद उग्रवादियों से राज खोल रहे है। जिसमें टंडवा पुलिस को एक और सफलता हाथ लगी है। गुप्त सुचना के आधार पर टीएसपीसी के कोर सदस्य गणपत उर्फ सरपंच गंझु को उसके घर से गिरफ्तार कर चतरा न्यायिक हिरासत में भेज दिया। प्रेस वार्ता के दौरान थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर विजय कुमार सिंह ने बताया की टंडवा थाना में दर्ज कांड संख्या 105/2023 बीते 31 मई को कढ़नि फुलवरिया रेलवे साइडिंग में 4-5 राऊड गोलीबारी, हथियार के साथ अपराधियो ने करीब 12 की संख्या में निमार्णाधीन रेलवे पुल कार्य रहे गार्ड के साथ मारपीट और पोकलेन मशीन को आगजनी की

घटना में गणपत शामिल था। उस घटना में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन टीएसपीसी के सबजोनल कमांडर प्रभात जी के नाम से हस्तलिखित पर्चा फेककर उग्रवादियों ने घटना की जिम्मेवारी लिया था। रेलवे पुल का निर्माण कार्य कर रहे एएससी प्रॉजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी से 2 करोड़ की लेवी की मांग किया गया था। उक्त घटना में शामिल मनोज गंझु, अर्जुन भोक्ता और संजय कुमार टीएसपीसी उग्रवादी सदस्यों को 4 जून को टंडवा पुलिस जेल भेज चुकी है। उसमें से चौथे उग्रवादी गणपत गंझु उर्फ सरपंच गंझु पिता विष्णु गंझु नामक व्यक्ति को टोला बड़कीतरी मरंगलोइया गांव थाना टंडवा निवासी है, और इस घटना में शामिल गिरफ्तारी के बाद गणपत पुलिस को स्वीकारोक्ति बयान में बताया है कि मेरे द्वारा पूर्व में भी प्रभात जी के दस्ता में रहकर कई घटना का इंजाम दिया गया है। जिसमे कांड संख्या 09/21 दिनांक 13 जनवरी 2021 को बालूमाथ थाना में मामला दर्ज है।मालूम हो की फुलवरिया रेलवे के कार्य में उग्रवादीयो द्वारा बाधा पहुंचाने के बाद चतरा एसपी राकेश रंजन के निर्देश पर टंडवा डीएसपी शंभु कुमार सिंह के नेतृत्त्व में लगातार छापेमारी अभियान और घटना में शामिल सदस्यों को गिरफ्तारी जारी है। इस मौके पर छापामरी दल में इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी विजय कुमार सिंह, पिपरवार थाना प्रभारी, गोविंद कुमार, पु.अ.नि.अशोक कुमार, पु.अ.नि.भोलानाथ दास, पु.अ.नि रोहित कुमार यादव, और रिजर्व गार्ड सैट के शश्त्र बल शामिल थे।

धनबाद में पुलिस-माफिया की सांठगांठ से अवैध खनन का धंधा फल-फूल रहा है: बाबूलाल मरांडी

रांची (आजाद सिपाही)। धनबाद जिले के झरिया के भौंरा में चाल धंसने से तीन मजदूरों की मौत हो गयी। भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी ने इस हादसे के लिए राज्य सरकार को जिम्मेवार ठहराया है। उन्होंने कहा कि आखिर यह कब तक चलेगा? बाबूलाल मरांडी ने शुक्रवार को ट्वीट कर कहा कि पुलिस-माफिया की सांठगांठ से धनबाद में अवैध कोयला उत्खनन का धंधा फल फूल रहा है। धनबाद में एक सिपाही भी कुछ महीनों में करोड़पति कैसे बन जा रहा है? दारोगा और वरीय अधिकारियों की बात तो छोड़ ही दीजिए। नीचे से लेकर ऊपर तक अवैध कमाई करनेवालों ने मानवीय मूल्यों को उसी चाल में झोंक दिया है। उन्होंने कहा कि तस्वीरें देख कर मन द्रवित है।

भगवान बिरसा मुंडा को दी श्रद्धांजलि

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड बचाओ मोर्चा और झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के संयुक्त तत्वावधान में भगवान बिरसा मुंडा के समाधि स्थल में श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि दी गयी। श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए झारखंड बचाओ मोर्चा के मुख्य संयोजक विधायक लोबिन हेंब्रम ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष का परिणाम है कि आज सीएनटी कानून बना है और इससे हमारी जल जंगल जमीन का सुरक्षा कवच मिला है। श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष राजू महतो ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा के सपनों का झारखंड बनाने के लिए हम सभी कृत संकल्प हैं। कार्यक्रम में श्री सुशांतो मुखर्जी सुबोध दांगी विनीता खलखो एरेन कछप डॉक्टर मुजफ्फर हुसैन विजय शंकर नायक नवीन कश्यप संजय राणा गोपाल महतो प्रवीण सहाय गणेश दास समेत अनुपस्थित।

जातपात को लेकर प्रसारित की गयी बातों को नवाडीह के ग्रामीणों ने सिरे से खारिज किया

बोरिंग करायी गयी, टैंकर से भी मिल रहा पानी

- जातपात नहीं है मुद्द - नवाडीह के अधिकांश कुएं निजी भूमि पर
- गर्मी के कारण कुएं का जलस्तर कम होना बना पानी नहीं देने का कारण

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आदेश के बाद सिल्ली प्रखंड के बड़ाचांगडू पंचायत के अड़ाल नवाडीह गांव का रांची जिला प्रशासन ने दौरा किया। मुख्यमंत्री को जानकारी मिली थी कि यहां सभी कुएं ऊंची जातिवालों के हैं जहां दलित पानी भर नहीं सकते हैं। मुख्यमंत्री का आदेश मिलते ही उपर्युक्त विषय के संबंध में स्थल जांच किया किया गया।

ग्रामीणों ने छुआछूत जैसी बातों का किया खंडन

उपरोक्त मामले की स्थलीय जांच के क्रम में गांव का भ्रमण किया गया एवं सभी पक्षों के साथ बैठक की गई। सभी पक्षों की बातों को सुना गाय। सभी तथ्यों को सुनने एवं पड़ताल के उपरांत छुआ-छूत अधविश्वास ऊची जाति लोहरा (दलित) जैसे शब्द भ्रामक एवं उन्माद फैलाने वाले प्रतीत होते हैं। यह घटना महतो एवं लोहरा जाति के बीच की है, जिसमें ₹ऊची जाति या 'दलित' जैसी कोई भावना नहीं हैं। जांचोपरांत पता चला कि दोनों समूह झारखण्ड राज्य की जातियों की सूची पिछड़ी जाति में दर्ज है। ग्रामीणों ने भी छुआछूत जैसी बातों का खंडन किया एवं उनके द्वारा बताया गया कि समाज के लोग सभी सामाजिक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों में एक साथ सहभागी होते है।

समस्या पानी की किल्लत को लेकर हुई, पेयजल की व्यवस्था के कार्य शुरू

स्थलीय जांच में पता चला कि मूलतः यह समस्या पानी की किल्लत को लेकर उठी। अधिकांश कुएं निजी जमीन पर बने है, जिसमें कुछ लोगों के द्वारा अन्य लोगों को पानी भरने नहीं दिया जाता है क्योंकि गर्मी के कारण कुएं का जलस्तर कम हो गया है। भ्रमण के दौरान सरकारी कुएं चिन्हित हुए, जो साफ सफाई के अभाव में या तो सूख गए है या पानी गंदा हो गया है। जल संबंधी समस्या का निरीक्षण सहायक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रशाखा, अनगड़ा एवं कनीय अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रशाखा, सिल्ली के द्वारा किया गया। सर्वेक्षण के उपरांत खराब पड़े चापाकल की मरम्मति एवं पुराने जलमीनार की मरम्मति तत्काल करा दी गई। सम्पूर्ण गांव को रश्र से जलापूर्ति हेतु अच्छादित करने के लिए स्वीकृत योजना के तहत कार्य प्रारंभ करा दिया गया है एवं विभाग द्वारा बोरिंग भी कराया गया है। वर्त्तमान में वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में टैंकर से पानी उपलब्ध कराया जा रहा है साथ ही, निजी कुएं से भी पानी लेने पर सहमति बनी है।

चुप्पी तोड़ो स्वस्थ रहो अभियान को लेकर जिला स्तरीय कार्यशाला में दिये कई निर्देश

माहवारी के दौरान स्वच्छता को नजरअंदाज करना गंभीर रूप ले सकता है: डीसी

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। छत्तरमांडू स्थित जिला समाहरणालय के सभागार में शुक्रवार को एक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में डीसी माधवी मिश्रा ने कई आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इस दौरान सर्वप्रथम यूनिसेफ की सहयोगी संस्था डेवनेट से निर्भय कुमार के द्वारा पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से चुप्पी तोड़ो स्वस्थ रहो अभियान के महत्व पर प्रकाश डाला गया। साथ ही उनके द्वारा चुप्पी तोड़ो स्वस्थ रहो अभियान के माध्यम से स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन के उपायों के प्रति भी जानकारी दी गयी।

माहवारी की प्रक्रिया

कार्यशाला के दौरान डीसी ने कहा कि माहवारी एक ऐसी

प्रक्रिया है जिससे कि सभी युवतियों और महिलाओं को गुजारना पड़ता है। जागरूकता के अभाव में ग्रामीण क्षेत्रों के साथ-साथ शहरी क्षेत्रों में भी युवतियों व महिलाओं को कई तरह की बीमारियों, संक्रमण का सामना करना पड़ता है। वर्तमान समय में भी इस संबंध में लोग बात करने से परहेज करते हैं। जबकि माहवारी के दौरान स्वच्छता को नजरअंदाज करना आगे चलकर एक गंभीर रूप ले सकता है। डीसी ने कहा कि माहवारी संबंधित भ्रांतियों को दूर करने व जागरूकता के लिए यह बहुत जरूरी है कि सबसे पहले लोग खुलकर इस पर बात करें। मौके पर डीसी ने बैठक में उपस्थित पंचायती राज, समाज कल्याण, स्वास्थ्य, जेएसएलपीएस, शिक्षा प्रखंड विकास पदाधिकारियों आदि को आपस में समन्वय बनाकर कार्य करने और जमीनी स्तर पर विभिन्न माध्यमों का इस्तेमाल कर लोगों के बीच से माहवारी से संबंधित भ्रांतियों को दूर करने, माहवारी के दौरान इस्तेमाल किए जाने वाले कपड़े की स्वच्छता व सैनिटरी पैड के नियमानुसार निष्पादन को लेकर कार्य करने व लोगों को जागरूक करने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए।

सैनिटरी पैड का सही निस्तारण बहुत जरूरी

कार्यशाला में डीसी ने कहा कि माहवारी के दौरान इस्तेमाल किए जाने वाले सैनिटरी पैड को अगर खुले में फेंक दिया जाए या सही तरीके से उसका निस्तारण ना किया जाए तो पैड को पूरी तरह से नष्ट होने में 500 से भी अधिक सालों का समय लगता है। पर्यावरण संरक्षण के लिए भी माहवारी के दौरान इस्तेमाल किए जाने वाले सैनिटरी पैड का सही निस्तारण बहुत जरूरी है। इसके लिए डीसी ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को शुरूआती दौर से ही बच्चियों को माहवारी संबंधित विभिन्न विषयों की जानकारी देने व उन्हें जागरूक करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए।

डीसी ने माहवारी स्वच्छता की शपथ दिलायी

बैठक के दौरान कार्यपालक अभियंता पेयजल और स्वच्छता प्रमंडल के द्वारा चुप्पी तोड़ो स्वस्थ रहो अभियान के तहत अब तक जिले में किये गये कार्यों और 12 जून तक ग्रामीण व सुदूरवर्ती क्षेत्रों में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों के संबंध में डीसी सहित बैठक में उपस्थित इन अधिकारियों को विस्तार से जानकारी दी गयी। वही, कार्यशाला के दौरान डीसी के द्वारा उपस्थित सभी अधिकारियों सहित अन्य को माहवारी स्वच्छता शपथ दिलायी गयी।

रांची विश्वविद्यालय मास कॉम में त्रिवर्षीय बीए आनर्स में नामांकन प्रारंभ

रांची (आजाद सिपाही)। आरयू के स्कूल आफ मास कम्युनिकेशन में जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन में तीन वर्षीय बीए आनर्स कोर्स में नामांकन प्रारंभ हो गया है। सत्र 2023-26 में नामांकन के लिये योग्यता किसी भी विषय से 45% अंको के साथ इंटर या बारहवी पास है। छात्र एडमिशन फार्म मोराबादी के स्टूडेंट्स क्रियेटिविटी सेंटर परिसर स्थित विभाग कार्यालय से पांच सौ रुपए देकर प्राप्त कर सकते हैं या विभागीय वेबसाइट Xhttp://djmcru.org.in/downloads/ से डाउनलोड भी कर सकते हैं। नामांकन की आखिरी तारीख 16जून 2023 है।

कोडरमा जिला आपूर्ति पदाधिकारी के खिलाफ शिकायत

रांची (आजाद सिपाही)। इंटक के राष्ट्रीय सचिव सह प्रवक्ता और एसएफसी मोटिया मजदूर संघ के केंद्रीय अध्यक्ष संतोष कुमार सोनी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर यह आरोप लगाया है कि कोडरमा के जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रमोद राम सभी प्रखंड के एसएफसी गोदाम में कार्यरत मजदूरों से प्रत्येक बोरा की ढुलाई पर कमीशन मांग रहे हैं, जो बिल्कुल आपराधिक मामला है। उन्होंने राज्य के खाद्य आपूर्ति मंत्री और जेएसएफसी के प्रबंध निदेशक येतेंद्र प्रसाद और श्रम मंत्री सत्यानंद भोक्ता से न्याय की गुहार लगायी है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि प्रमोद राम अपनी ओछी हरकतों से बाज नहीं आये तो आने वाला समय में झारखंड के सभी गोदामों को एक दिन के लिए बंद कर दिया जायेगा। अगर जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रमोद राम के ऊपर एक्शन नहीं लिया गया, तो झारखंड के सभी एसएफसी मजदूर काला पट्टा बांध कर एक सप्ताह काम करेंगे। उसके बावजूद यदि कोई सुनवाई नहीं हुई तो एक प्रतिनिधिमंडल राज्यपाल को ज्ञापन देकर न्याय की गुहार लगायेगा और अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जायेंगे।

संभल जाये कनाडा

कनाडा के ब्रैंपटन शहर में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की उनके सुरक्षाकर्मियों द्वारा की गयी हत्या को झांकी का रूप देकर पांच किलोमीटर लंबी परेड निकाला जाना इस बात का सबूत है कि वहां खालिस्तान समर्थक तत्वों को मनमानी करने की छूट किस हद तक मिली हुई है। यह घटना 4 जून की है और इसने सबका ध्यान तब खींचा, जब इसके विडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने लगे। आयोजन करने वाले संगठनों के नाम तत्काल सामने नहीं आये हैं, लेकिन इतना तय है कि इसके पीछे खालिस्तान समर्थक तत्व हैं। यह आयोजन ऑपरेशन ब्लू स्टार की 39वीं बरसी (6 जून) से दो दिन पहले किया गया और इस झांकी में पूर्व प्रधानमंत्री की हत्या को अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में 1984 में की गयी सैन्य कार्रवाई का प्रतिशोध बताया गया। साफ है कि खालिस्तान समर्थक ये तत्व अपनी इस तरह की हरकतों के जरिए उस आतंकवाद की ओर से ध्यान हटाने की कोशिश करते हैं, जिसकी वजह से ऑपरेशन ब्लू स्टार जैसे कदम उठाने पड़े और जिसके चंगुल में पंजाब आगे भी कई साल तक फंसा रहा। न जाने कितने परिवार इस चक्कर में बर्बाद हो गये, कितने लोगों को जान देनी पड़ी। अनगिनत कुर्बानियों के बाद पंजाब जैसे-तैसे उस मुश्किल दौर से निकला और पहले की तरह अपने पराक्रम से विकास की नयी कहानियां लिखने लगा। अब एक बार फिर वे तत्व देश के अंदर और बाहर सक्रिय हो रहे हैं।

कनाडा को समझना होगा कि आतंकवाद, अलगाववाद और हिंसा की आग सबसे पहले उन देशों को जलाती है जो इसे हवा देते हैं। ऐसे देशों की दुर्गति के उदाहरण सबके सामने हैं। उन देशों के अनुभव से समय रहते सबक लेना चाहिए।

कनाडा उनके लिए एक बड़ा केंद्र बन कर उभरा है। और यह वहां अपनी तरह का कोई पहला मामला नहीं है। पिछले साल भी वहां से एक अलग देश खालिस्तान बनाये जाने के सवाल पर जनमत संग्रह करवाये जाने की खबर आयी थी। सोशल मीडिया पर शेयर किये जा रहे ताजा विडियो को हालांकि सबसे पहले कांग्रेस नेताओं ने मुद्दा बनाया, लेकिन फिर सरकार भी इस पर स्टैंड लेने में पीछे नहीं रही। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सामान्य औपचारिक बयान से कहीं आगे बढ़ते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं न तो भारत-कनाडा रिश्ते के लिए अच्छी हैं और न कनाडा के लिए। उन्होंने कहा : यह समझना मुश्किल है कि वोट बैंक पॉलिटिक्स के अलावा और क्या वजह हो सकती है इन घटनाओं के पीछे। बहरहाल, इससे यह साफ हो जाता है कि कनाडा में हिंसा की वकालत करने वाले अतिवादी और अलगाववादी तत्वों पर कोई अंकुश नहीं रह गया है। भारत में कनाडा के उच्चायुक्त कैमरन मैके ने हालांकि इस घटना की निंदा की और कहा कि उनके देश में नफरत और हिंसा के महिमामंडन के लिए कोई जगह नहीं है, लेकिन ऐसे औपचारिक बयान जारी कर देना काफी नहीं है। कनाडा को समझना होगा कि आतंकवाद, अलगाववाद और हिंसा की आग सबसे पहले उन देशों को जलाती है जो इसे हवा देते हैं। ऐसे देशों की दुर्गति के उदाहरण सबके सामने हैं। उन देशों के अनुभव से समय रहते सबक लेना चाहिए।

अभिमत
आजाद सिपाही

दरअसल, भागलपुर के सुल्तानगंज स्थित अगुवानी घाट गंगा नदी पर 1710 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे निर्माणाधीन फोरलेन पुल का मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 23 फरवरी 2014 को शिलान्यास किया था, यह पुल ढह गया। पुल की लंबाई 3,160 किलोमीटर थी। इसका निर्माण 80 प्रतिशत पूरा हो चुका था। इससे पहले भी यह पुल 27 अप्रैल 2022 को तेज आंधी और बारिश के चलते ढह गया था। इस पुल का कम से कम 100 फीट हिस्सा गिर गया था।

विपक्षी एकता पर भारी बिहार का भ्रष्टाचार

योगेंद्र योगी

विपक्षी एकता के प्रयासों में जुटे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पुल ढहने की घटना ने अच्छी-खासी किरकिरी करा दी। भ्रष्टाचार के मामले में विपक्षी दलों को निशाना बनाने से भाजपा नहीं चूकती। भाजपा पूर्व में भी विपक्षी एकता के प्रयासों पर ऐसे प्रहार करती रही है। विपक्षी एकता के प्रयासों को भ्रष्टाचारियों को बचाने का गठजोड़ बताती रही है।

दरअसल, भागलपुर के सुल्तानगंज स्थित अगुवानी घाट गंगा नदी पर 1710 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे निर्माणाधीन फोरलेन पुल का मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 23 फरवरी 2014 को शिलान्यास किया था, यह पुल ढह गया। पुल की लंबाई 3,160 किलोमीटर थी। इसका निर्माण 80 प्रतिशत पूरा हो चुका था।

इससे पहले भी यह पुल 27 अप्रैल 2022 को तेज आंधी और बारिश के चलते ढह गया था। इस पुल का कम से कम 100 फीट हिस्सा गिर गया था। बिहार में घटिया निर्माण के कारण पुलों के ध्वस्त होने की यह कोई पहली घटना नहीं है। बीते एक साल में राज्य में 7 बार पुल गिरने की घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन नीतीश सरकार फिर भी नहीं जागी।

नीतीश कुमार विपक्षी एकता के प्रयासों के जरिए भारतीय जनता पार्टी को चुनौती देने का प्रयास कर रहे हैं।

विपक्षी एकता के सपने के बूते केंद्र में सत्ता पाने के प्रयास में जुटे नीतीश कुमार बिहार को नहीं संभाल पा रहे हैं। बिहार भ्रष्टाचार और अराजकता के लिए ही नहीं, बल्कि अजीबो-गरीब घटनाओं के लिए सुर्खियों में रहा है। यह बिहार में ही संभव है कि पुल जैसा मजबूत ढांचा महज आंधी से ढह जाये। इसके अलावा भी बिहार में भ्रष्टाचार और अराजकता की ऐसी हास्यास्पद घटनाएं हुई हैं। इनसे नीतीश सरकार के तौर-तरीकों पर सवालिया निशान लगते रहे हैं।

बरौनी (बेगूसराय जिला) के गरहारा यार्ड में मरम्मत के लिए लाये गये ट्रेन के डीजल इंजन को एक गिरोह ने चुरा लिया। चोर एक सुरंग माध्यम से आते थे और इंजन के पुर्जों को चुरा लेते थे। बिहार के बांका जिले से एक लोहे का पुल गायब हो गया। चोरों ने इस पुल का दो-तिहाई हिस्सा गैस कटर से काट कर चुरा लिया।

किसी भी राज्य में भारी-भरकम रेल के इंजन की चोरी की कल्पना भी नहीं की जा सकती। बिहार में चोर ट्रेन के इंजन को चोरी कर ले जायें।

बरौनी (बेगूसराय जिला) के गरहारा यार्ड में मरम्मत के लिए लाये गये ट्रेन के डीजल इंजन को एक गिरोह ने चुरा लिया। चोर एक सुरंग माध्यम से आते थे और इंजन के पुर्जों को चुरा लेते थे। बिहार के बांका जिले से एक लोहे का पुल गायब हो गया। चोरों ने इस पुल का दो-तिहाई हिस्सा गैस कटर से काट कर चुरा लिया। भागलपुर के सुल्तानगंज से देवघर में वैद्यनाथ धाम जाने वाले तीर्थयात्रियों (कांवड़ियों) की सुविधा के लिए इस पुल को बनाया गया था। इससे पहले भी बिहार के रोहतास जिले में लोहे के पुल की चोरी हुई थी। यहां चोरों ने 60 फीट लंबे और 500 टन वजनी लोहे के पुल को गायब कर दिया था।

बिहार दशकों से भ्रष्टाचार और कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ को लेकर सुर्खियों में रहा है। बिहार हाइकोर्ट ने लालू यादव के शासन के दौरान बिहार में शासन को जंगल राज बताया था। इसकी झलक नीतीश सरकार में बाकी है। बाहुबली आनंद सिंह की जेल से रिहाई के मुद्दे पर नीतीश सरकार की छवि प्रभावित हुई है। बिहार सरकार ने जेल कानूनों में संशोधन करके जिला कलेक्टर की हत्या के आरोप में सजा काट रहे आनंद सिंह के रिहा करने का मार्ग प्रशस्त किया। राजनीति में भ्रष्टाचार और अपराध का बिहार का पुराना इतिहास रहा है। बिहार की गुलाटी मारती गठबंधन वाली राजनीति में नीतीश ने कई बार गुलाटी खायी है।

वर्ष 2017 जुलाई में कलह की वजह को नीतीश ने भ्रष्टाचार के खिलाफ असहिष्णुता बताया था। उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले को वजह बताते हुए मुख्यमंत्री नीतीश ने राजद के साथ गठबंधन तोड़ते हुए कहा था कि उन्हें ०घुटन महसूस होती है। 6 साल बाद उन्होंने राजद से फिर हाथ मिला लिया। तेजस्वी डिप्टी सीएम बने और तेज प्रताप यादव को मंत्री बनाया गया।

नीतीश कुमार विपक्षी एकता के प्रयासों के जरिए भारतीय जनता पार्टी को चुनौती देने का प्रयास कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ बिहार में लालू के शासन में हुए भारी भ्रष्टाचार और अराजकता की छाप अभी तक बनी हुई है। लालू यादव की पार्टी से सत्ता के लिए किये गये गठबंधन के बाद प्रदेश की छवि बदलने के प्रयासों को झटका लगा है। उस पर भ्रष्टाचार और आपराधिक घटनाएं कोढ़ में खाज साबित हो रही हैं।

भाजपा नीतीश सहित अन्य विपक्षी दलों पर सार्वजनिक तौर पर भ्रष्टाचार और कानून-व्यवस्था को मुद्दा बनाती रही है। निश्चित तौर पर आगामी लोकसभा चुनाव में भी भाजपा के लिए यह बड़ा मुद्दा होगा।

नीतीश सहित विपक्षी दल भाजपा पर इडी और सीबीआइ की द्वेषपूर्ण कार्रवाई का आरोप लगा रहे हैं, किंतु जब तक इन दलों के दामन पर लगे दाग नहीं हटेंगे तब तक न सिर्फ एकता के प्रयासों को झटका लगता रहेगा, बल्कि भाजपा को भी इनके खिलाफ बोलने का मौका मिलता रहेगा।

जमशेदपुर की खबरें

झामुमो जिला समिति ने बिरसा मुंडा को दी श्रद्धांजलि

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिले के झामुमो जिला समिति के द्वारा धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 123 वीं शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। शुक्रवार को साकची स्थित जिला संपर्क कार्यालय में उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। मौके पर जिला उपाध्यक्ष सागेन पूर्ती ने बताया कि भगवान बिरसा मुंडा ने जल, जंगल, जमीन की लड़ाई के लिए अंग्रेजों से लोहा लेने का काम कीया था। उनके बलिदान से छोटानागपुर कश्तकारी अधिनियम बना। उनके ही देन है कि आज आदिवासीयों की जमीन सुरक्षित है और गैर आदिवासी नहीं ले सकते हैं। पार्टी के वरिष्ठ नेता राज लकड़ा ने बताया कि भगवान बिरसा मुंडा, जिस पद चिन्ह पर चले थे उसी पद चिन्ह पर झामुमो सुप्रीमो दिशोम गुरु शिबू सोरेन ने चलकर अलग झारखंड राज्य बनाने का काम किया। गुरुजी के आंदोलन से आज हमें अलग राज प्राप्त हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि हम सभी भगवान बिरसा मुंडा के बलिदान को याद करते हुए और उनके बताए हुए रास्ते पर चले तभी जाकर उनकी आत्मा को शांति मिलेगी। श्रद्धांजलि सभा में बीरसिह सुरेन, शेख बदरुद्दीन, प्रमोद लाल, प्रीतम हेम्ब्रम, विनोद डे, उमानाथ झा, अरूण प्रसाद, शैलेन्द्र कुमार मैती, फते चन्द टुडू, राजा सिंह, अजय रजक, नन्टु सरकार, रायमुल बान्डरा, विजय महतो, गोपाल महतो, मानसिंह बेसरा, पिंटू लाल, परवेज अख्तर, महिला नेत्री बाल्ही मारडी, दुर्गा बोयपाई, नन्द किशोर सिंह सहित सैकड़ों झामुमो कार्यकर्ता शामिल रहे।

बलिदान दिवस पर विधायक ने दी बिरसा को श्रद्धांजलि

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के बलिदान दिवस के मौके पर जुगसलाई विधायक मंगल कालिंदी ने साकची स्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर मालार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित की। बीते वर्ष साकची आई अस्पताल के पास विधायक मंगल कालिंदी के पहल पर भव्य भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा स्थापित की गयी थी। शुक्रवार को विधायक मंगल कालिंदी ने साकची आई अस्पताल के पास भव्य बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माला और पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देकर नमन की। मौके पर विधायक ने कहा जल, जंगल जमीन के अधिकार के लिए संघर्ष करने वाले भगवान बिरसा मुंडा देश के लिए अपनी जान न्योछावर कर दी। उनके साहस, समर्पण और बलिदान प्रत्येक भारतीय को सदैव प्रेरित करती रहेगी। विधायक ने कहा कि बीते वर्ष 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की भव्य प्रतिमा अपने निजी खर्च से बनवाकर जनता को समर्पित की थी। उन्होंने यह भी कहा कि भगवान बिरसा मुंडा के प्रति यही सच्ची श्रद्धांजलि है और लौहनगरी के जनता को समर्पित भगवान बिरसा मुंडा की भव्य प्रतिमा मे शहर के आज सभी संघठन और स्थानीय लोग श्रद्धा पूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे है यह गर्व की बात है। मौके पर दीपक रणजीत, मुकेश, सरबजोत भाटिया, विजय महतो, जयदीप, सोमनाथ, सिमरन,पप्पू सहित अन्य झामुमो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

केकेसी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष का कोल्हान दौरा आज

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। अखिल भारतीय कामगार और कर्मचारी कांग्रेस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संजय गाबा शुक्रवार की शाम रांची पहुंचे। जहां प्रदेश अध्यक्ष शैलेश पांडेय के नेतृत्व में कार्यकताओं ने उनका भवय स्वागत किया। मौके पर जिले के केकेसी कार्यकताओं ने उनसे मुलाकात की। कांग्रेस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संजय गाबा ने शनिवार को प्रदेश अध्यक्ष शैलेश पांडेय के साथ सरायकेला खरसावां व पूर्वी सिंहभूम जिले का दौरा करेंगे। जिला कमेटी व केकेसी कार्यकताओं से सीधा संवाद कर उन्हें आगामी 2024 लोकसभा चुनाव में मजदूर वर्ग को कांग्रेस के पक्ष में एकजुट करने के लिए टिप्स देंगे। वही जिलाध्यक्षों से अब तक किए गए कार्य की रिपोर्ट भी लेंगे। साथ ही भविष्य में संगठन की योजनाओं पर भी चर्चा करेंगे। उधर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के दौरे को लेकर कार्यकताओं काफी उत्साह है। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के बैठक के लिए फिलहाल सभी तैयारी लगभग पूरी कर ली गई है।

वार्ड 20 में रेलवे ब्रिज के समीप कचड़े का अंबार

आजाद सिपाही संवाददाता

आदित्यपुर। सरायकेला खरसावां जिले के आदित्यपुर नगर निगम क्षेत्र के वार्ड 20 में रेलवे ब्रिज के समीप कचड़ों का अंबार लग गया है। वर्षों से साफ-सफाई नहीं होने पर स्थानीय नागरिक और आसपास के दुकानदार कचरे के बीच रहने में मजबूर हैं। वही रेलवे ब्रिज के समीप कर्यी दिनों से नालियां जाम होने से लोगों को आने जाने में परेशानियां बढ़ गई है। नाला से निकलने वाले कचरे का पानी बीच सड़क में तेजी से बह रही है। जबकि नगर निगम में नालियों की साफ सफाई के लिए कर्मचारी प्रतिनियुक्ति की गयी है। उधर समय समय पर नालियो की साफ सफाई नही होने से बीच सड़क में ही कचरे का पानी जमने लगी है। वैसे वार्ड 20 में ही लगभग सरकारी कार्यालय है।जहा आदित्यपुर थाना, पीएचईडी विभाग, वन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, तहसील कचहरी, बिजली विभाग और अन्य सरकारी कार्यालय है। उधर नगर निगम के अपर नगर आयुक्त दावे करते हैं कि साफ सफाई नियमित रूप से हर क्षेत्र हो रही है, लेकिन उनके कुछ दावे कागजों के पन्नों पर ही सीमित रह जा रही है। वैसे वार्ड 20 के लगभग नालियो में जाम की स्थिति बनी हुई है। मानसून आते ही लोगों की परेशानी बढ़ जायेगी। वही वार्ड 17 का भी वही हाल है। जहा स्थानीय लोगो साफ सफाई को लेकर आक्रोशित है। वारिस के पूर्व सही समय पर अगर सफाई नहीं हुई तो टीएमसी नेता बाबू तांती व स्थानीय लोग आक्रोशित होकर आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

साप्ताहिक जनता दरबार में लोगों से मिले डीसी

आजाद सिपाही संवाददाता

सरायकेला। सरायकेला खरसावां जिले के डीसी अरवा राजकमल ने साप्ताहिक जनता दरबार में शामिल हुए। शुक्रवार को आयोजित जनता दरबार में डीसी ने विभिन्न क्षेत्र से आए दर्जनों लोगों की परेशानी से अवगत हुए। मौके पर डीसी ने क्रमवार लोगो की समस्या सुनने के बाद सभी आवेदन को संबंधित विभागीय पदाधिकारी को हसतांत्रित करते हुए फरियादियों को आश्वस्त किया। जनता दरबार में भूमि विवाद, पेयजल संबंधित मामले, ग्राम प्रधान के लंबित वेतन भुगतान, राशन कार्ड में नाम जोड़ने, आयुष्मान भारत योजना के तहत लाभ प्रदान करने, चांडिल बजार क्षेत्र में अवैध पार्किंग एवं ओवरलोड वाहनो पर करवाई करने, विधुत विभाग, आपूर्ति विभाग,स्वास्थ्य विभाग समेत अन्य मामले से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। मौके पर नीमडीह प्रखंड से दीजों कालिंदी आयुष्मान भारत योजना के तहत लाभ प्रदान करने के लिए आवेदन दिए। उन्होंने अपरेंटिस ऑपरेशन के लिए लाभ प्रदान करने की मांग की। डीसी नें तत्काल सिविल सर्जन श्री कालिंदी को मुख्यमंत्री चिकित्सा अनुदान योजना के तहत लाभ प्रदान करने व अन्य आवश्यक सहयोग प्रदान करने का निदेश दिए। वही डीसी ने कई मामले का निष्पादन तत्काल करने का निर्देश दिया। मौके पर ग्रामीणों में खुशी देखने को मिली। उन्होंने राज्य सरकार व प्रशासनिक पदाधिकारी के प्रति आभार जताया।

जनसंघ काल के नेता की माताजी के स्वास्थ्य की जानकारी लेने पहुंचे पूर्व सीएम

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। भाजपा के वरिष्ठ नेता और जनसंघ काल से पार्टी को सींचने वाले बिरसानगर निवासी जय नारायण सिंह और भाजपा बारीडीह मंडल के अध्यक्ष संतोष ठाकुर की माताजी का टाटा मोटर्स अस्पताल में इलाज चल रहा है। शुक्रवार को दोनो के स्वास्थ्य की जानकारी लेने भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सह पूर्व सीएम रघुवर दास टाटा मोटर्स अस्पताल पहुंचे। मौके पर पूर्व सीएम ने डॉक्टरों से इलाज संबंधी विचार-विमर्श कर बेहतर इलाज के लिए आग्रह किया। पूर्व सीएम ने दोनो के शीघ्र पूर्ण रूप से स्वस्थ होने के लिए कामना की।

60:40 नियोजन नीति के खिलाफ दो दिवसीय झारखंड बंद आज से

आजाद सिपाही संवाददाता

पाकुड़। झारखंड में 60 40 नियोजन नीति वापस लेने और खतियान आधारित नियोजन नीति लागू करने की मांग को लेकर दो दिवसीय झारखंड बंद को सफल बनाने का आह्वान करने के लिए छात्रों ने पाकुड़ में सुखवा पत्ता हाथों में लेकर जुलूस निकाला। गांधी चौक से सैकड़ों की संख्या में छात्रों ने हाथों में सुखवा का पत्थर लिए झारखंड में 60 40 नियोजन नीति को वापस लेने और खतियान आधारित खतियान आधारित नियोजन नीति को लागू करने की मांग को लेकर नारेबाजी करते हुए सिद्धू कानू पार्क के पास पहुंचकर यूनुस को समाप्त किया। छात्रों ने जुलूस प्रदर्शन के दौरान दुकानदारों से कल और परसो 2 दिन बाजार बंद रखने का आह्वान किया। छात्र नेता कमल मुर्मू सीताराम मुर्मू ने कहा कि झारखंड के छात्रों का भविष्य अंधकार में होता दिख रहा है अगर 60 40 नीति लागू हुई तो यहां के अधिकांश युवा शिक्षित बेरोजगार रह जाएंगे इसलिए हम लोगों की मांग है कि झारखंड में खतियान आधारित नियोजन नीति लागू किया जाये।

रमकंडा पहुंचने पर राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन का भव्य स्वागत किया गया, सीधा संवाद भी हुआ

लगन और मेहनत से आगे बढ़ें : राज्यपाल

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन गढ़वा जिला के रमकंडा प्रखंड पहुंचे। दोपहर 12:00 बजे के करीब वह रमकंडा प्रखंड पहुंचे जहां जेएसएलपीएस की दीदियों द्वारा पारंपरिक गीत और नृत्य के साथ उनका भव्य स्वागत किया गया। मौके पर जिला प्रशासन द्वारा उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। जिसके पश्चात उन्होंने रमकंडा प्रखंड कार्यालय परिसर में पौधा रोपण किया। शुक्रवार भगवान बिरसा मुंडा के शहादत दिवस पर उन्होंने भगवान बिरसा के बलिदानों को याद कर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। गढ़वा जिला आगमन पर उपायुक्त शेखर जमुआर ने माननीय राज्यपाल महोदय को पुष्प गुच्छ, शॉल और स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत और अभिनंदन किया। माननीय राज्यपाल द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

जिले की समस्याओं के बारे में चिंता व्यक्त किया : उन्होंने गढ़वा जिला में कम वर्षा होने के कारण होने वाली समस्याओं के बारे में चिंता व्यक्त करते हुये कई महत्वपूर्ण उदाहरण देते हुये कहा कि जब एक रास्ता बंद होता है तो दूसरा रास्ता खुलता है। इसलिए हमें निराश और हताश होने के बजाए मेहनत और लगन के साथ सकारात्मक रहने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि उपायुक्त पलामू और उपायुक्त गढ़वा के साथ इरिगेशन के विषय पर चर्चा हुई है और जिले में वॉटर रिचार्ज बेहतर हो इसे लेकर कार्य किया जायेगा। उन्होंने गढ़वा जिला के विकास को लेकर प्रमुख बातें करते हुए जिला की महिलाओं का महत्वपूर्ण योगदान बताया। उन्होंने शिक्षा पर विशेष ध्यान देने को लेकर सभी से अपील किया कि अपने बच्चों को जरूर अच्छी शिक्षा दें। शिक्षा से हीं भविष्य को सुधारा जा सकता है। उन्होंने कहा कि राज्य में उच्च शिक्षा हेतु अच्छे प्रयास किए जा रहे हैं। यदि हमारे राज्य के बच्चे विदेशों में भी जाकर शिक्षा लेने को इच्छुक है तो उन्हें राज्य द्वारा भी सहयोग किया जायेगा। हमें चिंता यह करनी चाहिए कि हम बच्चों को अच्छे से पढ़ाई और उन्हें गलत रास्ते पर जाने से रोके। हमारा देश काफी आगे बढ़ रहा है और हमारा राज्य भी आने वाले समय में देश और विश्व में एक अलग पहचान बनाएगा। उन्होंने कृषि और उद्योग विभाग को आपस में मिलकर कार्य करने तो कहा जिससे समेकित विकास हो सके।

ग्रामीणों से की उनकी समस्याओं की बात : राज्यपाल ने स्थानीय ग्रामीणों से सीधा संवाद किया।

आदिम जनजाति के दिनेश्वर कुरवा नामक स्थानीय नागरिक द्वारा आदिम जनजाति के विकास की समस्या राज्यपाल महोदय के समक्ष रखा गया। जिस पर माननीय राज्यपाल महोदय द्वारा पीवीटीजी परिवारों के लिए अलग से स्कूल खोले जाने की जानकारी देते हुये उन्हें अच्छे से राशन, पेंशन समेत अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को कहा गया। साथ ही आदिम जनजाति के लिए दिये जा रहे सुविधाओं से योग्य लाभुकों को जागरूक करने को कहा जिससे वह जागरुक होकर विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ ले सके। माननीय राज्यपाल महोदय के अनुमति से उप विकास आयुक्त राजेश कुमार राय द्वारा कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की गयी।

राज्यपाल ने किया परिसंपत्तियों का वितरण

मौके पर राज्यपाल, झारखंड, सीपी राधाकृष्णन द्वारा परिसंपत्तियों का वितरण किया गया। उन्होंने जेएसएलपीएस, वन भूमि पट्टा, आवास योजना, मनरेगा, सामाजिक सुरक्षा, सोना सोबरन धोती साड़ी एवं लूंगी वितरण योजना और आइसीडीएस आदि योजनाओं के कुल 70 लाभुकों/समूहों के बीच विभिन्न योजनाओं के तहत परिसंपत्तियों का वितरण किया गया, जिसमें स्वीकृति पत्र, चाबी वितरण, चेक, पूर्णता प्रमाण पत्र आदि सम्मिलित हैं। मंच से ही लाभुकों के बीच सांकेतिक रूप से परिसंपत्तियों का वितरण किया गया।

आइसीडीएस के तहत भी लाभार्थियों को लाभान्वित किया

कार्यक्रम में उन्होंने आईसीडीएस के तहत भी लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया और गोदभराइ जैसे कार्यक्रम आयोजित किये गए। इसके अंतर्गत मानती कुमारी और शोभा कुमारी को कन्यादान योजना के तहत लाभान्वित किया गया जबकि अंजू कुमारी और उतिमा कुमारी के बीच सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के तहत क्रमशः 5000 और 20000 की राशि की स्वीकृति प्रदान की गयी। सुनीता देवी, रिंकी देवी और रीना देवी की गोदभराई रस्म पूरी की गयी, जबकि रूपा कुमारी, आशीष कुमार, लक्ष्मी कुमारी, साजन कुमार के अन्नप्राशन के रस्म पूरे किए गयें। वहीं अशोक सिंह और अमरनाथ पन्ना के बीच ट्राईसाईकिल का वितरण किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित

कार्यक्रम में मुख्य रूप से डीआइजी पलामू, राज कुमार लकड़ा, उपायुक्त शेखर जमुआर, पुलिस अधीक्षक अंजनी कुमार झा, उप विकास आयुक्त राजेश कुमार राय, अपर समाहर्ता पंकज कुमार सिंह, अनुमंडल पदाधिकारी गढ़वा राज महेश्वरम, अनुमंडल पदाधिकारी रंका राम नारायण सिंह, अनुमंडल पदाधिकारी श्री बंशीधर नगर आलोक कुमार, वन प्रमंडल पदाधिकारी दक्षिणी वन प्रमंडल शशि कुमार, उप निदेशक जन संपर्क विभाग, पलामू प्रमंडल आनंद समेत जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के अन्य पदाधिकारी, लाभुक और स्थानीय जनता उपस्थित थे।

गढ़वा में प्रांत अभ्यास वर्ग का उद्घाटन

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। 08 जून से शुरू होकर 11 जून चलने वाले गढ़वा में आयोजित अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद झारखंड प्रांत का प्रांत अभ्यास वर्ग का आज विधिवत उद्घाटन अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ल जी, प्रदेश उपाध्यक्ष प्रो. सुमनलता जी, प्रदेश मंत्री सोमनाथ भगत जी और प्रदेश संगठन मंत्री राजीव रंजन जी द्वारा किया गया। इस वर्ग में पूरे प्रदेश से लगभग 300 से अधिक छात्र-छात्राओं से हिस्सा लिया है। उद्घाटन सत्र में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुये अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ल ने कहा कि अभाविप निरंतर 75 वर्षों से राष्ट्र हित समाज हित और छात्र हित को अपना उद्देश्य बनाकर कार्य कर रहा है और इसी कड़ी में अभ्यास वर्ग विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करने का एक माध्यम है। जहां 4 दिनों तक प्रशिक्षित होने के बाद विद्यार्थी समाज के विभिन्न क्षेत्रों में सकारात्मक गतिविधि करने का प्रयत्न करते हैं। आगे उन्होंने कहा कि कोयल के तट पर एसआइएस प्रशिक्षण केंद्र में प्राकृतिक वादियों के बीच आयोजित यह अभ्यास वर्ग कार्यकर्ताओं को प्रकृति के साथ तारदम्यता बिठाना और इस स्वच्छ और सुंदर माहौल में प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की प्रेरणा भी दे रहा है। प्रदेश उपाध्यक्ष प्रो. सुमनलता ने कहा की इतनी गर्मी में भी परिषद कार्यकर्ता विभिन्न जिलों से संगठन की कार्यपद्धति सीखने के उद्देश्य से यहां बिलकुल अनुसासित तरीके से इक्कठे हुए हैं ऐसा अनुशासन केवल विद्यार्थी परिषद जैसे संगठन में ही संभव होता है। प्रदेश संगठन मंत्री राजीव रंजन ने कहा की 4 दिनों तक चलने वाले इस अभ्यास वर्ग के लिए गढ़वा के स्थानीय कार्यकर्ताओं ने बहुत ही परिश्रम किया है इसलिए प्रांत के सभी प्रतिनिधि वर्ग का लाभ उठाएं और जितना अधिक सीखने योग्य बातें हो सीख कर अपने समाज और राष्ट्र के लिए कुछ करने का प्रयत्न करें। अभाविप का प्रदेश अभ्यास वर्ग संगठनात्मक दृष्टिकोण से एक बहुत ही महत्वपूर्ण और बड़ा कार्यक्रम होता है। इस कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों से प्रतिनिधि शामिल होते हैं और उन्हें संगठन की कार्य पद्धति सिखायी जाती है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से क्षेत्रीय संगठन मंत्री निखिल रंजन जी, राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद के विशेष आमंत्रित सदस्य प्रा. पंकज कुमार, अभाविप की प्रदेश छात्रा प्रमुख प्रो. पुष्कर बाला, अखिल भारतीय जनजातीय कार्य प्रमुख प्रमोद राउत, पलामू विभाग प्रमुख डॉ. सत्यदेव पांडे प्रदेश सहमंत्री निशांत चतुर्वेदी, प्रदेश सोशल मीडिया प्रमुख रोहित देव, प्रताप सिंह, मंजूल शुक्ला, शुभम तिवारी, विवेक पाठक, निवास मंडल, किरण कुमारी, सुलोचना कुमारी, सरोज कुमारी पंकज कुमार सहित कई पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

11 जून को विशेषज्ञ डॉक्टर करेंगे मानसिक और चर्म रोग का इलाज

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा का क्लीनिक ऑन स्क्रीन जटिल रोगों के इलाज के लिए वरदान साबित होने लगा है। 11 जून को मानसिक रोग और चर्म रोग का इलाज सम्बंधित रोग के विशेषज्ञ करेंगे। सीआईपी रांची के प्रसिद्ध न्यूरो मनोरोग चिकित्सक डॉ राजीव रंजन और रिम्स से अनुभव प्राप्त प्रसिद्ध चर्म-कुष्ठ रोग विशेषज्ञ डॉ मीनू श्री रोगियों का इलाज करेंगी। मनोरोग विशेषज्ञ डॉ राजीव रंजन ने कहा कि मानसिक रोग का समय से इलाज नहीं किया गया तो वह व्यक्ति को मौत के मुहाने पर खड़ा कर देता है, जहां से उसे वापस लाना कठिन हो जाता है। उन्होंने बताया कि खुद को नुकसान पहुंचाना, आंखों से आंखे कम मिलना, उन्मादी हो जाना, शब्दों और गतिविधियों को बेमतलब दोहराना, सामान्य चीजों को न पहचान पाना, सन्देह करना, आनंद न आना, इनके प्रमुख लक्षण हैं। नींद, भूख, ऊर्जा, एकाग्रता, व्यवहार, आत्म सम्मान में परिवर्तन आना भी इस रोग के लक्षण हैं। डॉ ने कहा कि मानसिक रोग को पूरी तरह से ठीक किया जा सकता है। बशर्ते लोग इसे शर्मिंदगी से जोड़कर न देखें और उक्त लक्षण दिखते ही अविलम्ब डॉक्टर से सम्पर्क कर लें। गढ़वा जैसे सुदूरवर्ती क्षेत्र में क्लिनिक ऑन स्क्रीन ऐसे रोगों के समूल नाश का बड़ा संकल्प लिया है। लोग इस रोग के प्रति जागरूक और इसके इलाज के प्रति गंभीर हों। तभी इस अवसाद रोग पर विजय प्राप्त कर सकेंगे।

डॉ. राजीव रंजन — डॉ. मीनूश्री वीएस

राँची समाहरणालय, राँची, (जिला भू-अर्जन शाखा)
www.dlaoranchi.in, dlaoranchi@gmail.com, dlaoranchi@rediffmail.com, dlao-ranchi@jharkhandmail.gov.in

आम सूचना

रिंग रोड परियोजना अतिरिक्त मौजा–तुपुदाना, थाना नं0–267, थाना–तुपुदाना में भूमि अधिग्रहण हेतु संशोधित अधियाचना प्राप्त है। प्राप्त अधियाचना के आलोक में आमसभा का आयोजन किया जा रहा है। जिसका विवरण इस प्रकार है :–

दिनांक	समय	संबंधित मौजा का नाम	संबंधित अंचल का नाम	स्थान जहाँ मुआवजा राशि भुगतान हेतु राजस्व कागजात जमा लेना है।
14/06/2023	11.30 A.M.	तुपुदाना	नामकुम, अंचल	नामकुम प्रखण्ड के सभागार

अतः संबंधित मौजों के भू–धारियों को सूचित किया जाता है कि उक्त तिथि को निर्धारित समय एवं स्थान पर उपस्थित होना सुनिश्चित करेंगे।

जिला भू–अर्जन पदाधिकारी
राँची

PR 299633 Land Reforms(23-24)#D

किसानों की कल्याणकारी योजनाओं में अनियमितता

आजाद सिपाही संवाददाता

कांडी। किसानों के लिए लायी गयी विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं में लगातार अनियमितता बरती जा रही है। चाहे सुखाड़ राहत हो, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि हो, कृषि बीमा योजना हो, कृषि लोन का मामला हो या अनुदानित दर पर खाद, बीज व कीट नाशक उपलब्ध कराए जाने का मामला हो सभी किसानों को इसका लाभ नहीं मिल रहा है। योजनाओं के कार्यान्वयन में व्याप्त अनियमितता के कारण लाभ नहीं मिल पा रहा है। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के गढ़वा जिलाध्यक्ष रामलाला दुबे ने कहा कि किसान परेशान और निराश हैं। बायीं बांकी जलाशय योजना से निकली नहर के गहरीकरण व पक्कीकरण का काम शुरू किया गया था। जिससे यहां के किसानों की मर चुकी आस फिर से जगी थी। कि चलो 52 सालों के बाद इस नहर से हमारे खेतों को पानी मिलेगा। मालूम हो कि पलामू के विश्वविख्यात अकाल के साल 1966 - 67 में नहर की खुदाई हुई थी। लेकिन उसके बाद से यह नहर विधवा की सूनी मांग की तरह वीरान पड़ी हुयी है। इस नहर में कभी भी चुल्लू भर पानी नहीं आया। हालांकि ठेकेदारी के लिए दर्जनों बार आधी अधूरी लंबाई में इसकी सफाई की जाती रही है। इस बार बड़े पैमाने पर नहर की खुदाई और पक्कीकरण का काम शुरू हुआ। चर्चा चली कि बायीं बांकी जलाशय की भी सफाई व गहराई बढ़ाकर नहर के पूरी लंबाई में पानी दिया जायेगा। जिससे अकाल पीड़ित किसानों के मन में पानी मिलने की उम्मीद प्रबल हो गई थी। लेकिन नहर का काम करीब आठ महीने से बंद पड़ा है। अनियमितता का आलम यह है कि संवेदक द्वारा नहर खोदाई से निकली मिट्टी किसानों की निजी जमीन में छोड़ दिया गया है। साथ ही नहर खोदाई के दौरान किसानों के सैकड़ों पेड़ पौधे काट डाले गए। जिसका मुआवजा भी नहीं दिया गया। नहर पक्कीकरण में घटिया किस्म के सीमेंट का उपयोग किया जा रहा है। जिससे कई जगह नहर की दीवारें तुरंत फट गयीं। लेकिन अभी तक किसानों की गुहार किसी ने नहीं सुनी। प्रेस के माध्यम से किसानों की समस्या और नहर निर्माण में हो रही अनियमितता को प्रमुखता से प्रकाशित किया गया। लेकिन अभी तक किसी तरह की कार्रवाई नहीं की गयी। किसान मोर्चा अध्यक्ष ने झारखंड सरकार और जिला के उपायुक्त से आग्रह किया है कि उपरोक्त समस्याओं की जांच करा कर दोषियों पर कार्रवाई की जाये। अन्यथा बाध्य होकर किसान आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे। इस मौके पर भाजपा किसान मोर्चा के जिला महामंत्री सत्येंद्र चौबे, कांडी मंडल महामंत्री शशि रंजन दुबे, कांडी पंचायत के पूर्व मुखिया सह भाजपा नेता विनोद प्रसाद, राजेंद्र पांडेय, रामलखन प्रसाद, प्रदीप दुबे सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

जिला एथलेटिक्स टीम रजरप्पा गयी

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। रामगढ़ जिला के रजरप्पा डीएवी स्कूल के मैदान में आयोजित प्रथम सब जूनियर झारखंड राज्य एथलेटिक्स प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए गढ़वा जिला की टीम आज रांची चोपन एक्सप्रेस से 11:00 बजे सुबह रवाना हो गई। ज्ञात हो कि यह प्रतियोगिता 10 और 11 मई को आयोजित है गढ़वा जिला से 15 सदस्य बालक बालिका की टीम और दो कोच एक मैनेजर टीम लेकर रवाना हुये। अंडर 14 बालक वर्ग में अंकित कुमार, साकेत सिंह, मनु प्रसाद महतो, पीयूष रंजन अंडर 16 बालक में सनी लाल सिंह, विशाल कुमार, मनीष कुमार, उपेंद्र सिंह, अनिकेत कुमार, प्रभु रजवार अंडर 16 बालिका वर्ग में मधु कुमारी, खुशबू कुमारी, सोनम कुमारी का चयन किया गया है बालक का कोच अभय कांत बालिका का कोच रिया कुमारी और टीम मैनेजर रंजीत कुमार को बनाया गया टीम को रवाना करते समय एथलेटिक संघ के संयुक्त सचिव सुशील कुमार तिवारी, कोषाध्यक्ष अजय कांत साथ में फिजिकल टीचर शंकर पाल उपस्थित थे टीम को शुभकामना देते हुये संघ के अध्यक्ष शिव कुमार पांडे, उपाध्यक्ष नसीम अख्तर, सचिव आलोक कुमार मिश्रा, ओलंपिक संघ के संरक्षक अमृत शुक्ला राकेश पाल, अनिता दास रेखा चौबे अध्यक्ष शैलेंद्र पाठक, उपाध्यक्ष उदय नारायण तिवारी, विजय केसरी, मदन केसरी, ओमप्रकाश तिवारी, उमेश सहाय, सत्येंद्र प्रसाद यादव, धर्मेंद्र पाल, किशोर कुणाल, चंद्र बहादुर सिंह, रामप्रवेश तिवारी, रामाशंकर सिंह, मोहम्मद शमशाद, अमित कुमार, सिंह मुनीफ आदि ने बधाई और शुभकामनाएं दी।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, रामगढ़

अतिअल्पकालीन निविदा आंमत्रण सूचना सं0–06/2023–24

1. विज्ञापनदाता का नाम एवं पदनाम : कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमंडल रामगढ़।
2. परिमाण विपत्र निर्गत की तिथि एवं समय : दिनांक 22/06/2023 को अपराह्न 1:00 बजे तक ।
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : दिनांक 23/06/2023 को अपराह्न 3:00 बजे तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक 23/06/2023 को अपराह्न 3:30 बजे।
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान : (1) अधीक्षण अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन अंचल हजारीबाग, (2) कार्यपालक अभियंता भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल, रामगढ।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान : कण्डिका 5, में वर्णित (2)
7. कार्यो का विवरण :–

क्र0 स0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मुल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1	रामगढ़ जिला के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पतरातू में Block Public Health Unit (BPHU) का निर्माण कार्य।	49,48,100/-	1,00,000/-	5,000/-	9 माह
2	कार्यकारी मानक प्रयोगषाला, पतरातू (WSL) निर्माण कार्य।	41,52,700/-	85,000/-	5,000/-	6 माह
3	Renovation of Boundary wall (South Side) of DC Residence, Ramgarh (2nd call)	17,36,200/-	35,000/-	5,000/-	30 दिन
4	Construction of store room at basement of Collectorate Building (Block-A) for Nazarat at Ramgarh	2,76,300/-	5,600/-	750/-	30 दिन
5	Estimate for the Tahsil kutchary halka no-1, Ramgarh	5,57,600/-	12,000/-	1250/-	30 दिन

* निविदा की शर्तें एवं अन्य सूचनाएँ www.jharkhandtenders.gov.in पर भी देखा जा सकता है। ह०/–
कार्यपालक अभियंता,भवन प्रमंडल,रामगढ़

PR 299658 Building(23-24).D

कार्यालय नगर परिषद् रामगढ़

नगर परिषद, रामगढ़ क्षेत्र अन्तर्गत अति–अल्पकालिन आमंत्रण सूचना।
अति–अल्पकालिन सूचना संख्या – NIT/RGH/NP/13/2022-23 (2nd Call)

1. निविदा निकालने वाले पदाधिकारी :–कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद् रामगढ़।
2. निविदा वेबसाईट पर प्रकाशन की तिथि :–दिनांक : 12.06.2023
3. निविदा प्रपत्र ऑनलाईन भरने की अंतिम तिथि :–दिनांक : 22.06.2023 अपराहन 04:00 बजे तक।
4. निविदा प्रपत्र ऑनलाईन भरने का वेबसाईट :–केवल ई–निविदा (http://jharkhandtenders.gov.in)
5. वेबसाईट पर अपलोड किया गया दस्तावेज की मुल प्रति जमा करने की अंतिम तिथि व समय:–दिनांक : 23.06.2023 अपराहन् 4:00 बजे तक।
6. निविदा खोलने की तिथि व समय एवं स्थान :–दिनांक : 24.06.2023 अपराहन् 12:00 बजे से। नगर परिषद, रामगढ़ ।
7. मद का नाम :–15वें वित आयोग
8. हेल्पलाईन नं0 :–9334702381, 9110072039

क्र0 सं0	वार्ड नं0	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	विपत्र का मूल्य	कार्य करने का समय
1	4	Renovation of Panchayat Bhawan for the opening of Urban Health and wellness centre in ward no – 04	2491800.00	49836.00	5000.00	180 दिन
2	16	Renovation of Panchayat Bhawan for the opening of Urban Health and wellness centre in ward no – 16	2491800.00	49836.00	5000.00	180 दिन
3	30	Renovation of Panchayat Bhawan for the opening of Urban Health and wellness centre in ward no - 30	2491800.00	49836.00	5000.00	180 दिन

नोट:–
1. केवल ई–निविदा ही स्वीकार की जाएगी।
2. संवेदक द्वारा ई–निविदा में अपलोड किया गया सभी दस्तावेज तथा संवेदक का निबंधन प्रमाण पत्र, आयकर रिर्टन (विगत तीन वर्षो का), पैन कार्ड, GSTR-1, GSTR-3B (विगत तीन माह) अथवा अद्यतन Quarterly Return, निबंधन प्रमाण पत्र, चरित्र प्रमाण पत्र, UCAN, अग्रधन राशि, निविदा प्रपत्र शुल्क व अन्य दस्तावेज दिनांक 23.06.2023 को अपराहन 4:00 बजे तक नगर परिषद् कार्यालय में जमा करना अनिवार्य है।
3. नगर विकास एंव आवास विभाग के अधीनस्त समुचित श्रेणी या एक श्रेणी उपर निबंधित संवेदको से निविदा आमंत्रित की जाती है।
4. निविदा की शर्तें एवं अन्य जानकारीयां http://jharkhandtenders.gov.in पर एवं नगर परिषद कार्यालय के सूचना पट्ट पर कार्य दिवस में 11:00 बजे पूर्वाहन से 04:30 अपराहन तक देखा जा सकता है।
5. जिन किन्ही भी संवेदक (प्रोपराईटशीप अथवा पार्टनरशीप) फर्म पर का कार्य लम्बित होगा (यानि समयावधि के अन्तगर्त पूर्ण नहीं हुआ है) उन्हें कार्य आवंटन में प्राथमिकता नहीं दी जायेगी।
6. जिन संवेदकों को कार्यालय द्वारा नियमानुसार कार्य आवंटित होने के पश्चात संवेदकों के द्वारा एकारनामा नहीं किया जाता है तो ऐसी परिस्थिति में उनके द्वारा समर्पित की गई अग्रधन की राशि जब्त कर ली जायेगी।
7. जिन किन्ही भी संवेदको का कार्य लम्बित होगा (यानि समयावधि के अन्तगर्त पूर्ण नहीं हुआ है) उन संवेदको को कार्य आवंटन में प्राथमिकता देने के लिए कार्यालय बाध्य नहीं हो सकती है।

कार्यपालक पदाधिकारी
नगर परिषद्, रामगढ़।

PR.NO.299655 District(23-24):D

होंडा शो रूम में कंपनी की लेटेस्ट मॉडल बाइक 100 सीसी शाइन लांच

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। कचहरी रोड स्थित साईं शोभानंद होंडा शो रूम में शुक्रवार को कंपनी के लेटेस्ट मॉडल 100 सीसी बाईक शाइन लॉन्च किया गया। इस अवसर पर होंडा शोरूम के प्रोपराइटर जयंत लाल गुप्ता उर्फ बबलू सेठ ने बताया कि ग्राहकों के जोरदार मांग पर होंडा कंपनी ने 100 सीसी वाले शाइन नमक बाइक का निर्माण किया है जो अब गढ़वा जिला भी उपलब्ध हो गया है। जो काफी किफायती के साथ ही साथ आरामदेह भी है। उन्होंने बताया कि यह बाइक महंगी नहीं होने कारण सभी वर्ग के लोगों के पचेजिंग कैपिसिटी के दायरे में है। उन्होंने बताया कि स्पेशल 6 साल का वारंटी पैकेज शाईन 100, 5 कलर्स में उपलब्ध है। इसकी 65,100 की आकर्षक शुरूआती कीमत है। जो भरोसे, विश्वसनीयता और आधुनिक टेक्नोलॉजी की पुष्टि करती है। शाईन 100 को 12 पेटेंट ऐप्लीकेशन्स के साथ विकसित किया गया है, जो पहले से भी अधिक विश्वसनीयता को सुनिश्चित करते हैं। उन्होंने बताया कि शाईन इस श्रेणी में सबसे लोकप्रिय और भरोसेमंद मोटरसाइकल ब्राण्ड है। इसे इस तरह से बनाया गया है की यात्रा में आपको बिल्कुल थकान नहीं होती। राइडिंग पॉजिशन को भी इस तरह से डिजाइन किया गया है कि परिवार के साथ राइड करना और लोड ले जाना आसान हो जाय। मुश्किल सड़कों पर भी स्थिरता देकर राइडर को आत्मविश्वास देता है। उन्होंने बताया कि शाइन 100 पर स्पेशल 6 साल का वारंटी पैकेज 3 साल स्टेण्डर्ड और 3 साल एक्सटेंडेड वारंटी है। मौके पर कई सब डीलर भी मौजूद थे जिनमे अनिल प्रसाद, पवन सिंह, रविशंकर पांडेय, मनदीप प्रसाद, कमलेश सिंह, पीयूष गुप्ता, संदीप मिंज, पीयूष कमलापुरी, वर्षा, रूही सहित सभी शो रूम के कर्मी उपस्थित थे।

आजाद सिपाही
रांची, शनिवार, 10 जून, 2023
www.azadsipahi.in
08

जगह-जगह कार्यक्रम आयोजित कर धरती आबा बिरसा मुंडा को दी गयी श्रद्धांजलि

स्वतंत्रता संग्राम में बिरसा मुंडा के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता : नीलकंठ

भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते विधायक निलकंठ सिंह मुंडा।

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। स्वतंत्रता आंदोलन के महानायक, विदेशी आक्रमण कारियों के खिलाफ आदिवासी समाज में नवचेतना के सूत्रधार, धर्मयोद्धा, धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के शहादत दिवस पर शुक्रवार को खूंटी विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ उनकी कर्मस्थली और शहीद स्थल डोंबरी बुरू पहुंचे और भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। विधायक ने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में धरती आबा के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि बहुत कम उम्र होने के बावजूद बिरसा मुंडा में नेतृत्व की अद्भुत प्रतिभा थी। आदिवासियों को अपने हक और अधिकार के लिए बिरसा मुंडा ने आदिवासी समाज को न सिर्फ संगठित किया, बल्कि अपनी संस्कृति और जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए उन्हें जागृत किया। मौके पर विधायक प्रतिनिधि काशीनाथ महतो, बिनोद नाग, रुपेश जायसवाल, मदन गोप, राजेश महतो, राजेश नाग, लोदरो भगत, चेपा मुंडा आदि मौजूद थे।

पुण्यतिथि पर याद किये गये धरती आबा बिरसा मुंडा, उलिहातू में डीसी सहित अन्य ने दी श्रद्धांजलि

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के शहादत दिवस पर उनकी जन्मस्थली उलिहातू में शुक्रवार को डीसी शशि रंजन ने स्वतंत्रता आंदोलन के इस महानायक को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। आजादी की जंग के जाबांज सिपाही, नवचेतना के सूत्रधार, धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित करने के बाद डीसी ने क्षेत्र भ्रमण कर उलिहातू के विकास को लेकर किए जाने वाले कार्यों और एक्शन प्लान को लेकर अधिकारियों को कई निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उलिहातू के विकास को लेकर कार्य योजना के आधार पर चरणबद्ध कार्य होंगे। उलीहातु के विकास को लेकर आवश्यक घटकों पर विशेष रूप से कार्य किए जायेंगे, इनमें स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, सिंचाई, पेयजल, बिजली, रोड कनेक्टिविटी, आंगनबाड़ी केंद्र व पर्यटन विकास शामिल है। डीसी ने सभी व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने का भी निर्देश दिया। साथ ही प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को क्रियाशील करने और लोगों को स्थानीय स्तर पर सुगमता से स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने का निर्देश दिया। चिकित्सकों एवं कर्मियों की प्रतिनियुक्ति करते हुए स्वास्थ्य केंद्र को क्रियाशील बनाने और संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने बीडीओ को निर्देश दिया कि क्षेत्र के विकास को लेकर विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों का उचित संचालन करें। बिजली की समस्याओं का समय पर निष्पादन करने का भी निर्देश दिया। साथ ही पेयजल व्यवस्था को लेकर मल्टी विलेज पाइप वाटर सप्लाई स्कीम के संचालन का निर्देश दिया। डीसी ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली उलिहातू आकर लोग गर्व महसूस करते हैं कि हम भगवान बिरसा मुंडा की भूमि पर आये हैं, जिन्होंने अपने अदम्य साहस एवं चमत्कारी नेतृत्व क्षमता से अपनी अमर गाथा लिखी। वे एक ऐसे स्वतंत्रता सेनानी थे, जिन्होंने आम आदमी की पहचान से ऊपर उठकर भगवान का सम्मान प्राप्त किया। इस मौके पर डीसी के अलावा कई अन्य लोगों ने भी भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

धरती आबा भगवान बिरसा मुडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन करते डीसी।

किसान क्रांतिकारी कमेटी के नाम पर लेवी मांगने का आरोप, दो गिरफ्तार

एक अन्य आरोपित फरार, उसकी तलाश में जुटी पुलिस

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। किसान क्रांतिकारी कमेटी के नाम पर तालाब निर्माण में लगे पोकलेन चालक से लेवी मांगने के आरोप में दो युवकों को जरियागढ़ पुलिस ने शुक्रवार को गिरफ्तार किया है। उनकी पहचान विनय आईंद (35) और सुनील आईंद उर्फ रखताल (33) के रूप में हुई है। इस बाबत तोरपा के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ओम प्रकाश तिवारी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि गत तीन जून को जरियागढ़ थाना के उड़िकेल गांव के पास तालाब निर्माण में लगे पोकलेन के चालक से तीन अपराधियों ने किसान क्रांतिकारी कमेटी के नाम पर पर्चा देकर लेवी की मांग की थी। इसके बाद उसने थाने में मामला दर्ज कराया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अमन कुमार ने अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए टीम का गठन किया। जिसने सिमटिमड़ा गांव में छापामारी कर विनय और सुनील को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपितों ने पुलिस के समक्ष रंगदारी मांगने की बात स्वीकार कर लिया है। उन लोगों ने बताया कि उनके साथ एक और व्यक्ति था। फिलहाल वह फरार चल रहा है। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए प्रयासरत है। छापामारी टीम में जरियागढ़ के थाना प्रभारी पंकज कुमार, एसआई राकेश कुमार मंडल और सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

महत्वपूर्ण न्यूज

विभिन्न सामाजिक संगठनों, राजनैतिक एवं पंचायत प्रतिनिधियों ने की बैठक

खलारी (आजाद सिपाही)। द खलारी सिमेंट वर्कर्स यूनियन कार्यालय में शुक्रवार को ट्रक ऑनर एसोसिएशन के विभिन्न सामाजिक, राजनैतिक संगठन, पंचायत प्रतिनिधिगण और खलारी सिमेंट कॉलोनी के आसपास के ग्रामीणों एवं सेवानिवृत कर्मचारियों के आश्रितों की बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता झारखंड प्रदेश कांग्रेस लेबर सेल महासचिव राजन सिंह राजा ने की। बैठक में भागवान बिरसा मुंडा की शहादत पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गयी। इस अवसर पर राजन सिंह राजा ने कहा कि जहां एक ओर फैक्ट्री प्रबंधन सिमेंट उत्पादन को पूरी तरह से बंद कर रखा है, दूसरी ओर फैक्ट्री परिसर में अवैध रूप से कोयला का कारोबार एवं कोयले में चारकोल का मिक्सींग एवं खरीद-बिक्री कर रहा है। सेवावृित कर्मचारियों का लाखों रुपये पीएफ एवं ग्रेज्युटी का पैसा अपने पास रखा है।कहा कि ट्रक ऑर एसोसिएशन और ग्रामीण प्रतिनिधि जो रोजगार के लिए व्यवस्था बनाए है प्रबंधन उसे भी षड़यंत्र कर रोजगार व्यवस्था को बंद करना चाह रही है, जो निंदनीय और सामाजिक अपराध है। इसे हमलोग कभी सहन नहीं करेंगे। इस दौरान बैठक में उपस्थित लोगों ने सर्वसम्मति से फैक्ट्री प्रबंधन की निंदा की। कहा कि जो हमारे अधिकार एवं सम्मान के साथ खिलवाड़ करेगा उसका हर तरह से विरोध किया जाएगा। बैठक के माध्यम से खलारी डीएसपी अनिमेष नैथानी एवं खलारी इंस्पेक्टर फरीद आलम से मांग की गई कि त्वरित कार्रवाई करते हुए खलारी सिमेंट फैक्ट्री प्रबंधन द्वारा किए जा रहे सभी प्रकार के गैर कानूनी कार्यो को रोका जाए और फैक्ट्री प्रबंधन पर कठोर कानूनी कार्रवाई किया जाए। इस मौके पर इम्तियाज अंसारी, सूरज प्रधान मुंडा, सिमेंट वकर्स यूनियन के कार्यकारी अध्यक्ष रंजन सिंह बिट्टू, राजेश सिंह मिंटू, साबीर अंसारी, शशि सिंह बजरंग दल अध्यक्ष, शिवचरण थापा, श्याम लोहरा, बुकबुका के मुखिया पारसनाथ उरांव, पंचायत समिति धीरज बहादुर, बजरंग दल जिला संयोजक विनोद विश्वकर्मा, भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष अंशु सिंह, भाजपा नेता रंजीत सिंह, विक्की सिंह, नारद राम, श्रीकांत शर्मा, कांग्रेस मंडल अध्यक्ष गोपाल सिंह, बीजू रजक, संयोजक डॉ अंबेडकर विचार मंच के रविंद्रनाथ, पुष्पेंद्र सिंह, रमेश चौहान, बाबू खान, प्रकाश कुजूर आदि उपस्थित थे।

शहादत दिवस पर विभिन्न राजनीतिक दलों ने भगवान बिरसा मुंडा को किया याद

बुंडू (आजाद सिपाही)। भगवान विरसा मुंडा के शहादत दिवस पर विभिन्न राजनीतिक दलों की ओर से बुंडू के धुर्वा मोड़ में स्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर धरती आबा को नमन किया। इस अवसर पर आजसू नेताओं ने कहा कि वीर बिरसा मुंडा ने जल-जंगल-जमीन की लड़ाई की थी, लेकिन आज वहीं जल-जंगल-जमीन खतरे में है। इस मौके पर संजय महतो, परमेश्वरी शांडिल राम, दुर्लभ सिंह मुंडा, राजकिशोर कुशवाहा, दिलीप साहू, ताराचंद सिंह मुंडा, हरिहर महतो, संतोष महतो, शुभम कुमार, सिद्धार्थ मुंडा, आकाश महतो रवि महतो, सनातन महतो और रंजन महतो आदि उपस्थित थे।

तमाड़ में भगवान बिरसा मुंडा को किया गया याद

तमाड़ (आजाद सिपाही)। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के शहादत दिवस पर शुक्रवार को तमाड़ के डोड़ेया मोड़ स्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके सपनों को पूरा करने का संकल्प लिया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी बिरसा मुंडा स्मारक समिति के अध्यक्ष राजेश रुंडा की ओर से किया गया था। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता आजसू के पूर्व केंद्रीय अध्यक्ष ललित महतो ने भगवान बिरसा मुंडा की जीवनी पर प्रकाश डाला और उनके दिखाए गए राह पर चलते हुए उनके सपनों को पूरा करने के संकल्प को दोहराया। वहीं, मुखिया हरीश मुंडा ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की।

मैकलुस्कीगंज में बिरसा मुंडा को दी गयी श्रद्धांजलि

मैकलुस्कीगंज (आजाद सिपाही)। रैयत विस्थापित मोर्चा नाबाडीह शाखा की ओर से हेसालोंग गंझू टोला में भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि मनाई गई। उपस्थित लोगों ने बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया। इस मौके पर शिवनारायण लोहरा, हेमलाल गंझू, रामधारी गंझू, मदन प्रसाद, जगेश्वर प्रसाद, रविंद्र कुमार, तुलसी गंझू, मुकेश गंझू, प्रवीण कुमार, पंकज कुमार, हर्ष कुमार, लकी कुमार, रितिक कुमार, अभय कुमार, प्रीतम गंझू, अनुराग गंझू, राज गंझू, अर्पण कुमार, निशांत कुमार, विकी गंझू, सुरेश गंझू, विशाल प्रसाद, कृष्णा साहू, विष्णु गंझू, श्रवण गंझू, दशरथ गंझू आदि मौजूद थे।

रैयत विस्थापित मोर्चा ने प्रबंधन को लिखा पत्र, नियमित पानी छिड़काव की हुई मांग

पिपरवार (आजाद सिपाही)। रैयत विस्थापित मोर्चा के केंद्रीय सदस्य इदरीश अंसारी ने स्थानीय सीसीएल पिपरवार प्रबंधन को पत्र लिखकर क्षेत्र के सभी ट्रांसपोर्ट सड़कों और ग्रामीण इलाकों की सड़कों पर नियमित पानी छिड़काव कराने की मांग की है। पत्र के माध्यम से उन्होंने बताया कि क्षेत्र के बेंती, न्यू मंगरदाहा, किचटो, चिरैयांटांड़, बहेरा, राजधर, कल्याणपूर सहित सभी कांटा घरों और ट्रांसपोर्टिंग सड़कों के समीप धूल गर्द से लोग परेशान हैं। अशोक परियोजना के समीप 6 नंबर कांटा से लेकर पायलट माइंस तक एक फिट डस्ट का परत जमा हुआ है। न्यू मंगरदाहा कब्रिस्तान से लेकर सीएचपी/सीपीपी तक कोल वाहन के कारण लोग परेशान हैं।

आदिवासियों के लिए हमेशा प्रेरणास्रोत बने रहेंगे भगवान बिरसा मुंडा: लक्ष्मण सिंह मुंडा

आजाद सिपाही संवाददाता

तमाड़। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के शहादत दिवस पर शुक्रवार को तमाड़ प्रखंड आदिवासी सरना समाज एवं विभिन्न सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने भगवान बिरसा मुंडा की मूर्ति पर माल्यार्पण करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित कर नमन किया। प्रखंड के विजय आदिवासी, बड़वा मोड़ एवं डोड़ेया मोड़ में स्थित भगवान बिरसा मुंडा की मूर्ति पर लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उपस्थित तमाड़ सांसद प्रतिनिधि लक्ष्मण सिंह मुंडा ने कहा कि बहुत ही कम उम्र जंगल झाड़ियों और पहाड़ पर्वतों के बीच रहने वाले बिरसा मुंडा अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ लड़ाई लड़ी और जल जंगल और जमीन के साथ ही अबुआ दिसुम अबुआ राज का नारा लगाते हुए शहीद हुए। वीर बिरसा मुंडा का वह बुलंद आवाज सदा हमें प्रेरणा देता रहेगा। इस मौके पर ग्राम प्रधान यदुगोपाल मुंडा, ग्राम प्रधान विजय सिंह मुंडा, सामाजिक कार्यकर्ता सीताराम मुंडा, संतोष मुण्डा, मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा, समिति के शिशुपाल पातर, गोविंद सिंह मुंडा, रामधन मुंडा, हरि सिंह मुंडा, मदन सिंह मुंडा, महेंद्र सिंह मुंडा, अमर मुंडा, आदिवासी सरना समाज के उदर कांत मुंडा, ललिन मुंडा, राम साय मुंडा, सुभाष चंद्र मुंडा, बागराय मुंडा, शंभु लोहरा, रामा महतो, शिवचरण गोप, सुफल उरांव, बुधनाथ उरांव, अमरजीत गोंझु, शिवराम मुंडा, कैलाश मुंडा, पूर्ण मुंडा आदि शामिल थे।

तोरपा में भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि देकर किया गया नमन

खूंटी (आजाद सिपाही)। जल, जंगल और जमीन के अधिकारों की रक्षा करनेवाले और आदिवासी अधिकारों के लिए क्रांति का नेतृत्व करनेवाले भगवान बिरसा मुंडा के शहादत दिवस पर तोरपा प्रखंड के प्रमुख रोहित सुरीन और उप प्रमुख संतोषकर सहित कई लोगों ने तोरपा के एनएचपीसी गेट के सामने स्थित प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की। मौके ग्राम प्रधान संघ के अध्यक्ष प्रेम प्रकाश तोपनो रफेल तोपनो, लेतारे तोपनो, दाऊद, मार्टिन सामुएल, सलमान जयदीप, मरकस सहित तोरपा प्रखण्ड क्षेत्र के ग्रामीणों ने भी उन्हें श्रद्धांजलि दी।

नावाडीह गांव पहुंचे पूर्व शिक्षा मंत्री बंधु तिर्की

सिल्ली (आजाद सिपाही)। आड़ाल नवाडीह गांव में लोहरा जाती के छूआछूत एवं कुंआ से पानी लेने के मामला को लेकर उपजे विवाद की खबर पाकर पूर्व शिक्षा मंत्री सह झारखंड कांग्रेस के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष अध्यक्ष बंधु तिर्की शुक्रवार को नावाडीह गांव पहुंचे। गांव में इस तरह के भेदभाव ना हो इस पर ग्रामीणों के साथ वार्ता की। कहा कि भारतीय जनमानस के सामाजिक समरसता एवं सामंजस्य को बचाना है तो सभी धर्मों में व्याप्त जातिवाद को समाप्त करते हुए सामाजिक न्याय को पूरी तरह स्थापित करना ही एक मात्र विकल्प है। साथ ही घटना की विस्तृत जानकारी लेते हुए रांची डीसी और सिल्ली बीडीओ से समस्या का जल्द से जल्द समाधान करने का निर्देश दिया। वहीं, कांग्रेस के प्रदेश अनुसूचित जाति के अध्यक्ष केदार पासवान ने कहा कि देश विश्व की महाशक्ति बनने का सपना देख रहा और समाज अभी भी अपनी सोच नहीं बदल पा रहा। समाज के वे लोग जो अभी भी छुआछूत की गुलामी से घिरे हैं। उन्हें उपर उठना होगा। इस दौरान पीड़ित परिवारों के बीच धोती साड़ी का वितरण किया गया। मौके पर सिल्ली विधानसभा युवा अध्यक्ष विकाश रजक, रोहित सिंह मुंडा, श्रीप्रसाद बड़ाइक, राजीव रंजन, रामु रजक, समीर हजाम, पारस पातर मुंडा, रामु मोदक आदि उपस्थित थे।

जयराम महतो ने समर्थकों के साथ की बैठक

ईचागढ (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र अंतर्गत झिमड़ी हाट तोला में झारखंडी भाषा खातियानी संघर्ष समिति ओर से झारखंड स्टेट स्टूडेंड्स यूनियन के बैनर तले बैठक की गयी। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि टाइगर जयराम महतो उपस्थित हुए। उन्होंने 60/40 नियोजन निति के विरोध में शनिवार और रविवार को पूरा झारखंड बंद को सफल बनाने की अपील की। साथ ही शुक्रवार को सभी चौक-चौराहों पर मशाल जुलुस निकाल कर बंद को सफल बनाने का आह्वान किया। बैठक से पहले जयराम महतो ने शहीद निर्मल महतो की मूर्ति पर माला पहना कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर फूलचंद महतो, शशिभूषण महतो, गोपेश कुमार महतो, अंबिका प्रसाद महतो, त्रिलोचन महतो, निमाई महतो, बंशी महतो, मनोज कुमार महतो और आलू महतो आदि उपस्थित थे।

झारखंड स्टेट स्टूडेंट यूनियन ने निकाला मशाल जुलूस

राहे (आजाद सिपाही)। 60/40 नीति के विरोध में झारखंड स्टेट स्टूडेंट यूनियन के बैनर शुक्रवार की शाम राहे में मशाल जुलूस निकाला गया। इस दौरान शनिवार और रविवार को आहूत झारखंड बंद को सफल बनाने का आह्वान किया गया। झारखंड स्टेट स्टूडेंट्स यूनियन के सदस्यों ने राहे भगत सिंह चौक से सुभाष चौक तक मशाल जुलूस निकालकर लोगों से 60/40 नीति के विरोध में झारखंड बंद रखने की अपील की। मौके पर सुधीर महतो, कामेश्वर महतो, निरंजन महतो, मनोज महतो, संजय महतो और अशोक महतो आदि मौजूद थे।

कुष्ठ रोग कोई लाइलाज बीमारी नहीं, इसे 6-12 महीने के नियमित इलाज से ठीक किया जा सकता है : डॉ वीरेंद्र

कुष्ठ के प्रति व्याप्त अंधविश्वास को दूर करना जरूरी : डीसी

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। डीसी शशि रंजन की अध्यक्षता में शुक्रवार को राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के तहत कुष्ठ रोग खोज अभियान के संचालन को लेकर जिला समन्वय समिति की बैठक की गई। जिसमें डीसी ने विभिन्न माध्यमों से कुष्ठ रोग से बचाव और रोकथाम से संबंधित संदेशों के प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए। कहा कि समाज में फैले कुष्ठ रोग के प्रति भ्रांतियों के बारे में भी आमजनों को जागरूक किया जाना चाहिए। कुष्ठ रोग से संबंधित अंधविश्वास को खत्म करने के लिए गांव-गांव में अभियान को सफल बनाया जाए। उन्होंने कहा कि कुष्ठ रोग के कारण, लक्षण, इसका प्रभाव व बचाव आदि के संबंध में लोगों को विस्तृत जानकारी दी जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि स्वास्थ्य कार्यकर्ता व सहिया घर-घर जाकर कुष्ठ के मरीजों की खोज करें, ताकि जल्द से जल्द रोगी की पहचान हो सके और समय पर उनका इलाज किया जा सके। वहीं, सिविल सर्जन डॉ अजीत खलखो ने कहा कि कुष्ठ रोग खोज अभियान के तहत 15 से 28 जून 2023 तक सर्वे टीम द्वारा घर-घर जाकर कुष्ठ रोगी की खोज की जाएगी। इस कार्यक्रम के तहत लोगों को कुष्ठ रोग संबंधी जानकारी उपलब्ध कराते हुए उन्हें जागरूक किया जाएगा। कुष्ठ रोग खोज अभियान के सफल संचालन के लिए जिले में 739 सर्वे टीम हैं और 126 पर्यवेक्षक इसमें लगाये गए हैं। इस दौरान जिला कुष्ठ पदाधिकारी डॉ वीरेंद्र समीर कुजूर ने बताया कि कुष्ठ रोग कोई लाइलाज बीमारी नहीं है, बल्कि छह से 12 महीने के नियमित इलाज से कुष्ठ रोग को पूरी तरह से ठीक किया जा सकता है। आज भी समाज में कुष्ठ रोग को लेकर अनेक तरह की शंकाएं है, जबकि यह एक तरह की बीमारी है जो समय और सही इलाज से पूरी तरह से ठीक हो सकती है। बैठक में एसीएमओ रजनी नीलम टोप्पो, प्रखण्ड के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी सहित अन्य उपस्थित थे।

पदाअधिकारियों के साथ बैठक करते डीसी शशि रंजन।

अखिल भारतीय सरना समाज का वार्षिक सम्मेलन संपन्न

भगवान बिरसा मुंडा की आहूति लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत : अर्जुन मुंडा

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। अखिल भारतीय सरना समाज के तत्वावधान में शुक्रवार को बिरसा कॉलेज के बहुउद्देशीय भवन में भगवान बिरसा मुंडा के शहादत दिवस सह अखिल भारतीय सरना समाज खूंटी के वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। भीम सिंह मुंडा की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम के प्रारंभ में अमर शहीद बिरसा मुंडा की स्मृति में विधिवत पूजा-अर्चना कर उन्हें नमन किया गया। इस दौरान समाज के कई प्रबुद्ध लोगों ने बिरसा मुंडा की जीवनी पर प्रकाश डाला। द्वितीय सत्र में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री जनजातीय मामलों के सह खूंटी सांसद अर्जुन मुंडा, विशिष्ट अतिथि समाज के संरक्षक पूर्व

भगवान बिरसा मुंडा शहादत दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा।

सांसद कड़िया मुंडा, डॉ सत्यनारायण मुंडा, सोमा मुंडा, बोध सिंह मुंडा, प्रेमानंद सिंह मुंडा आदि ने सरना समाज की वर्तमान सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक एवं आर्थिक मुद्दों के साथ ही भावी रणनीतिक कार्यक्रमों पर विचार व्यक्त किए। अर्जुन मुंडा ने कहा कि सामाजिक सरोकारों के बारे में लगातार कार्य करने वाले अखिल भारतीय सरना समाज के इस कार्यक्रम में जिस प्रकार से समाज के प्रबुद्ध लोगों ने वन एवं वन का प्रबंधन, वनाधिकार कानून के साथ ही अपनी भाषा, संस्कृति, परंपराओं, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि विषय पर चर्चा किया, यह सराहनीय है। उन्होंने कहा कि ऐसी चर्चाओं से समाज में रचनात्मक ऊर्जा का सृजन होता है। इस तरह की चर्चा से समाज को बहुत ताकत मिलती है। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा के आहूति को प्रेरणा के रूप में लेते हुए आगे कैसे बढ़ा जाए यह संकल्प लेना चाहिए। इससे पूर्व प्रदान संस्था द्वारा प्रोजेक्टर के माध्यम से वनाधिकार कानून की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का संचालन समाज के सचिव लीलू पहान एवं संजय मुंडा ने संयुक्त रूप से किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन नौरी पूर्ति ने किया। कार्यक्रम में मुनी महादेव मुंडा, सोमा हस्सा पूर्ति, सुदर्शन भोगता, खूंटी प्रमुख छोट राय मुंडा, मुखिया भदवा उरांव, बंधना उरांव, मागो मुंडा, परता मुंडा, बुंदीराम सिंह मुंडा, सुरेन्द्र सिंह मुंडा, दामु मुंडा, मानसिंह बोदरा, घोटराय मुंडा, बसमती देवी, रूकमिला सारु कीतनी बारला सहित समाज के अन्य प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में बिरसाइत धर्मावलंबी उपस्थित थे।

भगवान बिरसा मुंडा के सपनों को करना होगा साकार : आदित्य साहू

भगवान बिरसा मुंडा की शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित कर किया गया नमन

आजाद सिपाही संवाददाता

अनगड़ा। प्रखंड में शुक्रवार को धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा का शहादत दिवस मनाया गया। इस दौरान भाजपा, आजसू, कांग्रेस के अलावा कई अन्य राजनीतिक दल के नेताओं एवं सामाजिक संगठनों ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद आदित्य प्रसाद साहू, पूर्व विधायक रामकुमार पहान, रामकृष्ण चौधरी, डॉ रिझु नायक, नरेश साहू, रामनाथ महतो, दुर्गा पहान, सिकंदर अंसारी, जयशंकर मुण्डा, सोहन मुण्डा, शिबु मुण्डा, संज्योति देवी, हिमांशु शेखर चौधरी, सुरेश महतो, सुप्रेश महतो, पुशनाथ मुण्डा, जगेश्वर महतो, विजय महतो, आजसू के रोशनलाल मुण्डा, पारसनाथ उरांव, विरेन्द्र सिंह भोगता, जलनाथ चौधरी, धर्मेंद्र सिंह आदि ने बिरसा पार्क में भगवान बिरसा मुण्डा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा-सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर सांसद आदित्य प्रसाद साहू ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने अपने अल्प जीवनकाल में अंग्रेजों के खिलाफ जो आंदोलन का बिगुल फूंका और अंग्रेजों के दांत खटे कर दिए यह सभी के लिए हमेशा प्रेरणाश्रोत रहेंगे। उनके सपनों को साकार करना होगा। वहीं, पूर्व विधायक रामकुमार पहान ने कहा कि बिरसा मुण्डा ने अबुआ दिशुम अबुआ राज के लिए अपने प्राणों की आहूति दे दी थी। अब हम सभी युवा पीढ़ी को मिलकर उनके सपने को साकार करने की आवश्यकता है। इस मौके पर कांग्रेस, झामुमो आदि दलों के नेताओं व कार्यकर्ताओं ने भी भगवान बिरसा मुण्डा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया।

महत्वपूर्ण न्यूज

नामकुम में हुए लूटकांड में शामिल आरोपी को पुलिस ने ओड़िशा से किया गिरफ्तार

नामकुम (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के टाटा रोड स्थित एसबीआई बैंक के पास से विगत नौ जनवरी को पांच लाख रुपये की लूट की घटना हुई थी। एसएसपी किशोर कौशल के निर्देश पर पुलिस ने इस लूट की घटना में शामिल अनिल को ओड़िशा के गंजम से गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ की जा रही है। बताया जा रहा है कि आरोपी के पास से लूट के सिर्फ दो लाख रुपये ही बरामद किये गये है। ज्ञात है कि नौ जनवरी को टाटा रोड नामकुम चौक स्थित स्टेट बैंक के सामने से बाइक सवार अपराधियों ने एक महिला से पांच लाख रुपये लूटकर फरार हो गये थे। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुटी हुई थी। पांच महीने के बाद पुलिस ने टेक्निकल टीम की मदद से लूट कांड के एक अपराधी अनिल को उड़ीसा के गंजम से गिरफ्तार किया है।

बेड़ो में रात्रि पाठशाला की शुरुआत, बच्चों के बीच बांटी गयी पेन, पैंसिल और कॉपी

बेड़ो (आजाद सिपाही)। प्रखंड के दिघिया पंचायत के टेंगरिया गांव में मुखिया प्रबला केर-केट्टा की पहल से समाज सेवी सह मुखिया प्रतिनिधि अजित तिर्की ने गुरुवार से रात्रि पाठशाला की शुरूआत की। जिसमें एक से पांच तक के बच्चों को आशा तिर्की व कुलदीप टोप्पो एवं छह से 8वीं कक्षा के बच्चों को शेखर तिर्की व पात्रिक तिर्की शिक्षा देंगे। सभी का चयन गांव वालों ने किया है। टेंगरिया गांव के पंचायत भवन में रात्रि पाठशाला की शुरूआत की गई है। समाज सेवी अजित तिर्की ने कहा इसमें चिह्नित बच्चों के माता-पिता को शिक्षा का महत्व बताया गया। कक्षाओं के विधिवत रूप से संचालन की पूरी जानकारी दी गई। इस बीच बच्चों को पेन, पेंसिल, कॉपी सहित अन्य जरूरी शिक्षण सामग्री वितरित की गई। मौके पर कुंजू पहान, सुमन तिर्की,गंगा मुनि तिर्की,रोशन तिर्की,विशाल तिर्की,आकाश तिर्की,शिबू तिर्की,बिरसा तिर्की,सुखदेव मिंज,बंधनु कुजुर,कमल तिर्की, राहुल तिर्की व चंदन तिर्की आदि थे।

कलीसिया के 173वें स्थापना दिवस का आयोजन

इटकी (आजाद सिपाही)। प्रखंड के रानी खटंगा गांव में शुक्रवार को दो स्थानों पर कलीसिया के 173 वां स्थापना दिवस धार्मिक रीति-रिवाज के साथ मनाया गया। मौके पर विशेष आराधना सभा, सामुहिक भजन व होड़ नृत्य सहित अन्य कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। एनडब्ल्यू जीईएल चर्च की रानीखटंगा पेरिस द्वारा जुवेल लकड़ा मध्य विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन पेरिस के चेयरमैन रेव्ह निलोफर लकड़ा ने किया। आध्यात्मिक सभा को संबोधित करते हुए बिशप रेव्ह निस्तार कुजूर ने छोटानागपुर के प्रथम कलीसिया नवीन डोमन की जीवनी व कलीसिया के इतिहास पर प्रकाश डाला। बंदरचुआं, छत्तीसगढ़ के विशप रेव्ह ग्लैडसन मिंज, कंडिदत्त अनमोल बेक व अनमोल मिंज सहित अन्य ने भी अपने विचार प्रस्तुत किये। राजन किस्पोट्टा, अबार्नुस टोप्पो, प्रेम धर्मदास मित्र, याकूब मिंज व इलयास मिंज सहित अन्य शामिल थे। इधर चर्च के पादरीपन, रांची ए, बी व डिबडीह द्वारा उच्च विद्यालय प्रांगण में आयोजित प्रथम वयस्क बपतिस्मा दिवस कार्यक्रम में विशेष वक्ता डिप्टी मॉडरेटर रेव्ह डॉ जोसेफ सांगा के अलावा रेव्ह पुष्पा टेटे, संध्या एक्का व जॉय केर-केट्टा आदि ने कलीसिया के विस्तार व प्रभु सेवा की जानकारी दी।

इटकी में की गयी 325 लोगों के स्वास्थ्य की जांच

इटकी (आजाद सिपाही)। प्रखंड सभागार में शुक्रवार को यूनियन बैंक द्वारा आयोजित निःशुल्क मेघा स्वास्थ्य जांच शिविर में 325 लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गयी व आवश्यकता के अनुरूप दवा उपलब्ध कराया गया। शिविर में डॉ प्रियंका श्रीवास्तव व डॉ हिमांशु ने लोगों के स्वास्थ्य की जांच की। उद्घाटन बैंक के क्षेत्रीय वाणिज्य प्रबंधक रोबिन आई लकड़ा, सीओ रश्मि लकड़ा व शाखा प्रबंधक रोबाब नगमा ने संयुक्त रूप से किया।

फसलों को नुकसान पहुंचा रहा जंगली हाथियों का दल

सिल्ली (आजाद सिपाही)। सिल्ली के कई गांव में गुरुवार देर रात पांच जंगली हाथियों का झुंड पहुंच गया। ग्रामीणों के खेतों में लगे फसलों को भारी नुकसान पहुंचा रहे है। हाथियों का यह दल राम डेरा बड़की टांड़, जारु, लोटा आदि गांव तक पहुंच गया। वन विभाग के वंरक्षी गौतम बोस ने बताया कि 11 हाथियों का झुंड सोनाहातु क्षेत्र में है। सिल्ली में 5 हाथियों का झुंड है जो अभी नागेडीह से लगे जंगल में विचरण कर रहा है।

सदमा-चंद्रा पंचायत में मनायी गयी भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि

ओरमांझी (आजाद सिपाही)। ओरमांझी के सदमा व चंद्रा पंचायत में शुक्रवार को भगवान बिरसा मुंडा का शहादत दिवस मनाया गया। सदमा व चंद्रा पंचायत के सभी सम्मानित जनप्रतिनिधि, बुद्धिजीवी पुण्यतिथि पर शहीद वीर बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए नमन किये। सदमा मुखिया सुनील उरांव ने कहा कि महान आदिवासी नेता, क्रांतिवीर, स्वंतत्रता सेनानी 'धरती आबा' बिरसा मुंडा जी की शहादत को कभी भुलाना नहीं जा सकता है।

आदिवासी संस्कृति एवं अस्मिता की रक्षा, समाज सुधार और जोर-जुल्म के खिलाफ हक की आवाज को बुलंद करते हुए उन्होंने अपने प्राणों का बलिदान कर दिया जो हमें सदैव प्रेरित करता रहेगा। इस मौके पर जिला परिषद कमिश्नर मुंडा, सदमा मुखिया सुनिल उरांव, चंद्रा मुखिया सीमा तिर्की, 22 पड़हा कार्यकारिणी अध्यक्ष बाबूलाल महली, पूर्व मुखिया हरिलाल मुंडा, रमेश चंद्र उरांव, झिरगा पाहन, खुदन मुंडा, वरुण कुमार वार्ड सदस्य, रामकुमार मुंडा, लक्ष्मण मुंडा आदि मौजूद थे।

हेसल गांव में मन का मिलन पखवाड़ा विषय पर कार्यक्रम आयोजित, जागरूक किया गया

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। डालसा सचिव के मार्गदर्शन में प्रखंड के हेसल गांव में मध्यस्थता आधारित मन का मिलन पखवाड़ा विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विगत 29 मई से 14 जून तक चलने वाले मन का मिलन पखवाड़ा के तहत लोगों को अपने लंबित पुराने एवं नये मामलों तथा वाद पूर्व मामलों का निष्पादन आपसी सहमति के आधार पर मध्यस्थता के माध्यम से कराने के प्रति जागरूक किया गया। कहा गया कि मध्यस्थता से निकाला गया सामाधान विवाद को जड़ से समाप्त कर देता है। इससे धन और समय की बचत होती है और दोनों पक्षों को मानसिक तनाव से मुक्ति भी मिलती है।

इस अवसर पर उपस्थित एलएडीसी कविता खाटी एवं पीएलवी बेबी सिन्हा ने कहा कि मन का मिलन पखवाड़ा अभियान में अधिक से अधिक लोग उपस्थित होकर मामलों का निःशुल्क एवं त्वरित निष्पादन कराएं और मन की दूरी को मिटाएं। इस दौरान जमीन विवाद, घरेलू हिंसा, डायन प्रथा, बाल श्रम, बाल विवाह, मानव तस्करी, नशा, सड़क दुर्घटना, अनाथ बच्चों के स्पांसर सीप, दुष्कर्म आदि मामलों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई और मध्यस्थता के माध्यम से इसका त्वरित निष्पादन को लेकर बताया गया। मौके पर कई लोगों से आवेदन लिए गये। कार्यक्रम को सफल बनने में मुखिया कविता देवी, राजेन्द्र महतो, तारा मिंज, लता कुमारी, मुनी देवी, राजा आदि लोगों का सराहनीय योगदान रहा।

जनजाति समाज को बचाने के लिए भगवान बिरसा मुंडा के आदर्शों पर ही चलना होगा : हिंदुवा उरांव

पिस्कानगड़ी (आजाद सिपाही)। दलादिली धरती आबा चौक में जनजाति सुरक्षा मंच के तत्वधान में भगवान बिरसा मुंडा का शहादत दिवस मनाया गया। पूजा पाठ के साथ पाहन मुन्ना मुंडा की अगुवाई में कार्यक्रम का समापन हुआ। जनजाति सुरक्षा मंच के प्रांत संयोजक मेघा उरांव सहित मंच के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सन्नी उरांव ने संयुक्त से समूह को अपने धर्म संस्कृति जमीन की सुरक्षा के लिए आंदोलन को लेकर आगे आने का आह्वान किया। वहीं, जनजाति सुरक्षा मंच के जिला के प्रचार प्रसार मीडिया प्रभारी हिंन्दुवा उरांव ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा के आदर्शों पर चल

नगड़ी दल्लादिली में भगवान बिरसा मुंडा चित्र पर श्रद्धाजंलि देते मंच के सदस्य।

कर ही जनजाति समाज को बचाया जा सकता है। इस मौके पर नगडी प्रखंड के लिए जनजाति सुरक्षा मंच प्रखंड प्रांत टोली का गठन किया गया। मौके पर कार्यक्रम के संयोजक महेश मुण्डा, सावन, मुण्डा, विकाश उरांव, साजन मुण्डा, सोबरन देवी , विनिता मुण्डा, सोहन खलखो, रेशमी कुमारी आदि उपास्थित थे। इधर, बिरसा मुंडा फाउंडेशन ट्रस्ट के तत्वधान में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के शहादत दिवस पर नारो बाजार में शहादत जतरा का आयोजन किया गया। इसके पूर्व भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर विधि विधान से गांव के पाहन की अगुवाई में माल्यर्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित झामुमो के केंद्रीय सचिव नंदकिशोर मेहता, जोहार पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष कुशवाहा विजय कुमार सहित कई लोगों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये। वहीं, कार्यक्रम के सफल आयोजन में बांदे उरांव, केदार महतो, बंधन महतो, दानिएल एक्का, प्रेम सागर महतो, शिवशंकर महतो, राजेंद्र महतो, प्रो चम्पा उरांव, प्रभात तिर्की, प्रकाश तिर्की, कर्मा उरांव, बप्पी कच्छप, बुधराम उरांव, बलराम भगत, विजय तिर्की, बबलू तिर्की और सुदेश लकड़ा सहित समिति के लोगों की भूमिका सराहनीय रही।

सिलवे गांव में आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर का आयोजन

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। शालिनी अस्पताल एवं उषा मार्टिन फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को टाटीसिलवे के सिलवे गांव में आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में डॉ वैद्य संतोष मिश्रा ने इस चिकित्सा पद्धति से करीब 90 मरीजों का इलाज किया एवं सभी को आवश्यक परामर्श दिए। इस अवसर पर शालिनी अस्पताल के प्रबंधक राणा विकास ने बताया कि ये कार्यक्रम दर्द निवारक दवा मुक्त अभियान के तहत चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शालिनी अस्पताल की ओर से उषा मार्टिन फाउंडेशन के सहयोग से आगे भी यह अभियान अन्य गांवों में निरंतर चलाया जाएगा। साथ ही आयुर्वेदिक, एलोपैथिक के अलावा होम्योपैथ चिकित्सा शिविर का भी आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर उषा मार्टिन फाउंडेशन के सचिव डॉ मंयक मुरारी, समाजसेवी शैलेश मिश्रा, शिवजी सिंह एंड स्विफ्ट के रिजनल मैनेजर मनीष कुमार, बुद्धेश्वर महतो, धर्मेन्द्र कुमार, शालिनी अस्पताल के शिशिर कुमार भगत आदि मौजूद थे।

शिक्षक-शिक्षिकाओं ने विभिन्न मुद्दों को उठाया और समाधान की मांग की

गुरु गोष्ठी का आयोजन, पंखा नहीं रहने से नाराज शिक्षक-शिक्षिकाओं ने किया विरोध

आजाद सिपाही संवाददाता

लापुंग। लापुंग प्रखंड के प्रखंड संसाधन केंद्र के खेल भवन में संचालित शिक्षा विभाग के मुख्यालय में गुरुगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी लीलावती तिर्की ने किया। बैठक में भीषण गर्मी में बिजली-पानी जैसी मूलभूत असुविधा का मामला शिक्षकों ने उठाया। कहा कि लापुंग प्रखंड का प्रखंड संसाधन केंद्र में पंखा और पेयजल सहित शौचालय की सुविधा नहीं रहना गंभीर मामला है। वहीं, अजप्टा के अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह और सचिव मो जुबैर अंसारी ने कहा कि शिक्षा विभाग को

प्रखंड संसाधन केंद्र में बेहतर व्यवस्था बनाए रखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि संसाधन केंद्र नाम का है, जहां आवश्यक संसाधन का घोर अभाव है। बैठक के दौरान फील्ड मैंडेटरी यूडायस प्लस में 2021-22 और 2022-23 की छात्र संख्या में गैप का मामला बहुत ही गंभीर है, इसे सभी विद्यालयों को आवश्यक सुधार करने की जरूरत है। बीपीओ लीलावती तिर्की ने फील्ड मैंडेटरी सहित, शिशु गणना और वार्षिक परीक्षा फल सहित विभिन्न विषयों पर गहन चिंतन मंथन किया। कहा कि नए सत्र में एफएलएन पर विशेष फोकस करना है। गुरुगोष्ठी को प्रधानाध्यापक शशिकांत सिंह, विश्वनाथ लोहरा, राणा जितेंद्र, यू धनेश्वर राव, लेखापाल आदिल शाह हुसैन, बीआरपी बबलू महतो, सीआरपी सुनील गुप्ता आदि ने अपनी बातें रखी।

संयुक्त मोर्चा सम्मेलन की तैयारी को लेकर बैठक

नामकुम (आजाद सिपाही)। नामकुम बाजार स्थित सांसद समाधान केंद्र में शुक्रवार को खिजरी मंडल अध्यक्ष अशोक मुंडा की अध्यक्षता में 14 जून को खिजरी विधानसभा संयुक्त मोर्चा सम्मेलन की तैयारी को लेकर सातों मोर्चा की बैठक खिजरी विधानसभा संयोजक कामेश्वर सिंह और बैठक प्रभारी ठानो मुंडा की उपस्थिति में की गयी। उन्होंने संयुक्त रूप से कहा कि आगामी 14 जून को संयुक्त मोर्चा सम्मेलन को सफल बनाना है। मोर्चा के अध्यक्ष अपनी पूरी टीम को लेकर आयेंगे। खिजरी विधानसभा का यह संयुक्त सम्मेलन ऐतिहासिक होगा। बैठक में जिला मंत्री शशि उरांव, एसटी मोर्चा रमेश लकड़ा, गोरखनाथ सिंह, समीर राय, तुलसी गोप, हरीश गंझु, धनसिंह मुंडा, निर्मला सिंह, पुष्पा चौधरी, करमु मुंडा, दिलीप साहू, विजय नायक, अनिरुद्ध पांडे, शंकर सिंह मुंडा आदि उपस्थित थे।

पीएम किसान सम्मान निधि, केवाइसी और केसीसी ऋण को लेकर शिविर का आयोजन

लापुंग (आजाद सिपाही)। दोलैचा पंचायत सचिवालय में शुक्रवार को किसान मित्रों की ओर से एक दिवसीय शिविर लगाया गया जिसमें पीएम किसान सम्मान निधि, केसीसी ऋण माफी, नया केसीसी लोन को लेकर किसानों का फॉर्म भरवाया गया। लापुंग प्रखंड में किसानों के आय वृद्धि करने के लिए केसीसी व ऋण का केवाईसी के लिए विशेष कैंप लगाया गया, जिसके बाद दोलैचा पंचायत में सत प्रतिशत ई केवाईसी कराया गया। साथ ही विभिन्न पहलुओं पर जानकारी देते हुए एकदिवसीय सुविधा उपलब्ध कराई गई। इस मौके पर मुखिया मालती रानी, केरकेट्टा विधायक प्रतिनिधि सह किसान मित्र जन्मेजय पाठक, किसान मित्र अजय साहु, किसान मित्र, गनेश साहु, प्रज्ञा केंद्र संचालक सचिन जयसवाल, लक्षण साहु, चरकु भगत, गंदुर उरांव, कृष्णा गोप आदि उपस्थित थे।

मिलन चौक में निकाला गया मसाल जुलूस

ईचागढ़ (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के मिलन चौक में झारखंडी भाषा खातियानी संघर्ष समिति ओर से झारखंड स्टेट स्टूडेंट्स यूनियन के तत्वाधान में पूरे झारखंड में कल ओर परसों को झारखंड बंद का आह्वान किया गया। झारखंड सरकार की गलत नीतियों, 60/40 नियोजन नीति, स्थानीय नीति आदि के खिलाफ जम कर नारेबाजी कर मसाल जुलूस निकाला गया और शनिवार व रविवार को बंदी में सहयोग की अपील की गयी।

आदिम जनजाति के लोगों से अपने बच्चों को शिक्षा देकर समाज को शिक्षित बनाने की अपील की

आदिम जनजाति का विकास किये बिना राज्य का विकास नहीं होगा : राज्यपाल

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने पलामू जिले के रामगढ़ प्रखंड अंतर्गत नावाडीह पंचायत भवन में सुरंगाही टोला के ग्रामीणों के साथ संवाद किया। कहा कि जब तक आदिम जनजाति का विकास नहीं होगा, राज्य का विकास नहीं होगा। केंद्र एवं राज्य सरकार की ओर से आप सबके के उत्थान के लिए कई योजनाएं चलाई जा र ही है। आप सभी को इन योजनाओं का लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पलामू प्रमंडल आने से पूर्व स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता सचिव और उच्च एवं तकनीकी शिक्षा सचिव के साथ समीक्षा की थी। विद्यालय में शिक्षकों एवं अस्पताल में चिकित्सों की कमी व अनुपस्थिति पर संज्ञान लेते हुए उन्होंने कहा कि राज्य के सभी विद्यालयों में बायोमेट्रिक उपस्थिति के साथ अस्पताल में चिकित्सों व चिकित्साकर्मियों की भी

स्वंय सहायता समूह की महिलाओं को चेक प्रदान करते राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन।

बायोमेट्रिक प्रणाली से उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि कार्य न करने पर वेतन नहीं मिले। उन्होंने कहा कि यहां प्राथमिक अस्पताल के निर्माण के लिए प्रयास किया जायेगा। राज्यपाल ने स्वयं सेवा सहायता समूह की महिलाओं को प्रोत्साहित किया। उन्होंने शिक्षकों के संदर्भ में भी ध्यान आकृष्ट कराते हुए कहा कि राज्य में शिक्षकों की नियुक्ति की जा रही है। अब यहां शिक्षकों की समस्या नहीं होगी। जल की समस्या के संदर्भ में ध्यान आकृष्ट कराने पर राज्यपाल ने कहा कि उनकी ओर से आज ही सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ चेकडैम के निर्माण व वर्षा जल संचयन के लिए अधिकारियों को निर्देश दिया गया है। राज्यपाल ने पलामू में लिफ्ट एरिगेशन के तहत कार्य करने की बात कही। साथ ही सभी को जागरूक रहने और नशापान से दूर रहने की अपील की। उन्होंने सभी से अपने बच्चों को शिक्षित करने का आग्राह किया। कहा कि यहां किसी प्रकार की अवैधानिक कार्य नहीं होने दिया जायेगा। आप सभी को आपका यथोचित हक प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि मन में विश्वास हो तो सफलता प्राप्त होगी। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आज भारत ब्रिटेन को पीछे करते हुए विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। समग्र विकास लोगों के लिए आवश्यक है। माताओं-बहनों को मुख्त में गैस कनेक्शन दिया जा रहा है। उक्त अवसर पर राज्यपाल द्वारा आदिम जनजाति पेंशन योजना, विधवा पेंशन योजना की स्वीकृति पत्र लाभुकों को प्रदान किया। साथ ही बिरसा आवास योजना, बिरसा हरित ग्राम योजना, दीदी बाड़ी योजना, सावित्रीबाई फुले योजना एवं अन्य योजनाओं का लाभ लाभुकों को दिया गया। मनरेगा के तहत नए लाभुकों को जॉब कार्ड प्रदान किए गए। वहीं लाभुकों के मध्य विभिन्न योजनान्तर्गत परिसंपत्तियों का भी वितरण किया गया। राज्यपाल ने नावाडीह पंचायत भवन परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। दूसरी ओर, पलामू डीसी आंजनेयुलू दोड्डे ने सभी का स्वागत करते हुए नावाडीह पंचायत के सुरंगाही टोला एवं रामगढ़ प्रखंड की आदिम जनजातियों की बसावट के बारे में ब्योरा प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डीडीसी रवि आनंद ने किया। इस मौके पर पलामू जोन के आइजी राजकुमार लकड़ा, पुलिस अधीक्षक चंदन कुमार सिन्हा, सहायक समाहर्ता श्रीकांत विस्पुते, अपर समाहर्ता सुरजीत कुमार सिंह, सदर एसडीओ राजेश कुमार साह, रामगढ़ के बीडीओ पार्थ नंदन, नजारत उपसमाहर्ता शैलेश कुमार सिंह सहित अन्य पदाधिकारी और मुखिया दयानंद प्रसाद, पंचायत समिति सदस्य पिंकी सुरीन, उप मुखिया ललन यादव, वार्ड सदस्य कौशल्या देवी, संजय सोरेन, लालधनी तुरी आदि जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

राज्यपाल ने किया खेल सामग्री का वितरण

नावाडीह पंचायत भवन में सुरंगाही टोला के ग्रामीणों के साथ संवाद के दौरान राज्यपाल के समक्ष स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा खेल सामग्री की मांग की गई थी। राज्यपाल ने उन्हें इसे उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया था। इसी के आलोक में पलामू जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए खेल सामग्री की व्यवस्था कराई गयी। राज्यपाल ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों को प्रखंड क्षेत्र के खिलाड़ियों के लिए स्थानीय परिसदन में खेल सामग्री का वितरण किया गया। इस मौके पर डीसी आंजनेयुलू दोड्डे, पुलिस अधीक्षक चंदन सिन्हा आदि थे।

शहादत दिवस पर याद किये गये धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा

आजाद सिपाही संवाददाता

सतबरवा /पलामू। सतबरवा प्रखंड के अधमनिया गांव में शुक्रवार को धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा का शहादत दिवस सतबरवा जिला परिषद सदस्य सुधा कुमारी के नेतृत्व में मनाया गया। इस दौरान जिप सदस्य सुधा कुमारी, विधायक प्रतिनिधि राणा प्रताप कुशवाहा, पाकी विधायक प्रतिनिधि राजेंद्र सिंह, चेरो सामाजिक कार्यकर्ता, आशीष सिन्हा समेत कई लोगों ने बिरसा मुंडा की तस्वीर पर पुष्प चढ़ाया, और उनकी शहादत को नमन किया। वक्ताओं ने कहा कि बिरसा मुंडा एक क्रांतिकारी थे, जिन्होंने अपनी आदिवासी समाज को अधिकार दिलाने के लिए अपनी जान तक न्योछावर कर दिए। इसीलिए मुंडा समाज में धरती आबा कहे जाते हैं और उनकी पूजा की जाती हैं। बताते चलें कि बिरसा मुंडा का जन्म खूंटी जिले के उलाहातू गांव के एक गरीब परिवार में हुआ था। अपने आदिवासी समाज के अधिकार एवं जल-जंगल-जमीन की लड़ाई में अंग्रेजों को छक्के छुड़ा दिए थे। जब उन्हें यह समझ आया कि अंग्रेज आदिवासियों की जल-जंगल-जमीन पर कब्जा करना चाह रहे हैं और हमें अधिकारों से वंचित होना पड़ रहा है। तब उन्होंने अपने मुंडा साथियों को एकजुट कर अंग्रेजों के विरुद्ध जंग छेड़ दी। इसके बाद 9 जून 1900 ई को वे वीरगति को प्राप्त हुए। इस मौके पर अजय उरांव, अशोक यादव, विजय पाठक, संदीप प्रसाद व चंचल यादव आदि उपस्थित थे।

ट्रैक्टर के धक्के से वृद्ध महिला घायल, हालत गंभीर

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। जपला-छतरपुर मुख्य सड़क के चौवा चट्टान गांव के समीप ट्रैक्टर के धक्के से कलावती देवी नामक एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। 60 वर्षीय कलावदी चउआ चट्टान गांव की रहने वाली है। इलाज के लिए हुसैनाबाद अस्पताल में भर्ती कराया गया।

विश्रामपुर में भाजपा ने चलाया जनसंपर्क, गिनायी मोदी सरकार की उपलब्धियां

विश्रामपुर/पलामू (आजाद सिपाही)। भाजपा के विश्रामपुर मंडल की ओर से शुक्रवार को नगर परिषद के वार्ड नंबर नौ में महाजनसंपर्क अभियान चलाया गया। इस दौरान भाजपा नेताओं-कार्यकर्ताओं ने मोदी सरकार की उपलब्धियां गिनाई। बताते चलें कि मोदी सरकार के नौ साल पूरा होने पर भाजपा महाजनसंपर्क अभियान चला रही है। नगर मंडल अध्यक्ष बबन राम ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार की सभी योजना गरीबों के कल्याण के लिए हैं। प्रधानमंत्री मोदी का नौ वर्ष का कार्यकाल सेवा, सुशासन, विश्वाश और विकास के नाम समर्पित रहा। इस मौके पर भाजपा नेता शिवबंश मिश्रा, मनीष कुमार, संतोष राम, संजय ठाकुर, रामप्रवेश मौर्या, बेबी देवी, रजनीश चंद्रवंशी, सुरेंद्र भारती, श्याम सुंदर विश्वकर्मा, कृष्ण गुप्ता, विकाश चंद्रवंशी, पवन शुक्ला, राजीव कुमार, सुरेश चंद्रवंशी और विदेशी राम आदि शामिल थे।

एएसआइ को मातृशोक, लोगों ने जतायी संवेदना

विश्रामपुर/पलामू (आजाद सिपाही)। विश्रामपुर नगर परिषद के उरसुला गांव निवासी इंद्रजीत पासवान की मां सहोदरी देवी (85) का शुक्रवार को निधन हो गया। इंदरजीत पासवान झारखंड पुलिस में एएसआई के पद पर कार्यरत हैं। वर्तमान में लातेहार मुख्यालय में पदस्थापित हैं। स्व सहोदारी देवी का दाह संस्कार खुंटिसोत नदी तट पर किया गया। मुखाग्नि बड़े बेटे इंदरजीत पासवान ने दी। दाह संस्कार में निवर्तमान वार्ड पार्षद अजय कुमार रवि, जेई विभूति भूषण, राजरूप पासवान, सुरेश यादव, विनोद राम, अशोक पासवान, विष्णु राम, राजेंद्र प्रसाद गुप्ता आदि शामिल हुए। इधर, इनके निधन पर पलामू सांसद विष्णु दयाल राम, पूर्व मंत्री सह स्थानीय विधायक रामचंद्र चंद्रवंशी, भाजपा नेता जवाहर पासवान, परशुराम ओझा, सतेंद्र नाथ उर्फ ललन चौबे, बबन राम, सांसद प्रतिनिधि अनुज पांडेय, विधायक प्रतिनिधि राजन पांडेय आदि ने शोक प्रकट किया।

केंद्रीय राज्यमंत्री जॉन बारला की 11 जून को पलामू में जनसभा को लेकर मेदिनीनगर भाजपा मंडल की बैठक

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू सांसद के आवास पर शुक्रवार को मेदिनीनगर शहर के प्रमुख कार्यकर्ताओं की बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता अविनाश सिन्हा उर्फ छोटू ने की। इसमें 11 जून को केंद्रीय राज्यमंत्री जॉन बारला के शिवाजी मैदान में होने वाली जनसभा को सफल बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में सांसद ने कहा कि मोदी सरकार के 9 साल बेमिसाल है। केंद्र सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए केंद्रीय मंत्री का प्रवास हो रहा है। उस दिन केंद्रीय राज्य मंत्री मेदिनीनगर के विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। आयोजित कार्यक्रमों को सफल बनाने में नगर मंडल के कार्यकर्ताओं की भूमिका अहम होगी। स्वागत, कार्यक्रम स्थल मंच एवं भोजन-पानी की व्यवस्था की जवाबदेही प्रमुख कार्यकर्ताओं की होगी। वहीं, वरिष्ठ नेता शयामनारायण दूबे ने कहा कि कार्यकर्ता ही पार्टी की रीढ़ है। उनके बल पर ही कार्यक्रम सफल होते हैं। मोदी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने की जिम्मेवारी भी हर एक कार्यकर्ता की है। जबकि महा जनसंपर्क अभियान के संयोजक विभाकर पांडे ने कहा कि 30 मई से चलाया जा रहा यह अभियान सफल हो रहा हैं और कार्यकर्ताओं की मेहनत से आगामी सभी कार्यक्रम भी अच्छे ढंग से पूर्ण होंगे। सहसंयोजक अविनाश वर्मा ने सभी कार्यकर्ता को अपने-अपने सहयोगी समर्थकों के साथ कार्यक्रम में भाग लेने की अपील की। बैठक में प्रफुल्ल सिंह, विजय ओझा, सुनील पासवान, शिव कुमार मिश्रा, सोमेश सिंह, नंदलाल गुप्ता, प्रदीप सिंह, राहुल अग्रवाल, गुड्डू बर्मन, शिव शंकर मिश्रा, कोमल कुमार, अंकु, अनिल सोनी, विकास कुमार सिंह, अंकित कुमार सिंह, सुधीर पांडे, निवेदन अग्रवाल, कुणाल राणा, नंद कुमार, विकास कुमार, पंकज शर्मा, सरवन गुप्ता, मनोहर कुमार लाली, सूर्यकांत पासवान, अमन प्रताप सिंह, रंजीत चंद्रवंशी आदि मौजूद थे।

ग्रामीणों ने गांव की महिला व उसकी बेटियों पर लगाया झूठा मुकदमा कर भयादोहन का आरोप

देवरी ओपी क्षेत्र के बनकट गांव के लोगों ने पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को लिखी चिट्ठी

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। थाना अंतर्गत देवरी ओपी क्षेत्र के बनकट गांव के ग्रामीणों ने पुलिस महानिदेशक, पलामू आरक्षी अधीक्षक, एसडीपीओ, थाना प्रभारी हुसैनाबाद व देवरी ओपी प्रभारी के नाम आवेदन देकर बनकट गांव निवासी स्व रामचंद्र मेहता की पत्नी पनबासिया देवी व उनकी दो बेटियों पर लगातार किसी न किसी ग्रामीण के खिलाफ झूठा व मनगढ़ंत मुकदमा कर उनसे आर्थिक दोहन करने का आरोप लगाया है। शुक्रवार को गांव के दर्जनों ग्रामीण मुखिया ममता देवी के नेतृत्व में देवरी ओपी प्रभारी को

देवरी ओपी प्रभारी को आवेदन देते पंचायत की मुखिया व ग्रामीण।

अन्य वरीय पदाधिकारी के नाम आवेदन देकर पुलिस अधिकारियों को बताया है कि अबतक गांव के पांच लोगों पर अलग-अलग फर्जी मुकदमा किया गया है। ग्रामीणों ने सभी की जांच कर मुकदमों को निष्पादित करने व गलत मुकदमा कर परेशान करने वाली महिला व लड़कियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। आवेदन पर हस्ताक्षर करने वालों में दीपक कुमार, प्रदीप कुमार, अर्जुन मेहता, सुदेश्वर मेहता, अनिल कुमार मेहता, रमेश कुमार, भगत कुमार, शिवपूजन मेहता और विनोद मेहता आदि शामिल है।

रब्दी में मुखिया ने दुरुस्त कराये चार चापाकल, शेष चापाकलों को ठीक कराने का काम जारी

आजाद सिपाही संवाददाता

हरिहरगंज/पलामू। प्रखंड क्षेत्र के सलैया पंचायत अंतर्गत दर्जनों चापाकल की मरम्मती का कार्य मुखिया कमला देवी की पहल पर शुरू कर दी गई है। इसकी जानकारी मुखिया प्रतिनिधि सह समाजसेवी सनोज गुप्ता ने शुक्रवार को दी। कहा कि रब्दी प्राथमिक विद्यालय के पास दो चापाकल, बालकिशुन यादव के घर के पास एक और भुइंया टोली में एक चापाकल की मरम्मती करा दी गयी है। बाकि खराब चापाकलों को ठीक कराने का कार्य जारी है। तीन से चार दिनों में सभी खराब चापानल को ठीक कर दिया जाएगा।

चीन के हांग्जो में 23 सितंबर से आठ अक्टूबर तक आयोजित होने वाले एशियन गेम्स में हिस्सा लेने के लिए भारतीय पहलवानों ने भारतीय खेल मंत्री से अभ्यास के लिए डेढ़ महीने का समय मांगा है।

खेल मंत्री से अभ्यास के लिए मांगा डेढ़ महीना, 23 सितंबर से 8 अक्टूबर तक चीन के हांग्जो में होगा गेम्स

बृजभूषण विवाद के बीच पहलवानों का बड़ा फैसला, चीन में एशियन गेम्स में लेंगे हिस्सा

एजेंसी

पानीपत। भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ मोर्चा खोले देश के शीर्ष पहलवान पिछले काफी समय से खेल से दूर हैं। अब खिलाड़ी फिर से मैट पर लौटने का मन बना रहे हैं। तीन माह बाद होने वाली एशियन गेम्स में हिस्सा लेने के लिए पहलवानों ने अपनी इच्छा जताई है। इधर, केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि सभी राष्ट्रीय महासंघों का लक्ष्य एशिया ओलिंपिक परिषद (ओसीए) द्वारा निर्धारित 15 जुलाई की समय सीमा से पहले एशियाई खेलों के लिए टीम को अंतिम रूप देना है।

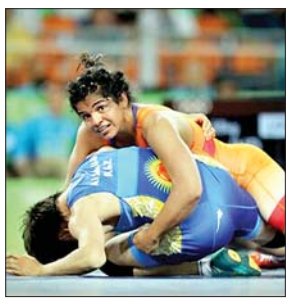

गेम्स 23 सितंबर से 8 अक्टूबर तक चीन के हांग्जो में होना हैं।

खेल मंत्री ने कहा था पहलवान दोबारा से मैट पर लौटें

केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने गुरुवार को दोहराया कि एक महिला की अध्यक्षता वाली डब्ल्यूएफआइ आंतरिक शिकायत समिति के गठन सहित पहलवानों की मांगों को पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा, मैंने कल भी कहा था, हमारी प्रदर्शनकारी पहलवानों के साथ बहुत सकारात्मक बैठक हुई थी। वे जो भी मुद्दे उठाते हैं, हमने उन पर चर्चा की। हमने कहा है कि 15 जून तक चार्जशीट दाखिल की जाएगी और हत्रक्ष के चुनाव 30 जून तक होंगे। ठाकुर ने कहा कि हम चाहते हैं पहलवान मैट पर लौटें और प्रतियोगिताओं में हिस्सा लें।

इस महीने के आखिर तक चयन परीक्षण का आयोजन

भारतीय ओलिंपिक संघ (आइओए) ने 27 अप्रैल को बताया था कि तीन सदस्यीय एडहॉक समिति कुश्ती महासंघ के दिन-प्रतिदिन के मामलों को देख रही है। भारत का डब्ल्यूएफआइ जून के अंतिम सप्ताह में चयन परीक्षणों का आयोजन करेगा। हालांकि पहलवान ट्रायल्स के लिए तैयार होने के लिए कुछ और समय चाहते हैं। साक्षी मलिक के पति और अंतरराष्ट्रीय पहलवान सत्यव्रत कादियान ने कहा कि हम चयन ट्रायल में हिस्सा लेना चाहते हैं, लेकिन इसकी तैयारी के लिए हमें कम से कम डेढ़ महीने की ट्रेनिंग की जरूरत है। कॉम्पिटिटिव मोड में वापस आना पहलवानों के लिए एक कठिन काम होगा, क्योंकि कुछ पहलवानों ने पिछले साल सितंबर में विश्व चैंपियनशिप के बाद से प्रतिस्पर्धा नहीं खेली है, जबकि कुछ अन्य ने आखिरी बार अगस्त, 2022 में राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान मैट पर वापसी की थी। पहलवानों ने हाल ही में कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं से नाम वापस ले लिया था, जबकि विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया ने भी विरोध के कारण अप्रैल में अपने अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविरों से हटने का फैसला किया था।

समाजसेवी अरविंद गुप्ता चुनमुन ने किया रक्तदान

छतरपुर/पलामू (आजाद सिपाही)। समाजसेवी सह नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष पद के प्रत्याशी अरविंद गुप्ता चुनमुन ने सड़क हादसे में घायल भैरवाडीह (खाटीन) निवासी अनोज यादव को रांची के रामप्यारी हॉस्पिटल में जाकर रक्तदान किया। कहा कि रक्तदान एक नेक कार्य है। भगवान से प्रार्थना है कि अनोज यादव जल्द स्वस्थ हो जाए।

भारत भ्रमण पर निकले दो युवाओं का सतबरवा जिला परिषद सदस्य सुधा ने किया स्वागत

सतबरवा/पलामू (आजाद सिपाही)। भारत भ्रमण पर निकले छत्तीसगढ़ के दो युवकों को सतबरवा जिला परिषद सदस्य सुधा कुमारी ने शुक्रवार को सतबरवा के ट्रेनिंग स्कूल के पास माला पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान रायपुर के चंदेलगढ निवासी अजितेश शर्मा और सौरभ देवगन ने बताया कि हम लोग पूरे भारत की पैदल यात्रा कर रहे हैं। लोगों को पर्यावरण बचाने और पेड़ लगाने के लिए जागरूक भी कर रहे हैं। हमारी यात्रा सात अक्टूबर 2021 को शुरू हुई थी। अभी तक हम लोग 12 राज्यों का भ्रमण कर चुके हैं। इस मौके पर विधायक प्रतिनिधि राणा प्रताप कुशवाहा, सामाजिक कार्यकर्ता आशीष सिन्हा, अजय उरांव, निर्दोष कुमार, मोहन ठाकुर, अशोक प्रसाद और गोलू कुमार आदि उपस्थित थे।

राज्य सरकार के कुछ अधिकारी जेल में, कुछ राह में: लक्ष्मीकांत वाजपेयी

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। जनसंपर्क महा अभियान के तहत एक दिवसीय बोकारो प्रवास के दौरान झारखंड के भाजपा प्रभारी राज्यसभा के मुख्य सचेतक लक्ष्मीकांत वाजपेयी का आगमन बोकारो में हुआ जहां बोकारो जिला भाजपा द्वारा पेटरवार में भव्य स्वागत किया गया। विभिन्न स्थानों में भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। झारखंड के स्वतंत्रता सेनानी जिन्होंने अंग्रेजी हुकूमत को उखाड़ फेंकने के लिए झारखंड की धरती से आंदोलन की शुरूआत की थी जो धरती आबा के नाम से प्रसिद्ध हुए स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर नया मोड़ स्थित उनके प्रतिमा का माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किये । उनके साथ झारखंड विधानसभा के मुख्य सचेतक विरोधी दल बोकारो विधायक बिरंची नारायण मौजूद थे । बोकारो विधायक बिरंची नारायण के नेतृत्व में बोकारो विधानसभा भाजपा कार्यकर्ताओं ने झारखंड प्रभारी का भव्य स्वागत और अभिनंदन किया। चंदनकियारी विधानसभा क्षेत्र में झारखंड प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी बरमसिया में बने पावर ग्रिड और इंजीनियरिंग कॉलेज का दौरा किया तथा चंदनक्यारी रविंद्र भवन में प्रबुद्ध सम्मेलन में हिस्सा लेकर भाजपा के नीति और सिद्धांतों के बारे में जानकारी दी। वही बोकारो विधानसभा क्षेत्र में सेक्टर 2 स्थित मां अंबे गार्डन में प्रबुद्ध कार्यकर्ता सम्मेलन के कार्यक्रम में हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरूआत पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्वलित कर कैप्टन की शुरूआत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्यक्रम प्रभारी इंद्र कुमार झा और संचालन जिला महामंत्री संजय त्यागी ने की। मंच मे बोकारो विधायक बिरंची नारायण, पूर्व जिलाध्यक्ष रोहितलाल सिंह, दिलीप श्रीवास्तव, कमलेश राय, जयदेव राय उपस्थित रहे। विभिन्न क्षेत्रों से आये हुए प्रबुद्ध जन, समाजसेवी, उद्यमी, जनसंघ कार्यकाल के योद्धा, डाक्टर, गायिका, खिलाड़ी, का अभिनंदन और स्वागत मुख्य अतिथि द्वारा किया गया। इस अवसर पर लक्ष्मीकांत बाजपयी ने उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया की 9 वर्षों के मोदी सरकार द्वारा किये गये कार्यों को लेकर आज पूरे देश में जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा। आज देश हर क्षेत्रों में अपनी पहचान बनायी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा देशहित में शुरू की गयी अनगिनत योजनाओं का जिक्र करते हुए बताया की प्रधानमंत्री जी ने भी झारखंडी जनता की समस्याओं को करीब से समझा है। तभी तो आयुष्मान भारत योजना की शुरूआत झारखंड प्रदेश से किया। जिसके तहत आर्थिक रूप से प्रत्येक गरीब परिवार का 5 लाख तक का इलाज बिल्कुल मुफ्त हो रहा है। झारखंड की कई ऐसी योजनाओं को धरातल पर उतरा गया। झारखंड से आदिवासी समुदाय से एक महिला को महामहिम राष्ट्रपति पद पर बैठाया। देवघर मे एम्स, रामगढ़ मे पहला इंजिरिंग कॉलेज, अल्बर्ट एक्का के नाम पर अंडमान निकोबार मे एक टापू का नामांकरण। देश मे हेमंत सोरेन की सरकार एक मात्र सरकार जहां परिवार को ही सभी लाभ । बंगलादेश घुसपैठ, लव जिहाद, बलात्कार, हत्या लूट की घटनाओं में रिकॉर्ड बनाया। उनके अधिकारी और कार्यकर्ता कुछ जेल में है और कुछ राह में। बोकारो विधायक बिरंची नारायण ने कहा कि आज मोदी सरकार के नौ वर्षों के उपलब्धि को लेकर पूरे देश में भाजपा विधानसभा स्तर पर वरिष्ठ कार्यकर्ता का सम्मेलन हो रहा है। आज उसी कार्यक्रम के तहत बोकारो विधानसभा क्षेत्र में वरिष्ठ कार्यकर्ता बैठक हो रहा है। मोदी सरकार ने जम्मू कश्मीर मे धारा 370 हटाने के बाद आई शांति के लिये आतंकवाद को खत्म करने के लिए कोई कानून की नहीं बनायी बल्कि सशस्त्र बल को खुली छूट देने की जरूरत थी जो प्रधानमंत्री मोदी जी ने किया। आज वैश्विक स्तर पर भारत एक मजबूत इच्छा शक्ति वाला आत्मनिर्भर देश बनकर उभरा है।

जिसको आज अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देश भी सम्मान देते हैं। बैठक मै मुकुल ओझा ,कुमार अमित, राजीव कंठ,शंकर रजक,अनिल स्वर्णकार, अशोक कुमार पप्पू, माथुर मंडल, विनय आनंद, महेंद्र राय, धीरज झा,नीरज कुमार, गणेश राय, के के बोराल, आर डी उपाध्याय, त्रिलोकी सिंह,विनय किशोर, अनिल सिंह, मनोज सिंह, पीयूष आचार्या, पन्नलाल कांन्दू, हरीश सिंह, बैद्यनाथ प्रसाद, मुकेश राय, प्रकाश चटर्जी, गोलू उपाध्याय, वर्षा चौधरी ,जितेंद्र गोस्वामी, ब्रज दुबे आदि मौजूद रहे

पूर्व मंत्री स्व ओपी लाल की मां का निधन

आजाद सिपाही संवाददाता

कतरास। पूर्व मंत्री स्वर्गीय ओपी लाल की मा सुमित्रा देवी (84) वर्षीय का शुक्रवार की सुबह लगभग चार बजे के आसपास प्रियदर्शिनी पथ स्थित अवास मे निधन हो गया। निधन की खबर से कतरास कोयलांचल क्षेत्र व आसपास मे शोक की लहर दौड़ है। जब उनका निधन हुआ उस समय उनका पूरा परिवार बेंगलुरू मे एक शादी समारोह में शामिल होने गया था। स्व लाल के पुत्र सह जिला कांग्रेस के उपाध्यक्ष अशोक प्रकाश लाल अपनी दादी की निधन की खबर पाकर परिजनो के साथ घर वापस लौट रहे है। जबकि अन्य सदस्य घर लौट गये है। शनिवार को कतरास लिलौरी मंदिर स्थित मुक्ती धाम मे उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। इधर निधन की खबर पाकर पूर्व मंत्री जलेश्वर महतो, वियाडा के पूर्व अध्यक्ष विजय झा, पूर्व मंत्री सह टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो, जगदीश चौधरी, बसंत महतो, बलराम महतो, परवेज इकबाल, अकबर अंसारी,माधव सिंह, रवी चौबे, रंजित पांडेय सहित कई अन्य लोगो ने शोक व्यक्त किया।

अंजनी बने जनता श्रमिक संघ के गोविंदपुर क्षेत्र के अध्यक्ष, मंटू यादव सचिव

कतरास (आजाद सिपाही)। जनता मजदूर संघ कुंती गुट को छोड़कर गोविन्दपुर क्षेत्र के कई पदाधिकारी पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष मंटु कुमार यादव के नेतृत्व में जनता श्रमिक संघ के संयुक्त महामंत्री रागिनी सिंह के प्रति आस्था रखते हुए संघ में शामिल हो गये। रागिनी सिंह ने गोविंदपुर क्षेत्र में अंजनी कुमार सिंह को अध्यक्ष जबकि मंटू कुमार यादव को सचिव बनाया है। संघ द्वारा मनोनयन किए जाने पर अशोक कुमार सिंह, मो० इमरान अंसारी, सुमित कुमार राम, दरकेश्वर गोप, मो० आजाद आलम, संदीप कुमार यादव, संतोष सिंह, रत्नेश्वर प्रसाद राय, आकाश कुमार, श्री अभिमन्यु सिंह, सुमन कुमार, अनिल, निरंजन राय, विश्वनाथ हरि, मो० शेरू, बब्लू अंसारी, रामदरश , धुरंधर सिंह, योगेश लोहार, श्री संतोष कुमार, राजेश ग्वाली, बजरंगी भुइंया ने बधाई दी है।

देश-विदेश की खबरों के लिए क्लिक करें
www.azadsipahi.in

झारखण्ड शिक्षा परियोजना,
लातेहार, समग्रशिक्षा अभियान
समाहरणालय भवन, दूसरीमंजिल, लातेहार,
दूरभाष सं0 : 06565–248083, ई–मेलः dpolatehar@yahoo.co.in

आम–सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जिला अंर्तगत संचालित नेताजी सुभाष चन्द्र बोस आवासीय विद्यालय, सरयु, गारू में शैक्षणिक सत्र 2023–24 में वर्ग 01 से 08 तक में कुल 16 बालकों एवं कक्षा 09 में कुल 14 बालकों का नामांकन लिया जाना है, जिसमें अनाथ, एकल अभिभावकों, नक्सल प्रभावित, कोरोना से प्रभावित, बाल मजदुर, आदिम जनजाति एवं प्रवासी बच्चों को प्राथमिकता दिया जाना है । जिसके लिए इच्छुक आवदेनकर्ता दिनांक 15.06.2023 को अपराह्न 05:00 तक समग्र शिक्षा अभियान,लातेहार के जिला कार्यालय,में जमा कर सकते है।

जिला शिक्षा पदाधिकारी–सह–
जिला कार्यक्रम पदाधिकारी,
समग्र शिक्षा अभियान, लातेहार

PR 299621 Human Resource Developement(23-24)#D

GOVERNMENT OF JHARKHAND
AGRICULTURE,ANIMAL HUSBANDRY AND CO-OPERATIVE DEPARTMENT(CO-OPERATIVE DIVISION)
CO-OPERATIVE TRAINING CENTRE, GUNGU TOLI, BAHU BAZAR, RANCHI

Ref. No. - 62 / Ranchi Dated – 06-06-2023

Tender Notice -01 / 2023 -2024

Invitation of bid for providing catering service during training programme for the year 2023-24

Co-operative Traning Centre, Ranchi invites tender from reputed Agency / Firm / Individuals for providing catering service during training programme. A complete set of tender document may be purchased by interested eligible Bidders from office of the **Co.operative Traning Center, Ranchi** during office hours on all working days from **12-06-2023 to 27-06-2023** after payment of a non-refundable fee of **Rs. 1000/-** (Rupees One Thousand only) in the form of cash / Demand Draft in favour of Principal, Co.Operative Traning Centre, Ranchi, payable at Ranchi.

Detailed information, Terms and Conditions are displayed in the Notice Board of Co.operative Traning Centre, Ranchi and at www.prdjharkhand.in

Last date for submission of the Tender Document – 03-07-2023 upto 4.00 pm.

Principal,
Co.operative Traning Centre,
Ranchi

PR 299561 Agriculture,Animal Husbandry And Co-opretive Department(23-24)D

क्षेत्रीय सचिव को हटाने से नाराज मजदूरों ने दिया जमसं से इस्तीफा

आजाद सिपाही संवाददाता

चिरकुंडा। जमसं (कुंती गुट) के केंद्रीय कार्यालय के तानाशाही रवैया से क्षुब्ध हो कर बीसीसीएल के क्षेत्र संख्या 12 के सभी शाखाओं से पदाधिकारी और सभी सदस्यों ने सामूहिक रूप से इस्तीफा दे दिया। इस की जानकारी शुक्रवार को पत्र के माध्यम से संघ के महामंत्री को दे दी गयी। इसके पीछे मुख्य कारण सफीर रहमान खान को क्षेत्रीय सचिव के पद से हटाना बताया गया है। इस बाबत सफीर रहमान खान ने पत्रकारों से कहा कि कुछ लोग यूनियन की आड़ में ठेकेदारी, आउटसोर्सिंग में नौकरी और कार्य कराने के नाम पर पैसा वसूली कर रहे हैं। साथ ही केंद्रीय नेतृत्व को झूठी जानकारी देकर बरगलाने का काम लंबे समय से करते आ रहे हैं।हम लोग मजदूरों की समस्याओं के समाधान के लिए यूनियन करते हैं ना की निज लाभ के लिए। ऐसे लोगों के अंदर में काम करना हमलोगों के लिए संभव नहीं है, इसलिए हम सभी सामूहिक रूप से संघ को छोड़ कर रागनी सिंह के साथ चलेंगे। सभी ने आरोप लगाया कि जनता मजदूर संघ के पास वैसे दलाल रूपी गिनती के सदस्य बचे हैं। त्यागपत्र की प्रतिलिपि निदेशक (कार्मिक) कोयला भवन, उपायुक्त धनबाद, वरीय पुलिस अधीक्षक धनबाद, उपाध्यक्ष/विधायिका जनता मजदूर संघ निरसा क्षेत्र, क्षेत्रीय आयुक्त केंद्रीय धनबाद, महाप्रबंधक सी भी एरिया, थाना प्रभारी चिरकुंडा, बराकर और पंचेत,सभी परियोजना पदाधिकारी को अग्रसारित की गयी है।

नेशनल सब जूनियर पावर लिफ्टिंग में आयुष गुप्ता ने रजत पदक जीत कतरास का बढ़ाया मान

कतरास (आजाद सिपाही)। गुरु नानक स्कूल रांची में आयोजित तीन दिवसीय नेशनल सब जूनियर और जूनियर पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में आर्य व्यायामशाला योग मंदिर कतरास के आयुष गुप्ता ने रजत पदक प्राप्त कर कतरास और पूरे प्रदेश का मान सम्मान बढ़ाया। आयुष ने सब जूनियर 59 किलोग्राम भार वर्ग में कुल 458.5 किलो वजन उठाकर रजत पदक प्राप्त किया। आयुष ने स्कॉर्ट में 165.5 किलोग्राम उठाकर गोल्ड मेडल प्राप्त किया और नेशनल रिकॉर्ड भी बनाया बैंच प्रेस में 100.5 किलोग्राम में सिल्वर मैडल एवं डेड लिफ्ट में 192.5 किलोग्राम वजन उठाकर ब्रोंज मैडल हासिल किया। इस प्रतियोगिता में पूरे भारत से 300 से अधिक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। आयुष गुप्ता झारखंड की ओर से प्रतिनिधित्व कर रहे थे। आयुष गुप्ता के इस उपलब्धि पर कतरास में खुशी का माहौल है। वही व्यायामशाला के अध्यक्ष विजय कुमार झा, महासचिव गुरूजी दुगार्राम, संरक्षक वरीय अधिवक्ता दीपनारायण भट्टाचार्य, सचिव रंधीर बर्मन, संघठन सचिव दीपक गुप्ता, कोषाअध्यक्ष अभय बर्मन, वरिष्ठ खिलाड़ी राजेश सिंह, भरत भाई कांचा, मो फेजान,विक्की रवानी, गणेश कुमार, मोहम्मद कौसर, कालाचंद बाउरी, अकाश रवानी, आदि के अलावा दर्जनों खिलाड़ी ने बधाई और शुभकामनाएं दिया।

भगवान बिरसा का सपना साकार करेगा आजसू : टिकैत

नावाडीह (आजाद सिपाही)। नावाडीह प्रखंड गोनियाटो पंचायत में आजसू पार्टी पंचायत कमेटी द्वारा केंद्रीय समिति के आदेशानुसार गोनियाटो मोड़ पर भगवान बिरसा मुंडा का शहादत दिवस मनाया गया जिसमें आजसू पार्टी के केंद्रीय मुख्यालय सचिव टिकैत कुमार महतो उपस्थित हुए कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड कार्यकारी अध्यक्ष रामकुमार मरांडी संचालन पंचायत अध्यक्ष महेंद्र महतो ने किए कार्यक्रम की शुरूआत टिकैत कुमार महतो ने पुष्प अर्पित एंव माला पहनाकर कर किए इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जननायक भगवान बिरसा मुंडा के रास्ते हम झारखंडियों को चलने की आवयश्कता है तभी झारखण्ड राज्य के शोषित और वंचित वर्ग के लोगो का कल्याण हो सकता है भगवान बिरसा मुंडा का सपना साकार करेगा आजसू पार्टी मौके पर आजसू नेता जितेंद्र महतो आजसू छात्र संघ अध्यक्ष खेमलाल महतो सोशल मीडिया प्रभारी संतोष उजागर गणपत महतो चुरामन महतो कपिल तुरी धनेश्वर महतो युवा नेता दिनेश कुमार महतो रतिराम मुर्मू रामचंद्र महतो सुनील मरांडी कुलदीप विश्वकर्मा उमेश महतो शलेश बाबू विजय कुमार भुनेश्वर महतो अनिल रविदास संजीत पटेल कैलाश नायक तैयबा अंसारी विनय कुमार अरुण कुमार आदि लोग उपस्थित थे।

चोरी करते पकड़ाये राम राज को पुलिस ने छोड़ा

आजाद सिपाही संवाददाता

लोयाबाद। लोयाबाद पुलिस ने लोयाबाद क्षेत्रीय अस्पताल से एसी चोरी करते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया राम राज चौहान को छोड दिया। पुलिस के गिरफ्त में आया अपराधी को छोड दिया जाना चर्चा का विषय बन गया है। पुलिस का तर्क है कि अस्पताल प्रबंधन द्वारा लिखित शिकायत नहीं किए जाने के कारण उसे छोड़ देना पड़ा। मालूम हो कि बुधवार की रात में चार अपराधियों द्वारा अस्पताल के चिकित्सा पदाधिकारी के विश्राम कमरे में लगा एसी को चोरी कर ले जाने का प्रयास किया जा रहा था रुम के अंदर से आ रही आवाज को सुनकर अस्पताल कर्मियों ने पुलिस को सूचना दिया। पुलिस तत्काल मौके पर पहुंच कर उक्त युवक को पकड़ कर थाने ले गया था । उक्त अपराधी को जेल भेजने के बजाय बिना मामला दर्ज किए उसे छोड़ दिया गया। 19 अगस्त 2021 को निवर्तमान थाना प्रभारी चुन्नु मुर्मू ने मदनाडीह स्थित कठगोला में औचक छापेमारी कर उसे लोयाबाद क्षेत्रीय अस्पताल से चोरी की गई सामानों को बेचते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर जेल भेज था।इस संबंध में राम राज चौहान के साथ कठगोला संचालक पर भी मामला दर्ज हुआ था। थाना प्रभारी विकास कुमार यादव ने बताया कि लोयाबाद क्षेत्रीय अस्पताल प्रबंधन द्वारा लिखित शिकायत नहीं दिए जाने तथा उसका दीमागी हालत ठीक नहीं रहने के कारण उसे छोड़ दिया गया है। 2014 से उसका इलाज चल रहा है। डा अनुज कुमार ने बताया कि अस्पताल में चोरी का प्रयास किया जा रहा था।इसकी लिखित शिकायत पुलिस को दी गयी है।

उपायुक्त का कार्यालय,हजारीबाग
(स्थापना शाखा)

प्रेस विज्ञप्ति

सरकार के सचिव, राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग, झारखण्ड, राँची के पत्रांक 1730(3) / रा0 दिनांक 19.05.2023 के आलोक में झारखण्ड कर्मचारी चयन आयोग, के पत्रांक 908 दिनांक 04.05.2023 द्वारा विज्ञापन सं0–01 / 2017 (नियमित रिक्ति) एवं विज्ञापन सं0–02 / 2017 (बैकलॉग रिक्ति) के द्वारा इंटरमीडियट स्तर संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा–2017 (नियमित एवं बैकलॉग) में हजारीबाग जिले के लिए निम्नवर्गीय लिपिक (जिला समाहरणालय) के पद पर नियुक्ति (नियमित नियुक्ति– 48 एवं बैकलॉग नियुक्ति–17 कुल– 65) हेतु इस कार्यालय पत्रांक 600 / स्था0 दिनांक 23.05.2023 से प्रेस विज्ञप्ति द्वारा अनुशंसित अभ्यार्थियों की शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र एवं अन्य प्रमाण पत्रों की जांच समाहरणालय, हजारीबाग के तृतीय तल्ला कमरा नम्बर–A-305 में दिनांक 26.05.2023. एवं 27.05.2023 को पूर्वाह्न 11.00 बजे से निर्धारित किया गया था।

उक्त प्रेस विज्ञप्ति के बावजूद हजारीबाग जिले के लिए निम्नवर्गीय लिपिक (जिला समाहरणालय) के पद पर नियुक्ति हेतु निम्नलिखित अभ्यर्थियों के द्वारा शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र एवं अन्य प्रमाण पत्रों की जांच हेतु अनुपस्थित रहें।

क0	अनुशंसा सूची कमांक नं0	अभ्यर्थी का नाम	पिता का नाम
1	नियमित–20	श्री षरेष्ट (SHRESHT)	श्री सुभाष चन्द्र
2	नियमित–23	श्री रंजन कुमार	श्री महेष प्रसाद
3	नियमित–36	श्री मुकेष राम	श्री बैजनाथ राम
4	बैकलॉग–10	श्री अविनाष राम	श्री बिनोद राम

अतः उक्त अभ्यर्थियों को एतद् द्वारा अंतिम रूप से सूचित किया जाता है कि वे आवेदन के समय संलग्न किये गये शैक्षणिक एवं अन्य प्रमाण पत्रों की मूल प्रति के साथ सभी प्रमाण पत्रों की दो सेट छायाप्रति (स्व–हस्ताक्षरित) एवं पासपोर्ट साईज 4 फोटोग्राफ के साथ समाहरणालय, हजारीबाग के ग्राउन्ड फ्लोर, कमरा नम्बर–B-010 (स्थापना शाखा, हजारीबाग) में दिनांक 12.06.2023 को 11.00 बजे उपस्थित होना सुनिश्चित करेंगे।

उपायुक्त,
हजारीबाग

PR 299680 District(23-24)#D

एनएसयूआइ ने की विश्वविद्यालय मुख्यालय में तालाबंदी

फूंका विश्वविद्यालय प्रबंधन का पुतला

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। एनएसयूआइ के जिला अध्यक्ष गोपाल कृष्णा चौधरी के नेतृत्व में बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय में तालाबंदी की गई, तथा मुख्य गेट के बाहर बैठकर धरना प्रदर्शन किया गया। एनएसयूआइ द्वारा आरोप लगाया गया की कुलपति सुखदेव भोई के द्वारा धनबाद और बोकारो में उच्च शिक्षा की हत्या की जा रही, पूरे झारखंड में यह एकलौता विश्वविद्यालय है जहा इंटर की पढ़ाई बंद की गयी है, जबकि नई शिक्षा नीति 11वी और 12वी के छात्रों पर लागू नहीं होता। धनबाद और बोकारो में सभी कॉलेजों में पीजी की पढ़ाई बंद कर दी गयी है , आज पूरे धनबाद और बोकारो जिला में विश्वविद्यालय के अलावा पीजी की पढ़ाई अब कहीं नहीं होगी। विश्वविद्यालय के अंतर्गत जो सेमेस्टर 1 के परीक्षा परिणाम घोषित किया। उसमें 30500 छात्रों में लगभग 22000 छात्र फेल है, शर्म की बात है की मात्र 28.5 प्रतिशत ही छात्र पास कर पाये है तथा 22 हजार छात्रों को दुबारा परीक्षा देना होगा। एनएसयूआइ ने आरोप लगाया कि कुलपति सुखदेव भोई के द्वारा धनबाद बोकारो के छात्र छात्राओं को उच्च शिक्षा से वंचित रखने का प्रयास किया जा रहा है।उसी उच्च शिक्षा के अर्थी को रखकर विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार के समक्ष एनएसयूआई के द्वारा तालेबंदी कर प्रदर्शन किया गया। लगभग 3 घंटे तक तालाबंदी के नारेबाजी की गई तथा मुख्य द्वार से एक भी गाड़ी को अंदर बाहर नहीं होने दिया गया, तथा कुलपति ने भी अपनी गाड़ी चोरी से पिछले दरवाजे से बाहर निकाली।

मौके पर जिला महासचिव अंकित कुमार, नितेश शर्मा, नवाजिश अफजल, सनी सिंह,झरिया अध्यक्ष देवेंद्र पासवान, विश्वविद्यालय उपाध्यक्ष उत्तम कुमार, पीके राय कॉलेज अध्यक्ष राज रंजन सिंह, नवाजिश अफजल,आरएसपी उपाध्यक्ष मोहित कुमार, सोहेल, सौम्यदीप, सुंदर, उत्कर्ष, नवनीत समेत सैकड़ों छात्र उपस्थित थे ।

Govt. of Jharkhand
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
Field Survey Division, Advance Planning, Road Construction Department,
Nirupan Bhawan, 4th floor, 56-Set Chowk, Doranda, Ranchi-834002
e-mail--- eercdapfsdran-jhr@nic.in

e-Procurement very Short Notice, 3rd Call

e-Tender Reference No .-RCD/FSD /AP/ RAN/35/23-24 Dated **08.06.2023**

1-	Name of Work	Consultancy services for preparation of complete Land Acquisition Proposal with ownership details and computation of cost of acquired land as per latest guidelines, Resettlement and Rehabilitation Proposal & Forest Diversion Proposal including clearance of all stages as required for Padma-Manatu-Chak Missing link raod under Road division Daltonganj in the state of Jharkhand. from Consultant's empanelled in Category-I with the Road Construction Department, Government of Jharkhand vide letter no -3063(S) W.E dated 22-08-2022 are allowed to bid.
2-	Tentative Length of Work	1.828 KM
3	Work completion time	30 Days
4	Date and Time of Publishing of Tender on official website	12.06.2023, 05.00 PM
5-	Last date and Time of submission of Tender (With Tender Fee and EMD)	19.06.2023, 12.30 PM
6-	Date and Timing of Bid opening	21.06.2023, 12.30 PM
7-	Tender Inviting Authority	Executive Engineer, Field Survey Division, Advance Planning, RCD, Ranchi, Nirupan Bhavan, 56 set Chowk, Doranda, Ranchi- 834002, Mobile No-9431591027
8-	Bid Submission Address	Chief Engineer (Communication), Road Construction Department, 1st Floor, Engineer Hostel No-2, Dhurwa,Ranchi-834004
9-	Mode of Bid Submission	e-Tendering (http://jharkhandtenders.gov.in)
10-	Pr No.	298274 Road (23-24) D

For further information please go through the website http://jharkhandtenders.gov.in

Executive Engineer
Field Survey Division, A.P
Road Construction Department, Ranchi .

PR 299608 Road(23-24)#D

आजाद सिपाही
रांची, शनिवार, 10 जून, 2023
www.azadsipahi.in
12

ओड़िशा हादसे के शवों को जिस स्कूल भवन में रखा गया था, उसे गिराया गया

बच्चे और टीचर आने से डर रहे थे, शुद्धीकरण भी किया जायेगा

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। ओडिशा ट्रेन हादसे में जान गंवाने वालों के शवों को स्कूल के जिस भवन में रखा गया था, उसे अब गिराया जा रहा है। स्कूल प्रशासन का कहना है कि बच्चे और टीचर्स यहां आने से डर रहे थे, इसलिए बिल्डिंग को गिराकर फिर बनाने का निर्णय लिया गया है। स्कूल खुलने से पहले इसका शुद्धीकरण भी कराया जायेगा। बालासोर में 2 जून को हुए ट्रेन हादसे में 288 लोगों की मौत हुई थी। शवों को घटनास्थल से 500 मीटर दूर बहानगा हाईस्कूल में रखा गया था। राहत-बचाव टीम ने 65 साल पुराने

स्कूल भवन के दो कमरों और दालान को अस्थायी मुर्दाघर में बदल दिया था। यहां कफन में लिपटे शवों को लाया गया था।

डर भगाने के लिए पूजा-पाठ होगा

स्कूल की प्रिंसिपल प्रमिला स्वैन ने कहा- छोटे बच्चे डरे हुए हैं। बिल्डिंग बनने के बाद स्कूल ने आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित करने और कुछ पूजा-पाठ करने की योजना बनायी है, ताकि उन्हें अपने डर पर काबू पाने में मदद मिल सके। स्कूल में करीब 650 बच्चे पढ़ते हैं। आसपास के लोगों का कहना है कि रात में रूम से रोने और चीखने की आवाज आ रही है। इस को लेकर छात्रों उस रूम में जाने से डर रहे थे।

कलेक्टर के दौरे के बाद गिराने का आदेश

गुरुवार को जिला प्रशासन ने स्कूल का दौरा किया। बालासोर के जिला कलेक्टर दत्तात्रय भाऊसाहेब शिंदे ने कहा- मैंने स्कूल मैनेजमेंट के सदस्यों, प्रिंसिपल, अन्य कर्मचारियों और स्थानीय लोगों से मुलाकात की है। वे पुरानी इमारत को गिराना चाहते हैं, ताकि बच्चों को कोई डर न हो। हालांकि फिलहाल सांकेतिक रूप से स्कूल को गिराया जा रहा है, इसी पूरी तरह से ध्वस्त करने में दो-तीन महीने लगेंगे।

किट-किस के संस्थापक प्रो अच्युत सामंत को मिली एक और मानद डॉक्टरेट की डिग्री

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। प्रख्यात शिक्षाविद, सामाजिक कर्मी और संस्थापक किट एंड किस के प्रो अच्युत सामंत को भारत इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च (डीम्ड-टू-बी-यूनिवर्सिटी) चेन्नई तमिलनाडु द्वारा डॉक्टरेट की डिग्री उपाधि से सम्मानित किया गया है।

विश्वविद्यालय ने अपने 39वें दीक्षांत समारोह के दौरान शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें डॉक्टर ऑफ साइंस (डिग्री) की उपाधि से सम्मानित किया। दुर्भाग्य पूर्ण से प्रो सामंत अप्रत्याशित प्रतिबद्धताओं के कारण व्यक्तिगत रूप से इस सम्मान को प्राप्त करने में असमर्थ थे।

यह डिग्री डॉक्टरेट प्रो. सामंत के लिए इस तरह का 52वां सम्मान है। उन्होंने मान्यता के लिए भारत इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च (डीम्ड-टू-बी-यूनिवर्सिटी) के अधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मैं इस सम्माननीय डॉक्टरेट को प्राप्त करने के लिए खुश हूं, और मैं वास्तव में बोर्ड के प्रति विनम्र और आभारी हूं। मुझे चुनने के लिए।

दीक्षांत समारोह में डॉ. राजकुमार रंजन सिंह केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री, डॉ किरण हजारिका प्रो वाइस चांसलर इग्नो; प्रो मोहम्मद रेला चांसलर भारत इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च (डीम्ड-टू-बी-यूनिवर्सिटी) और डॉ के विजय भास्कर राजू कुलपति आदि उपस्थित थे।

बाहानगा ट्रेन दुर्घटना में पीड़ित परिवारों को मुफ्त शिक्षा देगा रॉयल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। बालासोर जिले के बाहानगा बाजार में हुए भीषण रेल हादसे में मारे गये लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करने के साथ उनके बच्चों को रॉयल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के तरफ से भुवनेश्वर के रॉयल कॉलेज ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, रयाल पब्लिक स्कूल और बालेश्वर जिले के मईतापुर में स्थित रॉयल हाई स्कूल और रॉयल पब्लिक स्कूल में मुफ्त शिक्षा पढाने की घोषणा की। ओड़िशा राज्य में जिन बच्चों ने अपने माता-पिता दोनों को खो दिया है या केवल अपने

माता और पिता को दुर्घटना में खो दिया है, अगर वे बच्चे पहली से बारहवीं कक्षा तक शिक्षा में रुचि व्यक्त करते हैं, तो उन्हें उड़िया और अंग्रेजी उनकी योग्यता के अनुसार दोनों के माध्यम से मुफ्त आवास, भोजन और शिक्षा प्रदान की जायेगी। भुवनेश्वर में आयोजित पत्रकार वार्ता में रॉयल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के अध्यक्ष डॉ बिष्णु मोहन महांति ने संबंधित परिवारों के परिजनों से संपर्क करने की जानकारी दी है। इस मौके पर वाइस चेयरमैन मिलन महांति उपस्थित थे।

सुरक्षा कार्यों के कारण कई ट्रेनें रद्द और कुछ डायवर्ट

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। सुरक्षा संबंधी कार्यों और समय समायोजन के लिए कई ट्रेनों को रद्द और डायवर्ट किया गया हैः नौ जून को प्रारंभिक स्टेशन से रद्द रही। 02837 संतरागाछी-पुरी एक्सप्रेस संतरागाछी से। 20831 शालीमार-संबलपुर एक्सप्रेस शालीमार से। 12839 हावड़ा-चेन्नई मेल हावड़ा से। 07029 अगरतला-सिकंदराबाद एक्सप्रेस अगरतला से। 15630 सिलघाट-तांबरम एक्सप्रेस सिलघाट से। 22850 सिकंदराबाद-शालीमार एक्सप्रेस सिकंदराबाद से । 22804 संबलपुर-शालीमार एक्सप्रेस संबलपुर से। 12842 चेन्नई-शालीमार एक्सप्रेस चेन्नई से। 22832 सत्यसाईं प्रशांति निलयम - हावड़ा एक्सप्रेस एसएसपीएन से। 18410 शालीमार एक्सप्रेस पुरी से।

10 जून को रद्द किया गया : 02838 पुरी-संत्रागाछी एक्सप्रेस पुरी से। 22803 शालीमार-संबलपुर एक्सप्रेस शालीमार से। **ट्रेनों का डायवर्जन :** 18477/18478 पुरी-योग नगरी ऋषिकेश-पुरी कलिंग उत्कल एक्सप्रेस 9 जून को दोनों दिशाओं से अंगुल-संबलपुर सिटी-झारसुगुड़ा और इब के रास्ते गयी।

बंगाल में पंचायत चुनाव की घोषणा के साथ ही चढ़ा सियासी पारा

भाजपा-कांग्रेस ने किया हाइकोर्ट का रुख

- पंचायत चुनाव में की केंद्रीय बलों की तैनाती करने की मांग

आजाद सिपाही संवाददाता

कोलकात। पश्चिम बंगाल में गुरुवार को एक चरण (8 जुलाई को) में पंचायत चुनाव कराये जाने की घोषणा के साथ ही राज्य का सियासी पारा अचानक से चढ़ गया है। कांग्रेस और भाजपा की राज्य इकाइयों ने शुक्रवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय का रुख किया और बंगाल पंचायत चुनावों के लिए नामांकन दाखिल करने के लिए अधिक समय देने और केंद्रीय बलों की तैनाती की मांग की।

मामलों की सुनवाई हो तत्काल : मुख्य न्यायाधीश टी एस शिवगणनम की अध्यक्षता वाली

एक खंडपीठ के समक्ष प्रार्थनाओं का उल्लेख किया गया था, जिन्होंने मामलों की तत्काल सुनवाई की मांग की थी। अदालत ने उन्हें याचिका दायर करने और दोपहर 12 बजे के बाद पेश होने को कहा है। कांग्रेस के राज्य प्रमुख अधीर रंजन चौधरी के वकीलों ने अदालत से प्रार्थना की है कि पश्चिम बंगाल राज्य चुनाव आयोग को शांति, स्वतंत्र और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए चुनाव प्रक्रिया के दौरान केंद्रीय बलों को तैनात करने का निर्देश दिया जाये। अधीर रंजन ने यह भी दावा किया कि राज्य में 2018 के चुनाव के दौरान हिंसा और धमकी देखी गयी थी।

नामांकन दाखिल करने का समय बढ़ाने की मांग : यह दावा करते हुए कि विशाल त्रिस्तरीय स्थानीय निकाय चुनाव प्रक्रिया के लिए नामांकन दाखिल करने के लिए केवल छह दिन दिये गये है। एक भाजपा नेता ने भी अदालत में याचिका दायर कर नामांकन दाखिल करने का समय बढ़ाने की प्रार्थना की। उनके वकील ने प्रस्तुत किया कि लगभग 75,000 सीटों के लिए चुनाव होने के कारण नामांकन दाखिल करने का समय बहुत कम था। राज्य चुनाव आयोग के कार्यक्रम के अनुसार, नामांकन दाखिल करना शुक्रवार से शुरू हो रहा है और यह 15 जून तक चलेगा और चुनाव 8 जुलाई को होंगे।

दुर्ग-पुरी एक्सप्रेस की बोगी के ब्रेक पैड में लगी आग

सुरक्षा जांच के बाद स्टेशन से रवाना

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर नुआपड़ा। राज्य में ट्रेन हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। बाहानगा ट्रेन हादसे के बाद एक और ट्रेन हादसे की खबर सामने आयी है। बताया जा रहा है कि इस बार एसी डिब्बे में आग लग गयी। यह हादसा नुआपड़ा खरियार रोड पर पुरी दुर्ग एक्सप्रेस में हुआ। इस हादसे में कोई यात्री हताहत नहीं हुआ। ऐसा हादसा गुरुवार को देर रात को दुर्ग पुरी एक्सप्रेस के बी-3 कोच में हुआ।

रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार 18426 दुर्ग-पुरी एक्सप्रेस रात 10:07 बजे खरियार रोड स्टेशन पर पहुंची। ब्रेक घर्षण के कारण बी-3 कोच के नीचे के ब्रेक पैड में आग लग गयी, लेकिन आग कोच में नहीं घुसी। केवल ब्रेक पैड में आग लगी और कोई अन्य नुकसान नहीं हुआ। समस्या का तुरंत समाधान किया गया और ट्रेन को रात 11 बजे उक्त स्टेशन से पुरी की ओर अपनी यात्रा शुरू की।

निर्मला सीतारमण ने बड़ी सादगी से की बेटी की शादी

आजाद सिपाही संवाददाता

बेंगलुरु। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को सादगी से अपनी बेटी परकला वांगमयी की शादी की। विवाह की रस्में उनके बेंगलुरु स्थित घर पर हुईं। शादी समारोह में सिर्फ परिवार के लोग और खास दोस्त ही शामिल हुए। शादी में किसी नेता या वीआइपी गेस्ट को न्योता नहीं दिया गया था। सीतारमण के दामाद प्रतीक दोषी गुजरात के रहने वाले हैं। वे पीएमओ में ओएसडी हैं।

उडुपी अदामारू मठ के संतों ने दिया आशीर्वाद : सीतारमण की बेटी परकला और प्रतीक की शादी ब्राह्मण परंपरा से हुई। उडुपी अदामारू मठ के संतों ने दोनों को आशीर्वाद दिया और शादी की सभी रस्में करायीं।

प्रधानमंत्री मोदी के साथ काम करते हैं प्रतीक : सीतारमण के दामाद प्रतीक प्रधानमंत्री मोदी के खास सहयोगी हैं। वे पीएम ऑफिस में ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी हैं। वे 2014 से ही पीएमओ में काम कर रहे हैं। उन्हें 2019 में ज्वांइट सेक्रेटरी की रैंक दी गयी और ओएसडी बनाया गया। वे रिसर्च और स्ट्रैटजी का काम देखते हैं। प्रतीक सिंगापुर मैनेजमेंट स्कूल से ग्रैजुएट हैं। जब मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे, उस समय प्रतीक उनके ऑफिस में रिसर्च असिस्टेंट थे।

फीचर राइटर हैं निर्मला की बेटी : निर्मला की बेटी परकला वांगमयी मिंट लाउंज में फीचर राइटर हैं। उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी के इंग्लिश डिपार्टमेंट से मास्टर्स डिग्री ली है। उन्होंने अमेरिका के नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी के मेडिल स्कूल ऑफ जर्नलिज्म में भी पढ़ाई की है। निर्मला के पति परकला प्रभाकर एक राजनीतिक अर्थशास्त्री हैं। वे आंध्रप्रदेश सरकार में जुलाई 2014 से जून 2018 तक कम्युनिकेशन सलाहकार रह चुके हैं।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए कानून लाने की तैयारी में सरकार

नयी दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) को लेकर सरकार ने अपना रुख साफ कर दिया है। केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने आज एक प्रेस वार्ता में कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए नियम बनाएगी कि यह 'डिजिटल नागरिकों' को नुकसान न पहुंचाये। आइटी मिनिस्टर ने कहा कि एआई के खतरों से डरने की कोई जरूरत नहीं है। अगले कुछ सालों में नौकरी जाने का डर भी निराधार है। फिलहाल, एआई की वजह से नौकरियों पर कोई खतरा नहीं है।

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित।
संपादक : हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक* :** विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**